राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

धनबाद में गांजा तस्करों के साथ आरपीएफ की टीम

• बोकारो, गुरुवार 20 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 94 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता : सुप्रीम कोर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रविकांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था। बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती है। वहीं धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगाती है। इसलिए ट्रिब्यूनल को कानून के उद्देश्य को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने की शक्ति भी है।

राज्यपाल ने तीर चलाकर किया राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ

खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही केन्द्र सरकार : गंगवार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के सेक्टर-4 स्थित कुमार मंगलम स्टेडियम में दूसरी एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता 29 अगस्त तक चलेगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने तीर चलाकर और गुब्बारे उड़ाकर किया। इस मौके पर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक श्वेता सिंह और बोकारो तीरंदाजी एसोसिएशन के अध्यक्ष लंबोदर महतो समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता में देशभर से 900 से अधिक पुरुष और महिला तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं। सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के कई राज्यों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि तीरंदाजी, देश का प्राचीन खेल है। 2014 के बाद केंद्र सरकार की ओर से खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं जिससे युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड तीरंदाजी के क्षेत्र में पहले से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और बोकारो में इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए झारखंड को 'लैंड ऑफ आर्चरी' बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में तीरंदाजी की प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और खिलाड़ियों को उचित मंच मिलने पर वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। वहीं, बोकारो तीरंदाजी एसोसिएशन के अध्यक्ष लंबोदर महतो ने कहा कि यह प्रतियोगिता झारखंड के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इससे युवाओं में उत्साह बढ़ेगा और तीरंदाजी को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। बोकारो तीरंदाजी संघ की सचिव एंजेला सिंह ने बताया कि जिले में पहली बार इतने बड़े स्तर की तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। प्रतियोगिता में विश्व चैंपियन रजत चौहान और दीपिका जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अर्जुन पुरस्कार विजेता और प्रशिक्षक राहुल बनर्जी सहित लगभग 15 से 20 अर्जुन पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी तथा पद्मश्री सम्मानित खिलाड़ी भी इस आयोजन का हिस्सा हैं। प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड तीरंदाजी संघ और बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजकों ने खेलप्रेमियों से प्रतियोगिता स्थल पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

पतरातू डैम के खोले गए चार फाटक

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पतरातू डैम के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए डैम के चार फाटक खोल दिए गए हैं। इससे नलकारी नदी के साथ-साथ दामोदर नदी में भी पानी का बहाव तेज हो गया है और निचले इलाकों में जलस्तर बढ़ने की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से नदी और डैम के आसपास नहीं जाने की अपील की है।

बारिश से तीन घर जमींदोज

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले में लगातार हो रही बारिश से जन-जीवन प्रभावित है। 24 घंटे से हो रही बारिश से हल्दीपोखर क्षेत्र के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। भारी बारिश से तीन कच्चे घर जमींदोज हो गए जबकि करीब एक दर्जन घरों को नुकसान पहुंचा है। घर गिरने से परिवारों के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। वे फिलहाल सुरक्षित जगह पर रहने को मजबूर हैं। जानकारी मिलते ही पोटका सीओ निकिता बाला ने त्वरित संज्ञान लिया। प्रशासन बारिश से हुए नुकसान का आकलन करा रहा है।

तीन घरों का ताला तोड़ लाखों की चोरी

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के चित्तरडीह गांव में मंगलवार की रात में चोरों ने जमकर तांडव मचाया। चोरों ने तीन घरों का ताला तोड़कर नकदी, आभूषण, बर्तन व कपड़े सहित करीब ढाई लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ किया। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत है। चोरों ने गांव की ननकी देवी, कंचन देवी व सुलेखा देवी के घरों को निशाना बनाया। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने करीब एक घंटे के भीतर तीनों घरों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स में दो खिलाड़ियों का चयन

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। पंजाब के गुरूनागक स्टेडियम (लुधियाना) में आगामी एक से तीन सितंबर तक राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का आयोजन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में किया जायेगा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लातेहार जिला के आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के दो प्रशिक्षु जयदीप उरांव और आकाश उरांव का चयन किया गया है। जयदीप सात स्पर्धाओं वाली व्यक्तिगत एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेगें जबकि आकाश उरांव का चयन मिश्रित रिले दौड़ के लिए किया गया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी मिली तो हुई कार्रवाई : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर जारी विवाद के बीच उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार ने युवाओं का भरोसा और विश्वास कायम रखने के लिए परीक्षाओं के मामले में कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि जेएसएससी सीजीएल में गड़बड़ी की जानकारी सरकार को मिली थी जिसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की गयी। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी के साथ अन्याय करना नहीं बल्कि भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता और युवाओं के विश्वास को कायम करना है। वहीं जेएसएससी सीजीएल के माध्यम से चयनित होकर सरकारी सेवा में योगदान दे चुके कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द होने के मामले में उन्होंने कहा कि प्रभावित कर्मचारियों के लिए न्यायालय का रास्ता खुला हुआ है। जेएसएससी सीजीएल के चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति रद्द किये जाने के सवाल पर सुदिव्य सोनू ने कहा कि सरकार ने कार्रवाई की है लेकिन इससे प्रभावित कर्मचारी न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक व्यवस्था में पूरे मामले की समीक्षा होगी और इसके बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि सरकार की कार्रवाई सही थी या गलत। यानी नियुक्ति रद्द होने के बाद प्रभावित कर्मचारियों के पास कानूनी चुनौती का विकल्प मौजूद है। परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसियों को लेकर मंत्री ने एक अहम सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि देश में परीक्षा एजेंसियों का नेशनल रजिस्टर बनाया जाना चाहिए। सुदिव्य सोनू के अनुसार इस रजिस्टर में देश के किसी भी राज्य में ब्लैकलिस्ट की गयी परीक्षा एजेंसी की पूरी जानकारी उपलब्ध होनी चाहिए। इससे किसी राज्य में प्रतिबंधित या ब्लैकलिस्टेड एजेंसी दूसरे राज्य में परीक्षा आयोजित नहीं कर सकेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ऐसी प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है जिससे परीक्षा कराने वाली एजेंसियों की विश्वसनीयता पहले ही जांची जा सके। टीडीपीएल से जुड़ी कथित गड़बड़ियों को लेकर मंत्री ने कहा कि सरकार को कंपनी के संबंध में जानकारी मिली थी। इसके बाद सीआइडी ने छापेमारी और जांच की जिसके बाद मामले से जुड़े तथ्य सामने आये। इसके बाद यह सवाल उठा कि टीडीपीएल ने जिन-जिन परीक्षाओं का संचालन किया है, क्या उन सभी परीक्षाओं की भी जांच होनी चाहिए। इसी के आधार पर संबंधित परीक्षाओं और नियुक्तियों की समीक्षा एवं जांच की प्रक्रिया शुरू की गयी। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं के बीच भरोसा कायम करना है। जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन के दौरान उठ रही सीबीआइ जांच की मांग पर सुदिव्य सोनू ने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान छात्रों की प्रमुख मांग जेएसएससी सीजीएल को रद्द करने की थी और सरकार ने युवाओं के विश्वास को ध्यान में रखते हुए उस दिशा में कार्रवाई की है। सरकारी नियुक्तियों पर मौजूदा विवाद और विभिन्न परीक्षाओं की जांच के असर को लेकर मंत्री ने कहा कि परिस्थितियां विपरीत है मगर सरकार उसे बेहतर करने का प्रयास करेगी।

झारखंड के मुख्य सचिव ने की मां जानकी की पूजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सीतामढ़ी। झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार बुधवार को सीतामढ़ी पहुंचे। उन्होंने पुनौरा धाम में मां जानकी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति व खुशहाली की कामना की। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी भी उनके साथ थीं। पूजा-अर्चना के बाद अविनाश कुमार ने निर्माणाधीन मंदिर परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य की प्रगति और परिसर में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि यह ऐसा क्षेत्र है जहां आकर मन प्रसन्न होता है। उन्होंने स्वयं को इसका हिस्सा मानकर गौरवान्वित महसूस करने की बात कही। उन्होंने यह भी बताया कि मां जानकी की जन्मभूमि होने के कारण यह क्षेत्र विशेष महत्व रखता है। अविनाश कुमार ने अपनी कामना व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के लोग प्रसन्न रहें, खुशहाल रहें, यही मेरी कामना है। क्षेत्र में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहे, मां जानकी से यही प्रार्थना करता हूं। बता दें कि अविनाश कुमार मूल रूप से सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड के बघारी गांव के निवासी हैं। वर्तमान में वह झारखंड सरकार में मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। मुख्य सचिव बनने के बाद यह उनका अपने गृह क्षेत्र का दौरा था।

कोयल नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से बाढ़ का खतरा बढ़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में लगातार बारिश के कारण कोयल नदी एक बार फिर उफान पर है। पांच दिनों के भीतर दूसरी बार नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है जिससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मेदिनीनगर के कोयल रिवर फ्रंट पर कुछ युवा जान जोखिम में डालकर नदी के तेज बहाव में तैराकी और स्टंट कर रहे हैं। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों को अलर्ट पर रखा है। हालांकि लोगों को नदी किनारे जाने और उसमें उतरने से रोकने के लिए नगर निगम और पुलिस प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। इससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने से आसपास के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को लगातार हालात पर नजर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि पांच दिन पहले भी कोयल नदी के ऊपरी क्षेत्र में हुई भारी बारिश का असर पलामू में दिखा था। तब रात करीब तीन बजे अचानक नदी में बाढ़ आ गई थी। कोयल रिवर फ्रंट पूरी तरह पानी में डूब गया था और आसपास की सड़कों पर नदी का पानी बहने लगा था। पहाड़ी और पंपुकल जैसे इलाकों में स्थिति गंभीर हो गई थी, जहां सड़कों पर पांच फीट तक पानी बह रहा था और कई घरों में भी पानी घुस गया था। एक बार फिर कोयल नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। बारिश का सिलसिला जारी रहने पर नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया बूथों का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को जिले में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने लिट्टीपाड़ा, पाकुड़ एवं महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और मतदाताओं से बातचीत की। इस दौरान आगामी 24 अगस्त से होने वाली सुनवाई को लेकर की गयी तैयारियों की समीक्षा की गई। के रवि कुमार ने बूथों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का निरीक्षण किया। साथ ही पात्र मतदाता का नाम पुनरीक्षण के दौरान सूची में शामिल हो एवं अपात्र लोग का नाम सूची में शामिल न हो, इसके लिए बूथ लेवल अधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर को कई आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने एसआईआर के तहत डिजिटाइजेशन के उपरांत सूची के प्रकाशन के बाद वैसे मतदाताओं जिनके नाम एवं अन्य त्रुटियां रह गयी हैं, उन मतदाताओं से भी संवाद किया एवं उनकी समस्याओं को जाना। साथ ही उसके निदान के बारे में भी जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलओ एवं मतदाताओं से मिलकर प्रमुख समस्या क्या है, इसकी जानकारी ली गई। साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की गई और समस्या का समाधान हो इस पर फोकस किया गया। उन्होंने कहा कि धनबाद, जामताड़ा जिले का भी निरीक्षण किया गया है। मतदाताओं को किसी प्रकार की समस्या न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उपनिर्वाचन पदाधिकारी मोजाहिद अंसारी, तीनों विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्रों का आंदोलन खत्म : सरकार को दो महीने का अल्टीमेटम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के खिलाफ कई दिनों से चल रहा छात्रों का आंदोलन आखिरकार खत्म हो गया है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। इससे एक दिन पहले देवेंद्रनाथ गुट ने भी अपना आंदोलन खत्म कर दिया था। अब छात्रों ने राज्य सरकार को मामले की उच्चस्तरीय जांच पूरी करने के लिए दो महीने का समय दिया है। मंच ने साफ कर दिया है कि अगर तय समय में निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हुई तो छात्र फिर बड़ी संख्या में रांची पहुंचेंगे और इस बार सीबीआई जांच उनकी मुख्य मांग होगी। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच की कोर कमेटी की बैठक में आंदोलन को फिलहाल खत्म करने का फैसला लिया गया। छात्रों का कहना है कि राज्य सरकार ने उनकी मांगों को लेकर कई बड़े कदम उठाए हैं इसलिए उसे मामले की जांच पूरी करने के लिए थोड़ा समय दिया जाना चाहिए। छात्रों ने कहा कि सरकार को दो महीने के भीतर जेपीएससी-जेएसएससी से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच पूरी करनी होगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो मंच दोबारा बड़ी संख्या में छात्रों को एकजुट करेगा और राजधानी रांची में जोरदार आंदोलन किया जाएगा। उस समय सीबीआई जांच की मांग आंदोलन का मुख्य मुद्दा होगी। कोर कमेटी के छात्रों ने दावा किया कि उनके आंदोलन का असर हुआ है और राज्य सरकार ने छात्रों की मांगों को गंभीरता से लिया है। छात्रों के मुताबिक आंदोलन के दबाव के बाद सरकार ने 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द की हैं जबकि कई अन्य परीक्षाओं की जांच भी चल रही है। छात्रों का कहना है कि जब सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों की जांच शुरू कर दी है तो उसे निष्पक्ष तरीके से जांच पूरी करने का मौका दिया जाना चाहिए। इसी वजह से फिलहाल आंदोलन को खत्म करने का फैसला लिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद को लेकर अलग-अलग गुटों की ओर से आंदोलन किया जा रहा था। पहले देवेंद्रनाथ गुट ने भी अपना आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया था। इसके बाद जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने भी आंदोलन खत्म करने की घोषणा कर दी। इस तरह फिलहाल राजधानी रांची में भर्ती परीक्षाओं को लेकर चल रहा छात्रों का आंदोलन थम गया है। हालांकि मंच ने साफ किया है कि सरकार की कार्रवाई पर उसकी नजर बनी रहेगी और तय समय में जांच पूरी नहीं होने पर छात्र फिर सड़क पर उतरेंगे। इधर जिला प्रशासन ने भी बीती रात आंदोलन में शामिल छात्रों से अपने-अपने घर लौटने की अपील की थी। प्रशासन की ओर से कहा गया था कि बुधवार दोपहर तक सभी छात्र धरनास्थल खाली कर अपने घर चले जाएं।

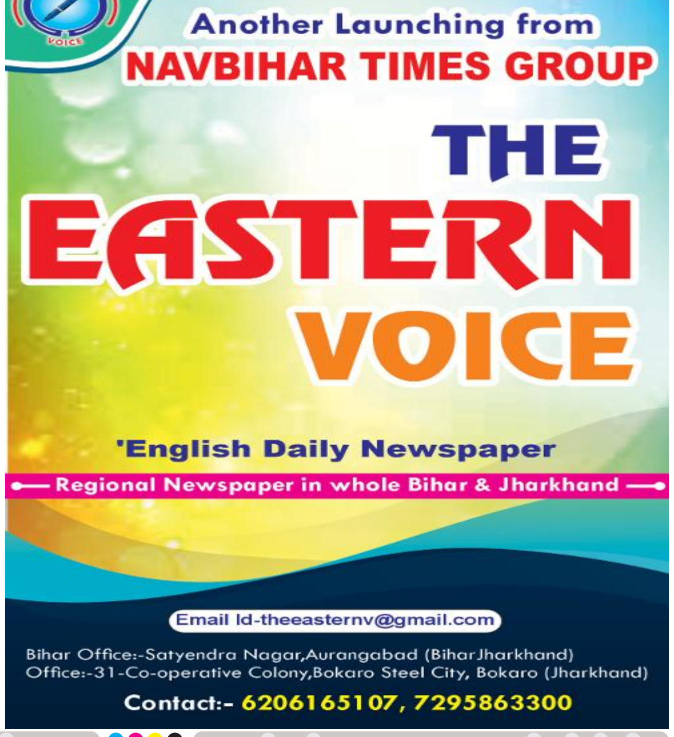

C M Y K

बगोदर में युवक की हत्या, होटल मालिक समेत दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बगोदर थाना क्षेत्र के हेसला निवासी करीब 27 वर्षीय मिथिलेश यादव उर्फ छोटू यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए होटल मालिक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार घटना 14 अगस्त की रात की है मामले की जांच के लिए एसडीपीओ बगोदर-सरिया के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (सीट) का गठन किया गया था पुलिस जांच में सामने आया कि घटना से पहले मिथिलेश यादव शराब के नशे में घाघरा स्थित रिंकू होटल पहुंचा था वहां उसने बीयर मांगी पैसे को लेकर होटल मालिक महेश रजक और होटल स्टाफ सीमा ठाकुर से उसका विवाद हुआ पुलिस के अनुसार विवाद के बाद मिथिलेश के साथ धक्का मुक्की और गाली गलौज भी हुई इसके बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से हेसला की ओर निकल गया पुलिस के मुताबिक पुरानी कहासुनी और विवाद को लेकर होटल मालिक के मन में मिथिलेश के प्रति नाराजगी थी घटना वाली रात करीब दो बजे के आसपास मौका पाकर महेश रजक और सीमा ठाकुर ने कथित तौर पर उसका पीछा किया सर्विस रोड में कपसा मंदिर के पास नशे के कारण मिथिलेश के गिरने के बाद दोनों ने उस पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई सड़क हादसा दिखाने की कोशिश का आरोप पुलिस के अनुसार हत्या के बाद घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई मिथिलेश की मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त कर शव को सड़क पर लिटा दिया गया इसके बाद दोनों आरोपी होटल लौट गए और कथित तौर पर घटना में इस्तेमाल हथियारों को होटल के नीचे बने कमरे में छिपा दिया पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हथियार बरामद कर लिए हैं गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महेश रजक लगभग 38 वर्ष होटल मालिक निवासी घाघरा थाना बगोदर तथा सीमा ठाकुर लगभग 58 वर्ष होटल स्टाफ निवासी गोपालडीह थाना बगोदर के रूप में हुई है पुलिस ने घटना में इस्तेमाल टांगी और सब्बल बिना निबंधन नंबर की लाल रंग की पैशन मोटरसाइकिल तथा आरोपी महेश रजक का मोबाइल फोन जब्त किया है मामले में मृतक के भाई अशोक यादव के आवेदन के आधार पर बगोदर थाना कांड संख्या 161/26 दर्ज किया गया है पुलिस ने मामले की जांच जारी रखते हुए घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की है।

पीडीएस व सदर अस्पताल की अनियमितता पर कांग्रेस ने जताई नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजधनवार । कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय कुमार सिंह बुधवार को हजारीबाग से गिरिडीह जाने के क्रम में राजधनवार पहुंचे यहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रखंड में जन वितरण प्रणाली पीडीएस और सदर अस्पताल में कथित अनियमितताओं की शिकायत धनंजय सिंह से की। कार्यकर्ताओं की शिकायत पर उन्होंने कहा कि पीडीएस और स्वास्थ्य व्यवस्था सीधे तौर पर जनता से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं इनमें किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी धनंजय सिंह ने कहा कि मामले को लेकर जिले के संबंधित पदाधिकारियों से मुलाकात कर बातचीत की जाएगी। जरूरत पड़ी तो विभागीय मंत्री से भी मिलकर समस्याओं को उनके समक्ष रखा जाएगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में नगर निगम की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में नगर निगम क्षेत्र की वर्तमान नगरीय व्यवस्था एवं संचालित कार्यों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, जल निकासी, भवन निर्माण, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग, वेंडिंग जोन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बरसात के दिनों में शहर के विभिन्न इलाकों में होने वाले जलजमाव की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित कर प्रभावी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही जहां बिना समुचित जल निकासी व्यवस्था के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, वहां नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त ने नगर निगम अधिकारियों एवं टाउन प्लानर से बहुमंजिला एवं अन्य भवनों के निर्माण की स्थिति की जानकारी लेते हुए बिना विधिवत नक्शा स्वीकृत कराए तथा नियमों का उल्लंघन कर निर्मित भवनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ऐसे भवनों के स्वामियों को नोटिस निर्गत करने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिया कि नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी प्रतिष्ठान, व्यावसायिक भवन, बहुमंजिला इमारत एवं अन्य प्रकार के निमार्णाधीन भवन सात दिनों के अंदर भवन चित्र, भूमि प्रतिवेदन, अग्निशमन यंत्र से संबंधित दस्तावेज, पार्किंग तथा वाहनों के आगमन-निर्गमन की व्यवस्था सहित आवश्यक दस्तावेज नगर निगम कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित भू-स्वामी के पास वैध अनुमति प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं है तथा भवन उपविधि यथा संशोधित एवं नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने सहायक नगर आयुक्त से उनके कार्यों की जानकारी लेते हुए नगरीय व्यवस्था को ठोस कार्ययोजना के साथ दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने गलत तरीके से निर्मित भवनों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए ऐसे निमार्णों पर रोक लगाने का स्पष्ट संदेश देने को कहा। उन्होंने शहर में नालियों की नियमित एवं प्रभावी सफाई, स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था तथा अवैध एवं बड़े भवनों के विरुद्ध कार्रवाई को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार कर 15 दिनों के अंदर प्रस्ताव समर्पित करने को कहा। शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की भी हुई समीक्षा बैठक में शहरी क्षेत्र में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई।

संक्षिप्त समाचार

महूदी चौपारण में जाम से हाहाकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की लापरवाही से आम से खास तक परेशान

चौपारण/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। महूदी चौपारण में सड़क निर्माण कार्य के दौरान लगातार लग रहे जाम से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। सुबह से लेकर देर शाम तक सड़क पर वाहनों की लंबी कतार देखी जा रही है। आम राहगीरों से लेकर जनप्रतिनिधि, व्यवसायी और जरूरी काम से आने-जाने वाले लोग घंटों जाम में फंसने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण कंपनी द्वारा निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। सड़क पर निर्माण सामग्री, मशीनरी और सीमित आवागमन व्यवस्था के कारण अक्सर वाहनों की रफ्तार थम जाती है और देखते ही देखते लंबा जाम लग जाता है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों को लेकर जाने वाले वाहनों, एंबुलेंस, स्कूली वाहनों और अन्य जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को हो रही है। जाम के कारण लोगों का समय बर्बाद होने के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्माण कार्य की निगरानी और यातायात प्रबंधन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सड़क निर्माण जरूरी है, लेकिन निर्माण के दौरान आम जनता को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना भी संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी है। लोगों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जिला प्रशासन से महूदी चौपारण में जाम की समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त यातायात कर्मियों की तैनाती, वाहनों के लिए उचित मार्ग व्यवस्था और निर्माण कार्य की बेहतर निगरानी की जाए, ताकि लोगों को रोजाना घंटों जाम की समस्या से निजात मिल सके।

दीप और दोहों के साथ गूंजा गोस्वामी तुलसीदास जी का नाम

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरगंडा गिरिडीह में बुधवार को गोस्वामी तुलसीदास जयंती श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कमल ने दीप प्रज्वलित कर एवं गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया इस अवसर पर प्रधानाचार्य आनंद कमल ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने अपनी महान कृति रामचरितमानस के माध्यम से समाज को मयार्दा नैतिकता संस्कार और भक्ति का अमूल्य संदेश दिया आज के समय में उनके आदर्शों को अपनाकर ही एक सशक्त संस्कारवान और आदर्श राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है वहीं विद्यालय के आचार्य अजित मिश्र ने तुलसीदास के जीवन चरित्र एवं रामचरितमानस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने संस्कृत के स्थान पर अवधी भाषा में रामकथा की रचना कर भगवान श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को जन जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जयंती के अवसर पर प्रांत स्तरीय निबंध सुलेख एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इसमें कक्षा द्वितीय से द्वादश तक के भैया बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया विद्यार्थियों ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन व्यक्तित्व और रामचरितमानस से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने तुलसीदास जी के जीवन और उनकी रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. ब्रजेश बर्णवाल सरिता कुमारी मनीष पाठक जितेंद्र मिश्र एवं शुभेंदु चंदन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साहित्य सम्मेलन में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनायी तुलसी जयंती

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। साहित्य सम्मेलन के ऊपरी तल पर स्थित संत-शिरोमणि महाकवि गोस्वामी तुलसी दास की भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण और पूजन के साथ तुलसी जयन्ती मनायी गयी। श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि तुलसी दास एक भक्त कवि ही नहीं, साहित्य की भाव-संपदा से संपन्न एक ऐसे साहित्यकार हैं, जिन्होंने काव्य-साहित्य को हिमालय की ऊँचाई दी है।'रामचरित मानस' तो उनकी अमर कृति ही है, जिसने भारतीय समाज को आत्म-गौरव से भरकर नवजीवन प्रदान की, बल्कि उनकी अन्य कृतियाँ 'विनय-पत्रिका', 'कवितावली', 'दोहावली', 'गीतावली', 'बरवै रामायण', 'पार्वती मंगल', 'जानकी मंगल' आदि भी लालित्यपूर्ण साहित्य की सुंदरम उदाहरण हैं। वे सही अर्थों में लोक-नायक हैं और उनकी कृतियाँ 'साहित्य' को अर्थ प्रदान करती हैं। यह बातें बुधवार को साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। जयंती पर हजारी प्रसाद द्विवेदी और महाकवि आरसी प्रसाद सिंह को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृत, हिन्दी, बांगला और अंग्रेजी भाषाओं के अधिकारी विद्वान और 'पद्मभूषण' अलंकरण से विभूषित आचार्य द्विवेदी जी एक महान समालोचक, निबन्धकार और उपन्यासकार थे। हिन्दी-साहित्य के एक मुक्त विश्वविद्यालय ही थे द्विवेदी जी, जिनका सान्निध्य पाकर अनेक नवोदित साहित्यकार हिन्दी-व्योम के देदीप्यमान नक्षत्र बन गए। वहीं दूसरी ओर, प्रकृति, प्रेम, जीवन और यौवन के महाकवि थे आरसी प्रसाद सिंह। मैथिली और हिन्दी में समान अधिकार से लिखने वाले आरसी बाबू बिहार के सर्वाधिक लोकप्रिय कवियों, दिनकर, प्रभात, वियोगी, नेपाली और जानकी बल्लभ शास्त्री के साथ परिगणित होते हैं । वे भारत के उस शाश्वत जीवन-दर्शन का चित्रण प्रस्तुत करते हैं, जिसमें जीवन के प्रति एक रागात्मक वितराग है - "जीवन क्या है? निर्झर है/ मस्ती ही इसका पानी है/ सुख-दुःख के दोनों तीरों से / चल रहा राह मनमानी है"।

जर्जर सड़क को लेकर मानव श्रृंखला, प्रशासन को दिया आंदोलन का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तेलोडीह पंचायत की जर्जर मुख्य सड़क के निर्माण एवं तत्काल मरम्मती की मांग को लेकर बुधवार को पंचायतवासियों ने मुखिया शब्बीर आलम के नेतृत्व में विशाल मानव श्रृंखला बनाकर जिला प्रशासन और सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से आयोजित इस आंदोलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए मानव श्रृंखला की शुरूआत तेलोडीह स्थित पेट्रोल पंप से हुई इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों वार्ड सदस्य प्रतिनिधियों पंचायत समिति सदस्य उपमुखिया समाजसेवियों बुद्धिजीवियों के साथ बुजुर्ग युवा एवं बच्चे भी शामिल हुए हाथों में तख्तियां लेकर ग्रामीणों ने फॉरेस्ट कॉलोनी तक पैदल मार्च किया और सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया मौके पर मुखिया शब्बीर आलम ने कहा कि तेलोडीह पंचायत की मुख्य सड़क पिछले करीब दो वर्षों से जर्जर है सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि आए दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने कहा कि जनता जान जोखिम में डालकर आवागमन करने को मजबूर है इसके बावजूद अब तक सड़क निर्माण या मरम्मती को लेकर ठोस पहल नहीं हुई है मुखिया ने जिला प्रशासन और सरकार से सड़क निर्माण अथवा कम से कम तत्काल मरम्मती कार्य शुरू कराने की मांग की उन्होंने कहा कि पंचायतवासी अपनी मांग लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से रख रहे हैं प्रशासन इसे जनता की गंभीर पीड़ा और अधिकार की आवाज के रूप में देखे उन्होंने सवाल उठाया कि सड़क की बदहाल स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है, जबकि ग्रामीणों को प्रतिदिन इसी सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण या मरम्मती की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो पंचायतवासी चरणबद्ध एवं संवैधानिक आंदोलन करने को बाध्य होंगे जरूरत पड़ने पर भूख हड़ताल भी की जाएगी।

15 सितंबर तक दावा आपत्ति का मौका 19 अक्टूबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर-2026 के कार्यक्रम में संशोधन किया है संशोधित कार्यक्रम के तहत अब मतदाता सूची को लेकर दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 कर दी गई है। पहले यह अवधि 5 अगस्त तक निर्धारित थी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावा एवं आपत्तियों से संबंधित नोटिस जारी करने तथा उनके निष्पादन की प्रक्रिया 5 अगस्त से 14 अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगी। वहीं एसआईआर 2026 के तहत तैयार अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने संबंधित निर्वाचन पदाधिकारियों को संशोधित कार्यक्रम के अनुरूप सभी आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया है। साथ ही कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने पर जोर दिया गया है ताकि जिले के सभी पात्र मतदाताओं को इसकी जानकारी मिल सके जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की जांच करें नाम पता अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि या आपत्ति होने पर निर्धारित समय सीमा के भीतर नियमानुसार दावा या आपत्ति दर्ज कराएं प्रशासन का कहना है कि सटीक अद्यतन और त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है।

खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ बनियाडीह में पुतला दहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । खान एवं खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में बुधवार को गिरिडीह के बनियाडीह में झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो गिरिडीह पूर्वी पश्चिमी प्रखंड कमेटी एवं झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन की क्षेत्रीय समिति ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो केंद्रीय कमेटी सदस्य दिलीप मंडल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार खान एवं खनिज संशोधन विधेयक के जरिए झारखंड को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहती है उन्होंने कहा कि विधेयक लागू होने से राज्य को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है और विकास योजनाओं पर इसका असर पड़ सकता है उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव गांव जाकर लोगों को विधेयक के बारे में जागरूक करने की अपील की झारखंड युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कोलेश्वर सोरेन ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश का इंतजार है और जरूरत पड़ने पर गिरिडीह की जनता को साथ लेकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा उन्होंने दावा किया कि विधेयक का असर मंईयां सम्मान योजना सर्वजन पेंशन अबुआ आवास और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं पर पड़ सकता है अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष चांद रसीद ने केंद्र सरकार पर झारखंड के विकास को बाधित करने का आरोप लगाया। जिला सह सचिव दिलीप रजक ने कहा कि गिरिडीह में विधेयक के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा युवा मोर्चा जिला संगठन सचिव मेहताब मिर्जा ने कहा कि आंदोलन के पहले चरण में गांव गांव जाकर लोगों को विधेयक के संभावित प्रभावों की जानकारी दी जा रही है वहीं झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष हरगौरी साव छक्कू और सचिव तेजलाल मंडल ने चेतावनी दी कि यदि विधेयक वापस नहीं लिया गया तो गिरिडीह से कोयला बाहर जाने देने के खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा मौके पर गिरिडीह पूर्वी प्रखंड अध्यक्ष प्रधान मुर्मू सचिव सरफ्फूदीन अंसारी गिरिडीह पश्चिमी प्रखंड अध्यक्ष अनवर अंसारी अर्जुन रवानी नरेश यादव प्रकाश यादव नारायण दास जगत पासवान सीताराम मांझी चुडका हांसदा किशोर राम सुरेंद्र दास खुबलाल दास सुनील दास मनोज मंडल और सचिन वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

नि:शुल्क कांवरिया सेवा शिविर का धनंजय सिंह ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिला बनने के बाद पहली बार जिला पुलिस की ओर से पपरवाटांड़ में निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर शुरू किया गया है बुधवार को कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय कुमार सिंह शिविर में पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया धनंजय सिंह ने कहा कि पुलिस द्वारा लगाए गए इस शिविर में कांवरियों और श्रद्धालुओं के लिए ठहरने भोजन तथा मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है उन्होंने बताया कि ये सभी सुविधाएं दिन रात जारी रहेंगी और शिविर 28 अगस्त तक संचालित होगा उन्होंने कहा कि गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार की पहल पर यह सराहनीय कार्य शुरू किया गया है धनंजय सिंह ने पुलिस अधीक्षक और उनकी पूरी टीम को सेवा शिविर के आयोजन के लिए बधाई दी धनंजय सिंह ने कहा कि पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने जिले में सेवा और पुलिसिंग की एक नई मिसाल कायम की है उन्होंने कहा कि आने वाले पुलिस अधीक्षकों के लिए इस पहल को आगे बढ़ाना एक चुनौती जरूर होगी लेकिन महादेव की कृपा रही तो यह सेवा कार्य हर वर्ष इसी तरह निरंतर जारी रहेगा उन्होंने पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार को देशभर के 100 पुलिस अधीक्षकों के चयन में शामिल होने पर भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं मौके पर सार्जेंट सनी मेजर पीयूष और प्रोफेसर कमल नयन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक ने छात्र-छात्राओं के बीच बांटीं 75 साइकिलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बसरिया के प्रांगण में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित हुए। उन्होंने अपने कर-कमलों द्वारा विद्यालय के लगभग 75 विद्यार्थियों को साइकिलें सौंपी। साइकिल प्राप्त कर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विधायक को विद्यालय की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया, जिसमें सबसे प्रमुख समस्या शिक्षकों की कमी थी। विधायक मनोज कुमार यादव ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके से ही हजारीबाग के डीडीसी से दूरभाष (टेलीफोन) पर वार्ता की और विद्यालय में जल्द से जल्द शिक्षकों की कमी को दूर करने का स्पष्ट निर्देश दिया। इससे पूर्व, विद्यालय परिवार एवं समस्त छात्र-छात्राओं की ओर से मुख्य अतिथि सहित सभी आगंतुकों का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मौके पर सुनील सिंह, गजाधर प्रसाद, पूर्व मुखिया नरेश पासवान, नेमधारी यादव, मनीष सिंह, पिंटू सोनी, शिक्षक भुनेश्वर साव, रामधानी दांगी, कपिल यादव, विजय साव, नितेश गुप्ता, लखन प्रजापति, प्रदीप केशरी, देओकी रविदास, उमेश भुइयाँ सहित कई अन्य गणमान्य ग्रामीण एवं शिक्षक उपस्थित थे।

विकास योजनाओं में लापरवाही पर डीसी सख्त, समय पर पूरा करें लंबित काम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में चल रही विकास योजनाओं की गति गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में तकनीकी पदाधिकारियों और विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की इस दौरान सड़क भवन पेयजल बिजली सिंचाई समेत विभिन्न आधारभूत संरचना की योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई उपायुक्त ने अधिकारियों से योजनाओं की वर्तमान स्थिति पूर्ण और लंबित कार्यों तथा कार्य में आ रही बाधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी लंबे समय से लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया। गुणवत्ता से समझौता नहीं डीसी ने कहा कि विकास योजनाओं का सीधा संबंध आम जनता की सुविधाओं और जिले के विकास से है। उन्होंने सभी तकनीकी पदाधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट और स्थल निरीक्षण कर वास्तविक प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया। बाधा आए तो तुरंत प्रशासन को बताएं धीमी गति से चल रही योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि किसी योजना में तकनीकी प्रशासनिक या अन्य कोई बाधा है तो इसकी जानकारी तत्काल जिला प्रशासन को दी जाए ताकि संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सके। बिजली के अव्यवस्थित तारों को दुरुस्त करने का निर्देश बैठक में विद्युत प्रमंडल उत्तरी और दक्षिणी के अधिकारियों को जिले में विभिन्न स्थानों पर लटक रहे और अव्यवस्थित बिजली तारों को व्यवस्थित कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने नियमित निरीक्षण और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा ताकि आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ी कोई समस्या उत्पन्न न हो लापरवाही पर होगी। कार्रवाई उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने सभी विभागों और कार्यकारी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध निष्पादन पर जोर देते हुए कहा कि काम में अनावश्यक विलंब लापरवाही या गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार पदाधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विद्युत प्रमंडल भवन प्रमंडल ग्रामीण कार्य विभाग लघु सिंचाई पथ प्रमंडल एनआर इपी भूमि संरक्षण समेत विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने वृद्धाश्रम में की नि:शुल्क सेवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने सामाजिक सेवा एवं मानवीय मूल्यों का परिचय देते हुए एक वृद्धाश्रम का भ्रमण किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने वहां रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर उनकी सेवा की तथा उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया। कॉलेज के विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी देखभाल और सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया, उनका हालचाल जाना और उन्हें अपनापन एवं सम्मान का अनुभव कराया। इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में *सेवा भाव, करुणा, सामाजिक जिम्मेदारी और बुजुर्गों के प्रति सम्मान* की भावना को मजबूत करना था। कॉलेज प्रबंधन ने विद्यार्थियों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में कॉलेज की शिक्षिका एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस पहल ने यह संदेश दिया कि समाज के बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

एक नजर

कांग्रेस की बैठक में फूटा कार्यकर्ताओं का आक्रोश

बिहारशरीफ। नालंदा जिला कांग्रेस की बैठक में बुधवार को पार्टी की चुनावी रणनीति और नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर कार्यकर्ताओं ने जमकर नाराजगी जताई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में स्थानीय और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर बाहरी उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जाता है, जिसका खामियाजा पार्टी को लगातार चुनावी हार के रूप में भुगतना पड़ रहा है।बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जमाल अहमद भल्लू ने कहा कि कांग्रेस के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को कोई पार्टी से बाहर नहीं कर सकता। पूर्व विधायक छत्रपति यादव और पूर्व महासचिव नागेंद्र प्रसाद विकल ने कहा कि कार्यकर्ता 8 सितंबर को दिल्ली पहुंचकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखेंगे।कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश नेतृत्व और बिहार कांग्रेस प्रभारी की कार्यशैली से जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हुई और उनकी अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति रही तो बिहार कांग्रेस की हालत तमिलनाडु और बंगाल जैसी हो सकती है।बैठक में आगामी चुनावों में स्थानीय व निष्ठावान कार्यकर्ताओं को सम्मान, संगठन में जिम्मेदारी और टिकट में प्राथमिकता देने की मांग उठी। कार्यकर्ताओं ने बैठक के स्थान को लेकर भी सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि जिस निजी सभागार में बैठक हुई, वहां से महज एक किलोमीटर की दूरी पर कांग्रेस का जिला कार्यालय मौजूद है। इसके बावजूद बैठक पार्टी कार्यालय में नहीं कराए जाने पर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई।

सोनू राम हत्याकांड में नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग

बिहारशरीफ। सोनू राम हत्याकांड के नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी और मृतक की जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को एक निजी सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। कौशल कुमार ने आरोप लगाया कि अस्थावां निवासी सोनू राम को डरा-धमकाकर प्रेमिला देवी और उसके परिजनों ने जमीन लिखवा ली थी। आरोप के अनुसार, जमीन के बकाए पैसे मांगने पर विवाद हुआ। पंचायती के दौरान मुकेश यादव, विकेश यादव और दारा यादव ने सोनू राम को जान से मारने की धमकी दी थी। 4 मई 2026 को सोनू घर से निकले और लापता हो गए। 8 मई को मानपुर थाना क्षेत्र से बरामद अज्ञात शव की पहचान आधार कार्ड से सोनू राम के रूप में हुई। मृतक की पत्नी माधुरी देवी ने 9 मई को तीनों नामजद आरोपितों के खिलाफ अपहरण और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि घटना के करीब तीन महीने बीत जाने और वरीय पुलिस अधिकारियों को आवेदन देने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई। उल्टे आरोपित केस उठाने की धमकी दे रहे हैं। चंद्रवंशी परिवार संघ ने एक सप्ताह में आरोपितों की गिरफ्तारी न होने पर जिला मुख्यालय में आक्रोश मार्च निकालने की चेतावनी दी है। मौके पर अशोक कुमार, संतोष भारती, निशांत कुमार, सुनील कुमार और सबलू कुमार मौजूद थे।

मानसून की बेरुखी से सूखे खेत

अंबा (औरंगाबाद)। मानसून की बेरुखी ने कुटुंबा प्रखंड के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान रोपनी का अनुकूल समय बीतने के बावजूद पर्याप्त बारिश नहीं होने से बड़ी संख्या में खेत खाली पड़े हैं। कई खेतों में धूल उड़ रही है तो जिन किसानों ने डीजल और मोटर पंप के सहारे रोपनी की, वहां भी पानी के अभाव में फसल पर संकट मंडरा रहा है। किसानों के अनुसार, स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो खरीफ फसल के साथ आगामी रबी की तैयारी भी प्रभावित होगी। प्रखंड की वर्मा, पिपरा बगाही, मटपा, संडा, परता, बलिया, डुमरा और डुमरी पंचायतों में हालात अधिक चिंताजनक बताए जा रहे हैं। सरईवार के किसान सुरेंद्र सिंह, डब्लू सिंह व अनिल सिंह तथा पोला के टुटू सिंह और राहुल सिंह ने बताया कि निजी संसाधनों से महंगे डीजल पर किसी तरह रोपनी की गई, लेकिन खेतों में पानी सूखने से दरारें पड़ने लगी हैं। प्रखंड कृषि पदाधिकारी डॉ. दीपक ने कहा कि बारिश की स्थिति और धान रोपनी की प्रगति पर विभाग लगातार नजर रख रहा है। प्रभावित क्षेत्रों का आकलन कर वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी। किसानों को सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली सहायता के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। किसानों ने जिलाधिकारी से प्रभावित पंचायतों का स्थल निरीक्षण कराने, कुटुंबा के सूखाग्रस्त इलाकों का आकलन कर राहत देने तथा फसल क्षति के अनुरूप मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि समय रहते राहत नहीं मिली तो आर्थिक संकट और गहरा सकता है।

तुलसी जयंती पर पूजा-भजन का आयोजन

दाउदनगर (औरंगाबाद)। श्री हनुमान मंदिर में तुलसी जयंती समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा अर्चना हनुमान मंदिर के पुजारी देवशरण मिश्रा द्वारा कराया गया। हनुमान मंदिर के पुजारी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने मुख्य रूप से 12 प्रमाणिक ग्रंथ (पुस्तक) लिखे हैं। जिनमें श्रीरामचरितमानस उनका सबसे प्रसिद्ध और महान महाकाव्य है। इसके अलावा हनुमान चालीसा को भी उन्हीं की रचना माना जाता है। घर-घर पाठ होने वाले हनुमान चालीसा की रचना कर गोस्वामी जी, जन-जन की वाणी में बसे हुए हैं। इस अवसर पर हनुमान मंदिर के अध्यक्ष कुमार नरेंद्र देव, पूजा व्यवस्थापक पप्पू गुप्ता, कोषाध्यक्ष नाथू साव, रामजी प्रसाद, राजबल्लभ शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन मंडली टीम में जयशंकर यादव, व्यास राजेंद्र सिंह, बिरहा गायक भाई अवधेश, महेश शर्मा, जितेंद्र यादव, नंद जी शामिल रहे।

कुटुंबा में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

अंबा (औरंगाबाद)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर कुटुंबा प्रखंड में दो दिवसीय 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 19 और 20 अगस्त को अनुसूचित जाति एवं महादलित टोलों में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। अभियान का मुख्य आकर्षण 20 अगस्त को निकाली जाने वाली भव्य कलश शोभायात्रा होगी। गुरुवार को दोपहर 12 बजे प्रखंड मुख्यालय से शोभायात्रा निकलेगी, जो अंबा थाना के समीप स्थित रविदास मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जीविका दीदियों, विकास मित्रों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है। बीडीओ कुटुंबा प्रियांशु बसु के अनुसार विधायक, प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, बीस सूत्री अध्यक्ष, मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य समेत त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को आयोजन में भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मियों को भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया है। अभियान का उद्देश्य संत रविदास के समानता, सामाजिक न्याय और बंधुत्व के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। शोभायात्रा के जरिए सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 गोरखा ग्रीन नवादा में लॉन्च

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटना-रांची रोड, केंदुआ स्थित मंजुराज रॉयल एनफील्ड शोरूम में रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 गोरखा ग्रीन की लॉन्चिंग की गई। यह विशेष संस्करण गोरखा रेजिमेंट के अदम्य साहस, गौरवशाली विरासत और जज्बे को सम्मान देने के रूप में पेश किया गया है। इसका नया गोरखा ग्रीन रंग क्लासिक 350 के रेट्रो डिजाइन और दमदार सड़क उपस्थिति को और खास बनाता है। इसमें जे-सीरीज इंजन, पूरी तरह एलईडी लाइटिंग, असिस्ट एवं स्लिपर क्लच, यूएसबी टाइप-सी फास्ट चार्जर और ट्रिपर नेविगेशन जैसे प्रमुख फीचर्स मिलते हैं। मंजुराज रॉयल एनफील्ड के प्रोपराइटर श्याम अग्रवाल ने कहा कि नए गोरखा ग्रीन रंग को लेकर ग्राहकों और बाइक प्रेमियों में काफी उत्साह है। सेल्स मैनेजर आनंद प्रताप सिंह ने बताया कि खासकर युवाओं के बीच इस नए रंग को लेकर काफी उत्साह है और आने वाले दिनों में इसकी बुकिंग बढ़ने की उम्मीद है।

देवघर सावन मेले के कारण बोकारो में बढ़ी चोरियां, तीन मामलों का खुलासा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। चास थाना क्षेत्र में लगातार हुई चोरी की तीन वारदातों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। घर की खिड़की तोड़कर ज्वेलरी, नकद और मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह के छह आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए चास एसपी वेदांत शंकर ने चोरी गए सामान की बरामदगी एवं गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि कई शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तारी के बीच पुलिस का कहना है कि सावन मेले में ड्यूटी और 15 अगस्त की व्यस्ताओं के कारण पुलिस बल की कमी है जिसके कारण चोरियां बढ़ गई है। दरअसल, 22 जुलाई, 14 अगस्त और 15 अगस्त की रात चास थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने घर की खिड़की तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। तीनों मामलों में चास थाना में अलग-अलग कांड दर्ज किए गए थे।

घटनाओं के उद्भेदन के लिए बोकारो पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सहायक पुलिस अधीक्षक, सदर चास के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में गौतम बाउरी उर्फ मिरींडा, राहुल कुमार बाउरी, रवि कुमार पाण्डेय, प्रिंस कुमार उर्फ कृष, अमन राज उर्फ मनीष कुमार और कृष्णा कुमार पॉल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 7 मोबाइल फोन, सोने जैसा सात पीस कंगन, 3150 ग्राम गला हुआ सोना जैसा धातु, लोहे का चापड़, छोटा तौलने वाला मशीन और पांच रुपये के 12 नोट यानी 60 रुपये नकद बरामद किए

सरकारी अनाज गोदाम गोदाम में घुसा ब्लैक कोबरा, मचा हड़कंप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। जिले के सरकारी अनाज गोदाम में एक काला कोबरा घुसने से हड़कंप मच गया। गोदाम में काम करने वाले कर्मचारी डर के कारण इधर उधर भागने लगे और कई घंटों तक कामकाज रुका रहा। कर्मचारियों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद कोबरा का रेस्क्यू किया।

कोबरा देखकर कर्मी बाहर भाग खड़े हुए

वनकर्मी मो. असराफुल शेख ने बताया कि बुधवार को दिन के लगभग 11 बजे उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब महेशपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित अनाज गोदाम में कार्यरत कर्मियों की नजर एक विशालकाय ब्लैक कोबरा पर पड़ी। कोबरा सांप पर नजर पड़ते ही सभी कर्मी अपना काम छोड़ गोदाम से बाहर भाग खड़े हुए। वनकर्मी ने बताया कि कोबरा की लंबाई लगभग 5.5 फीट है और उम्र लगभग 16-17 साल है। असराफुल शेख ने बताया कि अनाज गोदाम में काफी चूहे हैं, इसी कारण कोबरा शिकार करने एवं खुद को सुरक्षित रखने के लिए गोदाम में आया था। वनकर्मी ने बताया कि यह कोबरा काफी विषैला है और किसी को काटने पर यदि समय पर इलाज नहीं कराया गया तो उसकी मृत्यु हो सकती है। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू किये गये कोबरा को सुरक्षित घने जंगल में छोड़ दिया गया। वनकर्मी ने मौजूद लोगों से सांप या अन्य वन्यजीव से खुद को दूरी बनाये रखने, उस पर हमला न करने और उसे बचाने का प्रयास करने तथा सांप के काटने पर किसी ओझागुनी या तंत्रमंत्र के चक्कर में नहीं पड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर किसो को सांप काट ले तो जख्मी को तुरंत निकटवर्ती अस्पताल या जिला अस्पताल में भर्ती कराने की अपील की, साथ ही जख्म पर कुछ ना डालने और उस स्थान पर कट ना लगाने की अपील की।

छात्र आंदोलन से राहत मगर नौकरी गंवाने वाले सरकारी सेवकों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। छात्रों का आंदोलन समाप्त होने से राज्य सरकार को एक ओर राहत मिलती दिख रही है वहीं विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा रद्द किए जाने की वजह से हजारों सफल सरकारी सेवकों का आंदोलन एक नई मुसीबत के रुप में सबके सामने आ गया है।

प्रोजेक्ट भवन के समक्ष बुधवार को दूसरे दिन जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में सफल ऐसे अभ्यर्थियों का आंदोलन जारी रहा। सरकार के फैसले से नाराज आंदोलनकारियों ने नियमों की अनदेखी करके सचिवालय जैसे सुरक्षित क्षेत्र में घंटों नारेबाजी की।

कैबिनेट की विशेष बैठक में लिए गए फैसले से मर्माहत ये सरकारी सेवक, सरकार से इसे वापस लेने की मांग करते रहे लेकिन इनकी मांगों को सुनने वाला कोई नहीं था। प्रोजेक्ट भवन के गेट नंबर एक के जरिए जबरन परिसर में घुसकर नारेबाजी कर रहे आंदोलनकारियों के द्वारा बाद में आंदोलन स्थल के लिए स्थान निर्धारित किए जाने का आग्रह किया जाता रहा, जिस पर भी सहमति सरकार द्वारा नहीं दी गई। सरकार के फैसले से नाराज सन्नी कुमार बताते हैं कि उनकी पदस्थापना गढ़वा के डंडा प्रखंड में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के पद पर हुई थी, जैसे ही यह खबर मिली कि कैबिनेट की विशेष बैठक द्वारा मेरी नियुक्ति को रद्द कर दिया है, मुझे बेहद ही आश्चर्य हुआ कि आखिर यह कैसे हुआ? जबकि न्यायालय के निर्देश पर हम लोगों की नियुक्ति हुई थी, ऐसे में सरकार के इस फैसले के खिलाफ हम लोग न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं, सरकार से हम लोग मांग करते हैं कि इस फैसले को वापस लिया जाए। सरकार के निर्णय से नौकरी गंवाने वाले हजारों सरकारी कर्मी झारखंड हाईकोर्ट का दरबाजा खटखटाने की तैयारी में है। आंदोलन के साथ-साथ कानूनी लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुटे जेपीएससी के 11वीं से 13वीं बैच के पदाधिकारी बुधवार को हाईकोर्ट में कई अधिवक्ता से सलाह मशविरा करते देखे गए।

संभावना यह जताई जा रही है कि गुरुवार को सरकार के निर्णय के खिलाफ न्यायालय के समक्ष इनके द्वारा याचिका दाखिल की जाएगी। इसके अलावा अलग-अलग पदों और विज्ञापन से जुड़े अभ्यर्थियों द्वारा भी मामला न्यायालय के समक्ष ले

बोकारो में दूसरी एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के सेक्टर-4 स्थित कुमार मंगलम स्टेडियम में दूसरी एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता 29 अगस्त तक चलेगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने तीर चलाकर और गुब्बारे उड़ाकर किया। इस मौके पर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक श्वेता सिंह और बोकारो तीरंदाजी एसोसिएशन के अध्यक्ष लंबोदर महतो समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में देशभर से 900 से अधिक पुरुष और महिला तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं। सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के कई राज्यों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि तीरंदाजी, देश का प्राचीन खेल है। 2014 के बाद केंद्र सरकार की ओर से खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड, तीरंदाजी के क्षेत्र में पहले से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और बोकारो में इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एमसी-ईएनएचएम-एचडब्ल्यूएच-न्यूकॉम्प-26, दिनांक: 13.08.2026, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/पर्यावरण और रखरखाव प्रबंधन और एफआरटी), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा, पश्चिम बंगाल-711101 द्वारा निविदा सं.: **एमसी-ईएनएचएम-एचडब्ल्यूएच-न्यूकॉम्प-26** के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** 650 दिनों के लिए परिणाम के आधार पर हावड़ा स्टेशन (न्यू कॉम्प्लेक्स) - प्लेटफॉर्म 17-24 और उससे जुड़े क्षेत्रों की यंत्रचालित सफाई, जिसमें रैग पिकिंग, निर्दिष्ट कचरा पेटी में कचरे का निपटान और म्युनिसिपल ग्राउंड तक ले जाया जाना शामिल है। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 7,34,08,509.27, **बयाना राशि:** रु. 5,17,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 10,000/-, **बोली प्रणाली** : दो पैकेट। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 11.08.2026 को 16.22 बजे। **प्रस्ताव की वैधता:** 90 दिन। **समापन अवधि:** 650 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 19.08.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 02.09.2026 को 12.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

HWH-283/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/इंजी./गति शक्ति इकाई, हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सं. 04_2026-27, कार्य का विवरण:** कामारकुंडु स्टेशन पर डाउन एचबीसी-2 लाइन के पास नई लूप लाइन का प्रावधान **अनुमानित मूल्य :** रु. 13,37,38,287.85, **बयाना राशि:** रु. 26,74,800/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** 0.00, **समापन अवधि :** बारह (12) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 10.09.2026 को 12.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-286/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 49-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 14.08.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल - सीतारामपुर-झाझा मेन लाइन, मधुपुर-गिरिडीह और जसीडीह-बैद्यनाथधाम शाखा लाइन में लेवल क्रॉसिंग रोड की सतह को बेहतर बनाने के साथ पुराने, टूटे-फूटे गेट लॉज को बदलने सहित एसओडी उल्लंघन से बचने के लिए नए गेट लॉज का निर्माण करके गेट लॉज का स्थानांतरण"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,29,85,681.59, **बयाना राशि:** रु. 2,59,700/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 08.09.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**

ASN-221/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रानी तालाब परिसर में छठ मेले से पहले दुरुस्त होंगी लाइट व सुविधाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के अंतर्गत रानी तालाब के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए कराए जा रहे कार्यों का बुधवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत रानी तालाब परिसर में पार्क के सौंदर्यीकरण एवं विकास का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने इन सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा के अनुरूप कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पंचायत द्वारा की जाने वाली प्रकाश व्यवस्था को इस प्रकार विकसित करने का निर्देश दिया कि इसका लाभ स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी मिल सके। विशेष रूप से छठ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त एवं व्यवस्थित लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त रानी तालाब परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने तथा आवश्यकतानुसार हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि रानी तालाब के विकास कार्य इस प्रकार किए जाएं कि यह क्षेत्र आमजन एवं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित एवं आकर्षक बन सके। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत देव, प्रखंड विकास पदाधिकारी देव उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 50-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 18.08.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल - निम्नलिखित कार्य के संबंध में दूरसंचार कार्य (1) आसनसोल मंडल: एईएन/बीआरएल/आसनसोल के अंतर्गत खाना-आसनसोल खंड के बीच अप और डाउन डीएसपी लाइन पर पुल सं. 9 और 9ए के तटबंध की रिगर्डरिंग व मजबूती एवं अन्य सहायक कार्य (2) डीईएन/4/आसनसोल के अंतर्गत अंडाल में पुल सं. 20 के लिए पीएससी गर्डर का प्रतिस्थापन और नवीनीकरण, सुरक्षा एवं अन्य सहायक कार्य। (3) एईएन/बीआरएल/आसनसोल खंड में एससीएन1-तापसी के बीच पुल सं. 3 के अन्य सहायक कार्यों के साथ बीजीएमएल गर्डर का प्रतिस्थापन, जैकेटिंग और सुरक्षा कार्य"। **निविदा मूल्य:** रु. 58,17,656.36, **बयाना राशि:** रु. 1,16,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 10.09.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www. ireps.gov.in/**

ASN-224/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**डीईएन/स्पेशल/ हावड़ा** के क्षेत्रधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **एनआईटी संख्या: 192_2026-27, कार्य का विवरण** : हावड़ा मंडल में निम्नलिखित के तहत ओवर हेड आरसीसी टैंकों का पुनर्वास और मरम्मत कार्य (i) एसएसई डब्ल्यू डानकुनी-डानकुनी न्यू कॉलोनी (1) (ii) एसएसई डब्ल्यू बाली-हरिपाल क्वार्टर एरिया-1, नालिकुल क्वार्टर एरिया-1, सिंगुर क्वार्टर एरिया-1, भद्रेश्वर स्टेशन ओएच टैंक-1, चंदननगर ओएच टैंक-1, चिचुड़ा ओएच टैंक -1, हुगली ओएच टैंक 1, (iii) एसएसई डब्ल्यू आजिमगंज ईस्ट कॉलोनी/आजिमगंज (एडीईएन/आजिमगंज कार्यालय के सामने) (1), वेस्ट कॉलोनी/आजिमगज (एसएसई/जनरल/आजिमगंज कार्यालय के पास में) (1) **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,40,52,195.10, **बयाना राशि:** रु. 2,81,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** शून्य। **समापन अवधि:** 09 (नौ) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 07.09.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

HWH-289/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ डीईएन/2, हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा। **क्रम सं.1, ई-निविदा सं. : 193_2026-27, कार्य का विवरण** :एईएन/बर्द्धमान के अधीन एसएसई/पीवे/बर्द्धमान (ई) का पी.वे रखरखाव कार्य (एचबीसी लाइन किमी 66/0-104/0 एवं एमएल 90/27-104/0 के बीच)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,09,35,810.53, **बयाना राशि :** रु.4,18,700/-, **क्रम सं.2, ई-निविदा सं. : 194_2026-27, कार्य का विवरण** : एईएन/डानकुनी के अधीन किमी 25/0-37/0 (सभी लाइन) के बीच एसएसई/पीवे/कामारकुंडु के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,03,79,008.75, **बयाना राशि :** रु.2,07,600/-, **क्रम सं.3, ई-निविदा सं. : 195_2026-27, कार्य का विवरण** : एईएन/डानकुनी के अधीन किमी 16/0-25/0 (सभी लाइन) एसएसई/पीवे/कामारकुंडु के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 98,08,020.97, **बयाना राशि :** रु.1,96,200/-, **क्रम सं.4, ई-निविदा सं. : 196_2026-27, कार्य का विवरण** : एईएन/डानकुनी के अधीन एसएसई/पीवे/डानकुनी के एचबीसी खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,83,82,253.63, **बयाना राशि:** रु.3,67,700/-, **क्रम सं.5, ई-निविदा सं.: 197_2026-27, कार्य का विवरण:** वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में एईएन/डानकुनी के तहत एसएसई/पी.वे/गुड़ाप के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। (अप, आरईवी और डाउन पर किमी 52.0-66.0 के बीच) । **अनुमानित मूल्य:** रु. 93,71,825.81, **बयाना राशि :** रु.1,87,400/-, **क्रम सं.6, ई-निविदा सं. : 198_2026-27, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में एईएन/डानकुनी के तहत एसएसई/पी.वे/गुड़ाप के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। (अप-1, अप-2 पर किमी 37/0-40/925 के बीच, डाउन-1 पर किमी 37.0-40.884, डाउन-2 पर किमी 37.0-40.782 और अप एचबीसी पर किमी 40.925 - 52.0, आरईवी पर किमी 40.884-52.0 और डाउन एचबीसी पर किमी 40.782-52.0 के बीच)। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,02,97,441.44, **बयाना राशि :** रु.20,600/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य (प्रत्येक हेतु)। **समापन अवधि :** 12 माह (प्रत्येक हेतु) । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 07.09.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-277/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मानसून में खुद को और अपने परिवार को रखें बीमारियों से सुरक्षित

अमरनाथ सक्सेना

बारिश का मौसम गर्मी और तपिश से राहत तो देता है, लेकिन इस मौसम में बैक्टीरिया और वायरस भी तेजी से फैलने लगते हैं। यही वजह है कि अगर उचित सावधानी न बरतें, तो इस मौसम में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मानसून के दौरान हेल्थ एक्सपर्ट आपको हमेशा चेतावनी देते हैं कि दूषित भोजन और प्रदूषित पानी से बचें और कहीं भी पानी जमा न होने दें, क्योंकि इस मौसम में गैस्ट्रोएंटेराइटिस से लेकर डेंगू बुखार जैसी अनगिनत मौसमी बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है।

जल-जनित बीमारियांः एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 34 लाख से अधिक लोग जल-जनित यानी कि पानी से होने वाली बीमारियों से प्रभावित होते हैं। इस मौसम में छोटे बच्चों के बीमार होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है क्योंकि बीमारियों से लड़ने के लिए उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली पूरी तरह से विकसित नहीं हुई होती है। यही वजह है कि छोटे बच्चे जल्दी से संक्रमण की चपेट में आ सकते हैं। पानी जमा होने की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपने लगते हैं, जिससे कि लोगों को हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए जैसी बीमारियां हो जाती हैं। इन जल-जनित बीमारियों के कारण आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जिनके इलाज के लिए आपको अच्छी-खासी रकम भी खर्च करनी पड़ सकती है।

वाहक-जनित बीमारियांः इसे वेक्टर बॉर्न डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार वर्ष 2022 में दुनियाभर में मलेरिया के 24.9 करोड़ मामले देखे गए, जो कि कोविड-19 महामारी से पहले के अनुमानित मामलों से काफी अधिक है। वर्ष 2021 की तुलना में मलेरिया के मामलों में 50 लाख की बढ़ोत्तरी देखी गई।

वायु-जनित बीमारियांः मानसून के मौसम में हवा से फैलने वाली बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस मौसम में कई तरह के संक्रमण होते हैं, जो कि सूक्ष्म रोगाणुओं के जरिए हवा में फैलते हैं। परिणामस्वरूप, लोग कॉमन फ्लू, वायरल बुखार, सर्दी, खांसी और गले में खराश जैसी बीमारियों की शिकायत करते नजर आते हैं। आमतौर पर वयस्कों में ये संक्रमण हल्के होते हैं जिसकी वजह से उनकी तबीयत मामूली खराब हो सकती है। लेकिन बुजुर्ग और छोटे बच्चे जल्दी से इसकी चपेट में आते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है या छोटे बच्चों में यह पूरी तरह से विकसित नहीं हुई होती है, इसलिए बारिश के मौसम में उनमें संक्रमण फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

हेल्थ इंश्योरेंस की अहमियतः मानसून से होने वाली बीमारियां आपके इलाज के खर्च को काफी बढ़ा सकती हैं, क्योंकि इनमें अस्पताल में भर्ती होने से लेकर, मेडिकल जांच, दवाइयां और आगे के इलाज के खर्च शामिल होते हैं। यहां तक कि सिर्फ एक बार अस्पताल में भर्ती होने पर आप किस जगह हैं और बीमारी कितनी गंभीर है, इस आधार पर भी आपको 25,000 से लेकर 1,00,000 तक चुकाने पड़ सकते हैं। इससे पहले कि ये मेडिकल खर्च आप पर आर्थिक बोझ डालें, बेहतर है कि आप हेल्थ इंश्योरेंस की मदद लें। हेल्थ इंश्योरेंस न केवल आपके इलाज के खर्चों को संभालेगा, बल्कि पैसों की चिंता किए बिना आप अच्छी तरह से अपना इलाज करवा पाएंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देंगे।

अचानक से होने वाले खर्चों से सुरक्षाः अस्पताल में भर्ती होने के खर्च हर साल बढ़ते ही जा रहे हैं, ऐसे में अगर अचानक से कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए, तो आपको अपनी बचत का एक मोटा हिस्सा गंवाना पड़ सकता है। और तो और आपकी अच्छी खासी बचत भी खत्म हो सकती है। मानसून से होने वाली बीमारियों में अक्सर अस्पताल में भर्ती होने, मेडिकल जांच करवाने और आगे भी इलाज जारी रखने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में अगर आपके पास एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस हो, तो उपयुक्त मेडिकल खर्चों का एक बड़ा हिस्सा आसानी से कवर हो जाता है, जिससे कि आप अपनी जमा-पूंजी खर्च करने से बच जाते हैं और आपके अथक परिश्रम से कमाए गए पैसे भी सुरक्षित रहते हैं।

कुछ परिवार यह सोचकर थोड़े-थोड़े पैसे बचाते हैं कि जब कोई मेडिकल इमरजेंसी आएगी तब वे इसे खर्च करेंगे। इसी सोच कि वजह से वे हेल्थ इंश्योरेंस नहीं खरीदते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह कोई फायदे का सौदा नहीं है। हालांकि इंश्योरेंस एक ऐसा निवेश है जो कि लंबी अवधि में आपको आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है, खासतौर पर तब जब अचानक से कोई मेडिकल इमरजेंसी आ आए। कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी यह सुनिश्चित करती है कि आपके मेडिकल बिल के खर्च इंश्योरेंस कंपनी संभाले, ताकि आपने जो पैसे इमरजेंसी के लिए बचाकर रखें हैं वे पूरी तरह से सुरक्षित रहें और आप इसे किसी दूसरे जरूरी काम के लिए इस्तेमाल कर सकें।

कैशलेस इलाजः भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के निर्देशों के अनुसार, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां कैशलेस इलाज की सहूलियत देती हैं। ह्लहर जगह कैशलेसह्न जैसी खासियत के साथ पॉलिसीधारक को अस्पताल में भर्ती होते समय नकद रकम जमा करने की जरूरत नहीं पड़ती है। इससे इमरजेंसी के दौरान आपको अचानक से पैसे जुटाने की चिंता नहीं करनी पड़ती है।

मेडिकल जांच और इलाज के खर्च का कवरः डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और वायरल इंफेक्शन जैसी बीमारियों में अक्सर कई तरह के मेडिकल जांच, लगातार देखरेख के साथ-साथ कभी-कभार अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, वैसे-वैसे इलाज महंगा होते जा रहा है। हेल्थ इंश्योरेंस उपयुक्त मेडिकल खर्च को कवर करने में मदद करता है, जिससे कि आप पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ता है और आप तसल्ली से इलाज करवा पाते हैं।

पर्याप्त हेल्थ कवरेज होने पर पॉलिसीधारक न केवल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, बल्कि बेहतरीन स्वास्थ्य विशेषज्ञों से इलाज प्राप्त कर सकते हैं, वह भी आर्थिक परेशानियों की चिंता किए बिना।

मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टाइफाइड और पानी से होने वाले अन्य संक्रमणों से बचने के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है, लेकिन अगर आपके पास एक उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस हो, तो आपको अतिरिक्त सुरक्षा कवच मिल जाता है, जिससे कि आप खर्चों की चिंता किए बिना अच्छी तरह से इलाज करवा पाते हैं। उपयुक्त हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यह सुनिश्चित करता है कि जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब यह आपको बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करे, ताकि आप और आपका परिवार मेडिकल खर्चों की चिंता किए बिना अपनी सेहत सुधारने पर ध्यान दें।

बारिश के मौसम में बेहतर है कि आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें, ताकि यह बात पक्की हो जाए कि अचानक से किसी भी तरह की मेडिकल इमरजेंसी आने पर आप आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे। कहा जाता है कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी और असली पूंजी है, इसलिए मानसून के दौरान अपना खास ख्याल रखें और चुस्त और तंदुरुस्त रहें।

अनियंत्रित ट्रक ने गर्भवती को रौंदा

मृतका के दो बच्चे घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड के रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ माह की गर्भवती महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद महिला और उसके बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में महिला के दो बच्चे भी घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मृतका की पहचान हथौड़ी थाना क्षेत्र के रहटौली वार्ड संख्या-5 निवासी करीब 35 वर्षीय अंकिता गुप्ता के रूप में हुई है। बताया गया कि अंकिता अपने परिवार के साथ सड़क किनारे मौजूद थीं। इसी दौरान रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ से तेज गति से गुजर रहा अनियंत्रित ट्रक अचानक उनकी ओर आ गया और उन्हें रौंद दिया।

हादसा इतना भीषण था कि अंकिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी देने के साथ ही घायल बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के बाद मुख्य पथ पर कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बना रहा। अंकिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि मृतका अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। बच्चों में रौशनी करीब पांच वर्ष, राजा करीब तीन वर्ष और राजन करीब डेढ़ वर्ष का है। मां की मौत से तीनों मासूम बच्चों के सिर से ममता का साया उठ गया। पति रोशन साहनी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामान्य बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही हथौड़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष मौसम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है स्थानीय लोगों ने बताया कि रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से मुख्य पथ पर वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने, आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक एवं यातायात संकेतक लगाने तथा लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर मुख्य सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों की समस्या को सामने ला दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

महज दस दिनों में ही बह गयी पुलिया

ग्रामीणों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। जिले के मंझौली पंचायत में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भुतही नदी पर महज 10 दिन पहले ह्यूम पाइप के सहारे बनाई गई पुलिया हल्की बारिश के बाद नदी के तेज बहाव में तीसरी बार बह गई। इसके चलते एक दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क टूट गया है और ग्रामीणों को आवागमन में फिर से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इमामगंज प्रखंड की मंझौली पंचायत स्थित भुतही नदी पर बनाई गई अस्थायी पुलिया एक बार फिर पानी के तेज बहाव को नहीं झेल सकी। ग्रामीणों का कहना है कि इस वर्ष पुलिया का तीन बार निर्माण किया गया, लेकिन हर बार पहली ही बारिश में यह बह गई। महज 10 दिन पहले तैयार की गई पुलिया के टूट जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पुलिया बहने के बाद निजामडीह, जिरवातरी उमान, मल्लाह जोत, बाघा डावर और कलामी समेत एक दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से कट गया है। ग्रामीणों को जरूरी काम, बाजार, अस्पताल और स्कूल जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों को लंबा चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है।

लोगों का आरोप है कि हर बार स्थायी समाधान के बजाय अस्थायी मरम्मत कर पुलिया तैयार कर दी जाती है। बारिश शुरू होते ही वही पुलिया बह जाती है और लोगों की परेशानी फिर बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शुरूआत से ही मजबूत और तकनीकी मानकों के अनुरूप निर्माण कराया जाता तो बार-बार सरकारी राशि खर्च करने की नौबत नहीं आती।

अवैध वसूली में दर्जन भर लोगों को सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। विशेष एनआईए अदालत ने झारखंड के अम्रपाली-मगध क्षेत्र में कोयला परिवहनकर्ताओं, ठेकेदारों और कारोबारियों को निशाना बनाकर जबरन वसूली का रैकेट चलाने वाले 12 दोषियों को सजा सुनाई। एनआईए ने एक बयान में बताया कि दोषी प्रतिबंधित माओवादी संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के लिए धन जुटा रहे थे।

एजेंसी के अनुसार, 12 दोषियों में से पांच को अधिकतम 10 वर्ष के सश्रम कारावास, छह को अधिकतम आठ वर्ष के सश्रम कारावास और एक दोषी को पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है।

यह मामला झारखंड के चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र में आने वाले अम्रपाली और मगध कोयला खनन क्षेत्रों में जबरन वसूली और लेवी वसूलने से जुड़ा है। एनआईए ने 21 आरोपियों के खिलाफ 22 दिसंबर 2018 और 10 जनवरी 2020 को आरोपपत्र और पूरक आरोपपत्र दाखिल किए थे।

अदालत में 13 आरोपियों के खिलाफ शुरूआती सुनवाई पूरी हुई, जिसमें अभियोजन पक्ष के 119 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। 12 अगस्त 2026 को रांची की विशेष एनआईए अदालत ने आरोपपत्र में शामिल 21 आरोपियों में से 12 को दोषी ठहराया था। एनआईए ने बताया कि जांच में सामने आया कि टीपीसी के सदस्य और कैडर स्थानीय समितियों तथा अन्य प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से कोयला खनन की अनुमति देने के बदले क्षेत्र में लेवी वसूलते थे।

गोली मारकर युवक की हत्या

हाजीपुर। जिले के राघोपुर प्रखंड अंतर्गत रुस्तमपुर थाना क्षेत्र के सिक्सलेन पुल पर बुधवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इस दुस्साहसिक और सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के चेचर निवासी सुनील कुमार सिंह के पुत्र अंशुमन कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, अंशुमन कुमार निजी काम से बिदुपुर से रुस्तमपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जब वह सिक्सलेन पुल पर पाया नंबर 32 के पास पहुंचे, तो पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। सिर और पेट में गोली लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात की सूचना मिलते ही राघोपुर और रुस्तमपुर थाने की पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से चार खाली खोखे बरामद किए हैं। साथ ही फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

आतंकी कनेक्शन में गिरफ्तारी से गांव में हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के सीमांचल इलाके से जुड़ा एक मामला सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। पूर्णिया जिले के रौटा थाना क्षेत्र के मीरगंज गांव का रहने वाला 24 वर्षीय मोहम्मद जफर उत्तर प्रदेश के मेरठ में यूपी एटीएस की कार्रवाई के बाद कथित आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि जफर महज पांच साल की उम्र में पढ़ाई के लिए मेरठ चला गया था और वहीं रहकर मौलवी व हाफिज की तालीम हासिल की। यूपी एटीएस के आरोपों के मुताबिक, जफर धर्मगुरु और मौलवी की आड़ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के नेटवर्क को मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। उस पर मदरसों और चंदे के नाम पर रकम जुटाने, कथित तौर पर उसे पाकिस्तान में बैठे आतंकी आकाओं तक पहुंचाने और युवाओं के बीच जिहादी साहित्य बांटकर उनका ब्रेनवॉश करने के आरोप हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और जफर के परिवार ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

जफर के पिता मो. जहीर के मुताबिक, उनका बेटा जब महज पांच साल का था, तभी उसे पढ़ाई के लिए मेरठ भेज दिया गया था। उन्होंने बताया कि जफर ने वहां रहकर मौलवी और हाफिज की तालीम हासिल की और लंबे समय से मदरसे के लिए चंदा जुटाने का काम करता था। पिता का कहना है कि जफर पर देशविरोधी गतिविधियों या किसी आतंकी संगठन से जुड़ने के जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे पूरी तरह बेबुनियाद और झूठे हैं। परिवार ने सरकार और प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जांच के बाद वास्तविक सच्चाई सामने आ जाएगी। जफर की गिरफ्तारी की खबर गांव पहुंचते ही हड़कंप मच गया। बेटे पर आतंकी संगठन के लिए कथित फंडिंग और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने जैसे गंभीर आरोप लगने के बाद परिजन सदमे में हैं। जफर की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि उनका बेटा सीधा-सादा था और हमेशा पढ़ाई-लिखाई और तालीम की बात करता था। परिवार को यकीन नहीं हो रहा कि उस पर इतने गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

आस्था और जुगाड़ का संगम

कांवर यात्रा में एम-सील बना गुमनाम हीरो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जैसे ही ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा 2026 रिकॉर्ड तोड़ 4.8 करोड़ कांवड़ियों द्वारा अपनी पवित्र तीर्थयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ संपन्न हुई, एक अप्रत्याशित घरेलू चीज इस सीजन के गुमनाम हीरो के रूप में उभरी है: एम-सील। हालांकि यह वार्षिक यात्रा मुख्य रूप से अटूट आध्यात्मिक भक्ति द्वारा संचालित होती है, लेकिन जमीन पर इसकी लॉजिस्टिक (प्रबंधन) सफलता पारंपरिक भारतीय जुगाड़ को एक बहुत बड़ा श्रेय देती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िये, गंगा नदी (आमतौर पर हरिद्वार, गौमुख या सुल्तानगंज में) से पवित्र जल एकत्र करते हैं और इसे अपने स्थानीय मंदिरों में भगवान शिव को अर्पित करते हैं। इस तीर्थयात्रा के नियम बहुत सख्त हैं– पवित्र जल के पात्र (बर्तन) को कभी भी जमीन को नहीं छूना चाहिए, और एक बूंद भी पानी नहीं छलकना चाहिए। कांवड़िये अपने दोस्तों के साथ भगवान में अपनी अटूट आस्था के साथ-साथ उबड़-खाबड़ रास्तों और मानसून के कठिन मौसम में रिसाव-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एम-सील की सीलिंग शक्ति पर अपना अपार भरोसा जताया है।

आमतौर पर प्लंबिंग की मरम्मत और औद्योगिक रिसाव को रोकने के लिए उपयोग किए जाने वाले एम-सील ने आस्था के एक लचीले माध्यम के रूप में एक अनूठी और अभिनव भूमिका खोजी है। भक्त इस एपॉक्सी कंपाउंड (गोंद/सीलेंट) का उपयोग अपने प्लास्टिक और धातु के कलशों (जल के बर्तनों) के ढक्कनों और जोड़ों को मजबूती से सुरक्षित करने के लिए करते हैं, जिससे रोजमर्रा के डिब्बे मजबूत और स्पिल-प्रूफ (छलकने से सुरक्षित) ट्रैवल गियर में बदल जाते हैं। इस अपार वास्तविक उपयोगिता को पहचानते हुए, एम-सील को रणनीतिक रूप से सामान्य किराना दुकानों (जनरल प्रोविजन स्टोर्स), सड़क किनारे के ढाबों, प्रमुख थोक बाजारों और हलचल वाले परिवहन केंद्रों पर स्टॉक किया जाता है– जिसमें हर की पौड़ी, स्थानीय बस स्टैंड और यहाँ तक कि चलती बसों के अंदर मोबाइल विक्रेताओं जैसे प्रमुख संपर्क बिंदु भी शामिल हैं।

विश्वास और धैर्य से प्रेरित इस यात्रा में, एम-सील चुपचाप एक रीसीलेंट समर्थक की भूमिका निभाता है। इसके साथ ही ये प्रोडक्ट ये भी साबित करता है कि जब इनोवेशन वास्तविक जीवन की उपयोगिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद होने से कहीं आगे निकल जाता है। यह उनकी कहानी का एक हिस्सा बन जाता है।

बनेंगे दस ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन

मुंगेर। महानगरों और बड़े शहरों की तर्ज पर अब मुंगेर जिले में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। परिवहन विभाग जिले में 10 अत्याधुनिक सार्वजनिक ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की तैयारी में जुटा है। इसके तहत पहले चरण में छह प्रमुख स्थलों का चयन अंतिम रूप से कर लिया गया है, जबकि चार अन्य स्थलों को चिह्नित करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगामी सितंबर माह से आम लोगों को सार्वजनिक चार्जिंग सुविधा मिलने की पूरी उम्मीद है। परिवहन विभाग द्वारा चयनित प्रमुख स्थलों में शहर का एक नंबर ट्रैफिक, ऐतिहासिक किला परिसर स्थित आंबेडकर चौक, सरकारी बस डिपो और तेलिया तालाब शामिल हैं। इसके अलावा ग्रामीण व प्रखंड स्तर पर संग्रामपुर बस डिपो, हवेली खड़गपुर बस डिपो और तारापुर बस डिपो का चयन किया गया है। मोटरयान निरीक्षक जमीर आलम ने बताया कि जिले में प्रदूषण मुक्त आवागमन को बढ़ावा मिलने से ई-रिक्शा, ई-बाइक और इलेक्ट्रिक कारों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।

शिविर में आवेदन सौंपकर योजना की जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा(नालंदा)। काछियावां पंचायत में मनरेगा एवं लघु सिंचाई विभाग से संबंधित संचालित और पूर्ण कराई गई योजनाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। काछियावां गांव निवासी जवाहर प्रसाद ने सहयोग शिविर में आवेदन देकर पंचायत क्षेत्र में मनरेगा एवं लघु सिंचाई विभाग से कराई गई विभिन्न योजनाओं की जांच कराने की मांग की है।आवेदन में उन्होंने संबंधित योजनाओं की स्थलीय जांच, कार्य की गुणवत्ता, योजना की वास्तविक स्थिति तथा खर्च की गई राशि की निष्पक्ष तरीके से जांच कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जांच होने से यह स्पष्ट हो सकेगा कि सरकारी राशि का उपयोग निर्धारित मानकों और उद्देश्य के अनुरूप हुआ है या नहीं।जवाहर प्रसाद ने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर तथ्यों को सार्वजनिक करने और अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

पंचायत भवन में ही कर्मी को ग्रामीणों ने घेरा

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में 400 रुपये लेने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सरकारी कार्यालय पहुंचे ग्रामीण को कथित तौर पर 400 रुपये देने को कहा गया। रुपये मांगने की बात सामने आते ही ग्रामीणों का आक्रोश भड़क गया।

डुमरा प्रखंड की मिश्रौलिया पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को हुए इस मामले में ग्रामीणों ने पंचायत भवन में कार्यरत कर्मी शांतनु सुमन को घेर लिया। इस दौरान कर्मी और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

ग्रामीणों का आरोप है कि जन्म प्रमाण पत्र बनाने के एवज में कर्मी ने 400 रुपये की मांग की थी। इसके बाद कुछ ग्रामीणों ने कर्मी को घेरकर उससे पूछताछ शुरू कर दी। बताया गया कि इस दौरान कैमरे के सामने कर्मी से 400 रुपये मांगने की बात स्वीकार कराई गई। इसके बाद उससे माफी भी मंगवाई गई।

घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। अब यह वीडियो प्रसारित होने की बात कही जा रही है। वीडियो सामने आने के बाद पंचायत सरकार भवन में जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर रुपये मांगने के आरोप को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पंचायत सचिव सुजीत कुमार ने इसे संज्ञान में लिया है। उन्होंने बताया कि घटना कार्यालय बंद करने के समय की है। संबंधित आवेदक को जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया है। पंचायत सचिव ने बताया कि मामले को लेकर संबंधित कर्मी शांतनु सुमन से स्पष्टीकरण मांगा गया है। स्पष्टीकरण मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, घटना के बाद पंचायत सरकार भवन में कुछ देर तक अफरातफरी की स्थिति बनी रही।

सड़क पर धू-धूकर जली चलती कार

लोगों ने कूद कर बचायी जानें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। चलती एसयूवी कार अचानक आग का गोला बन गई। बीच सड़क पर हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और अफरातफरी की स्थिति पैदा हो गई। घटना जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र में मुजफ्फरपुर-पूसा रोड स्थित नरौली चौक के पास की बताई जा रही है। कार में सवार लोगों ने समय रहते गाड़ी रोककर उससे बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बताया जा रहा है कि मुजफ्फरपुर से पूसा रोड की ओर जा रही एक्सयूवी कार में नरौली चौक के पास अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार से तेज धुआं उठने लगा और वह आग का गोला बन गई। आग लगने के बाद कार में सवार यात्री आनन-फानन में बाहर निकल गए और सुरक्षित स्थान पर चले गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग बुझाने का प्रयास किया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण एक्सयूवी कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फिलहाल अग्निशमन विभाग की टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

घोड़परास व हिरणों के आतंक से किसान परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। इलाके के किसान इन दिनों घोड़परास व हिरणों के आतंक से परेशान हैं। झुंड में पहुंच रहे वन्य प्राणी खेतों में लगी धान और सब्जियों की फसल को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वर्षा के मौसम में खेतों की रखवाली करना किसानों के लिए पहले ही कठिन हो गया है। ऐसे में घोड़परास और हिरणों के झुंड किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं।

जिले के विभिन्न गांवों के बधार में प्रतिदिन बड़ी संख्या में घोड़परास और हिरणों के झुंड देखे जा रहे हैं।

किसान भरत चौबे, राज कपिल महतो, शिव बचन यादव, कपिल मुनि पांडेय और राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि झुंड में सैकड़ों की संख्या में घोड़परास और हिरण खेतों में प्रवेश करते हैं। जिस खेत में इनका झुंड पहुंचता है, वहां खड़ी फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। धान के साथ सब्जियों की खेती भी इनका प्रमुख निशाना बन रही है।

किसानों का कहना है कि दिन-रात खेत की रखवाली करना संभव नहीं है। इससे उनकी लागत और मेहनत दोनों पर संकट खड़ा हो गया है।

फसल तैयार होने के समय झुंड के खेतों में पहुंचने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

किसानों के अनुसार घोड़परासों का आतंक दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। कई गांवों के बधार में इनका झुंड खुलेआम फसलों को नष्ट करता दिखाई देता है।

सब्जी उत्पादक किसान प्रेम कुमार महतो ने कहा कि फसल तैयार होने के समय घोड़परासों का खेत में पहुंचना किसानों के लिए बड़ी चिंता है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को किसान हित में ठोस कदम उठाना चाहिए। किसानों ने बताया कि इस समस्या से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक प्रभावी पहल नहीं हो सकी है।

घोड़परासों का आतंक अब केवल खेतों तक सीमित नहीं है। मुख्य सड़कों पर अचानक इनके झुंड पहुंचने से राहगीरों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।

सड़क के किनारे पेड़-पौधों की आड़ में छिपे घोड़परासों के अचानक सड़क पार करने से वाहन चालकों को संभलने का मौका नहीं मिलता।

इससे कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और लोगों को गंभीर चोटें भी आई हैं। कोरान सराय निवासी दयाशंकर तिवारी और अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह ने कहा कि यह समस्या अब किसानों के साथ आम राहगीरों की सुरक्षा से भी जुड़ गई है। लोगों ने शासन-प्रशासन से वन विभाग के साथ समन्वय कर घोड़परासों के आतंक से निजात दिलाने की दिशा में ठोस पहल करने की मांग की है।

हर घर बिजली पहुंचाने वाला पहला राज्य बना बिहार : मंत्री श्रवण कुमार

ग्रामीण विकास सह जन संपर्क मंत्री को सिमरी बख्तियारपुर में राजग कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तत्वावधान में बुधवार को सिमरी बख्तियारपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना जनसंपर्क मंत्री व जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को राजग कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बिहार में बहुत काम किया है। राज्य के प्रत्येक घर में बिजली पहुंचाने वाला देश का पहला राज्य बिहार है। यहां के सभी गरीबों के घर में बिजली मिलने लगी है। राज्य सरकार ने सभी व्यक्तियों के लिए 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दिया है। अब 90 फीसदी परिवारों को बिजली का बिल जमा नहीं करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सात निश्चय-3 के तहत हर घर नल का जल और हर नाली गली पक्कीकरण योजना शुरू की। इस योजना के तहत सभी कार्य दलितों के घर से शुरू किए गए। ग्रामीण विकास मंत्री ने रायपुरा हाई स्कूल की चहारदिवारी का निर्माण, मटेश्वर स्थान के पास स्थित पोखरा के चारों तरफ पेवर ब्लॉक लगाने और ग्रामीण हाट बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को हर तरह की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। इस मौके पर आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा, विधायक संजय सिंह, विधायक निरंजन मेहता, पूर्व विधायक सह सहरसा के जिलाध्यक्ष गुंजेश्वर साह, जदयू नेत्री मृदुला कुमारी, भाजपा के जिला मंत्री गौरव, जदयू के जिला उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह, सर्वेश साह, सुनील सिंह, भीम नारायण महतो, यशवंत सिंह पटेल, शैलेन्द्र सिंह, मुरारी सिंह, विपिन गुप्ता, आनंदी प्रसाद मेहता, अरविंद भगत, सुधीर सिंह, दिलीप साह, अरूण सिंह, परशुराम सिंह, गणेश गौरव, अरूण यादव, फुलेश्वर रजक सहित जदयू और भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेंगलुरु में 'बिहार इंडस्ट्री बी2 जी मीट 2026' का आयोजन

मंत्री श्रेयसी सिंह ने निवेशकों को दिया भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेंगलुरु/पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह के नेतृत्व में बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और देश के प्रमुख निवेशकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से बेंगलुरु में 'बिहार इंडस्ट्री बी2 जी मीट 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा किया गया। बैठक में बिहार की निवेश संभावनाओं, औद्योगिक आधारभूत संरचना, निवेश-अनुकूल नीतियों, उपलब्ध औद्योगिक भूमि तथा विभिन्न क्षेत्रों में विकसित की जा रही सुविधाओं के बारे में निवेशकों को जानकारी दी गई। निवेशकों के साथ विशेष रूप से ई-कॉमर्स, फार्मास्युटिकल्स, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग एवं अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बी2जी, फ्लीपकार्ट, रिलायंस , फुटप्रिंट, निरानी ग्रुप, ड्रोल्स, निंजा कार्ट, सेंटनर सेनसेंस फर्मा, इनोटेक सोल्युशन सहित विभिन्न संस्थानों के एक्ष्प एवं निर्णयकर्ताओं से महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। निवेशकों ने बिहार में उद्योग स्थापना एवं विस्तार की संभावनाओं को लेकर अपने सुझाव, अपेक्षाएं और आवश्यकताओं को विभाग के समक्ष रखा। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार राज्य को एक आकर्षक, प्रतिस्पर्धी एवं निवेश-अनुकूल औद्योगिक गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार निवेशकों की आवश्यकताओं और सुझावों के अनुरूप नीतिगत सहयोग, बेहतर औद्योगिक आधारभूत संरचना तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं और राज्य सरकार देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों एवं निवेशकों के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से इन अवसरों को निवेश में बदलने के लिए प्रयासरत है। उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता ने कहा कि बिहार में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है।

केवाइपी केंद्रों के अस्तित्व को बचाने के लिए आज नियोजन भवन परिसर में जुटेंगे केंद्र संचालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कुशल युवा प्रोग्राम के पुराने एवं लंबे समय से संचालित केंद्रों के भविष्य को लेकर केंद्र संचालकों में चिंता बढ़ती जा रही है। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने सभी केवाईपी केंद्र संचालकों एवं सहयोगियों से अपील की है कि वे 20 अगस्त 2026 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक नियोजन भवन परिसर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों। डॉ. झा ने कहा कि यदि वर्तमान केवाईपी केंद्रों के हित में समय रहते प्रभावी आवाज नहीं उठाई गई और पुनः री-टेंडर की प्रक्रिया शुरू होती है तो वर्षों से संचालित पुराने केंद्रों के अस्तित्व पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने सभी साथियों से एकजुट होकर शांतिपूर्ण एवं प्रभावी प्रदर्शन के माध्यम से अपनी मांगों और अधिकारों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवाईपी केंद्रों को बचाने के लिए सभी केंद्र संचालकों की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी ने केंद्र संचालकों से निर्धारित समय पर नियोजन भवन परिसर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आहवान किया है।

धनबाद से कोयम्बत्तूर के लिए एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा गोमो-गया-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बल्लारशाह-वरंगल-विजयवाड़ा-गुडुर-काटपाडी-जोलारपेट्टै-ईरोड के रास्ते धनबाद और कोयम्बत्तूर के मध्य एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। यह अमृत भारत एक्सप्रेस धनबाद से 22 अगस्त, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को तथा कोयंबत्तूर से 25 अगस्त, 2026 से प्रत्येक मंगलवार को किया जायेगा। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, पेंट्रीकार का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच होंगे।

किसानों की आर्थिक मजबूती के लिए कृषि ऋण पर अतिरिक्त एक प्रतिशत ब्याज अनुदान

हर किसान को सुलभ संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा की उपस्थिति में कृषि भवन, मीठापुर, पटना में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि ऋण पर 1% अतिरिक्त ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत कृषि विभाग एवं नाबार्ड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। कृषि विभाग की ओर से कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल तथा नाबार्ड की ओर से उप महाप्रबंधक भोला प्रसाद सिंह के द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा कृषि ऋण पर पहले से 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बिहार सरकार द्वारा अपनी राज्य योजना मद से किसानों को 1 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा पांच करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के कार्यान्वयन के लिए नाबार्ड को राज्य एजेंसी नामित किया गया है। कृषि मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों से लिए गए 3 लाख तक के फसल ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड ऋण एवं अल्पावधि कृषि उत्पादन ऋण पर 1 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा। 3 लाख से अधिक के ऋण की स्थिति में भी ब्याज अनुदान का लाभ अधिकतम 3 लाख की ऋण राशि तक ही देय होगा। योजना का लाभ उन्हीं पात्र किसानों को मिलेगा जो निर्धारित अवधि के भीतर अपने ऋण का भुगतान करेंगे। योजना का उद्देश्य किसानों पर कृषि ऋण के ब्याज के बोझ को कम करना तथा उन्हें अधिक से अधिक संस्थागत कृषि ऋण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि योजना के दायरे में लघु, सीमांत एवं अन्य सभी श्रेणी के किसान शामिल होंगे। सभी प्रकार की फसलों को भी योजना में समान रूप से शामिल किया गया है।

समकालीनता का रोचक आख्यान रचती हैं लेखिका रूबी भूषण : डॉ शिवनारायण

चर्चित लेखिका रूबी भूषण के कहानी-संग्रह 'गंडकी धीरे बहो' का लोकार्पण एवं कथापाठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 'गंडकी धीरे बहो' की ग्यारह कहानियों में स्त्री का तेज, परम्परा से संघर्ष का द्वंद्व, मूल्यों से टकराव, आम आदमी का जीवन संघर्ष, मनुष्य की आंतरिक दुष्प्रवृत्तियों से टकराव आदि का जीवंत कथात्मक चित्रण है जो हमें समकाल की परिस्थितियों से कहीं गहरे जोड़ता है। रूबी भूषण सामाजिक संतुलन के साथ समकालीनता का आख्यान रचने में सिद्धहस्त हैं। ये विचार उन लेखकों के हैं जो रूबी भूषण के कहानी संग्रह 'गंडकी धीरे बहो' के लोकार्पण संगोष्ठी को संबोधित करते हुए व्यक्त कर रहे थे। सृजन संगति द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध लेखक एवं नयी धारा के संपादक डा शिवनारायण ने की जबकि संचालन चर्चित लेखक-पत्रकार एवं शिक्षाविद डा. ध्रुव कुमार ने किया। लोकार्पण करते हुए मुख्य अतिथि बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि चर्चित लेखिका रूबी भूषण की कहानियां मुझे झकझोर गयीं इनकी कहानियों से समाज का मानस बदलेगा और वो भौतिकता की जगह सामासिक समरसता के लिए प्रेम को ही सर्वोपरि महत्व देंगे। प्रेम ही है जो मनुष्य और समाज को बदलने की क्षमता रखता है। प्रसिद्ध कवि प्रेम किरण ने कहा कि रूबी भूषण की कहानियों में छीजते रिश्तों का दर्द है, जो देश-दुनिया में हो रहे थोथे विकास की परतों को उघारता है। शोध, संघर्ष और संवेदना से बुनी गयी इनकी कहानियों में मनुष्य की गरिमा की इकाई सत्ता को स्थापित किया गया है। लेखक-पत्रकार एवं शिक्षाविद डा ध्रुव कुमार ने कहा कि रूबी भूषण की कहानी नदी संस्कृति से उपजी पीड़ा और संत्रास की सीमाहीन व्यथा कथा बांटते हैं।

बी.डी. कॉलेज में तुलसी जयंती समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज के हिन्दी विभाग में बधवार को तुलसी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत गोस्वामी तुलसीदास के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। विभाग के प्रोफेसर शत्रुध्न शरण सिंह ने हिन्दी साहित्य में तुलसीदास की कृतियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी कालजयी रचना 'रामचरितमानस' की लोकप्रियता के कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने 'सरसों के कलियां सिया' एवं 'सून-सून हो कृपालु दीनानाथ' गीतों की मधुर प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की छात्रा सुरुचि ने गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। दीपा कुमारी ने राम विवाह पर नृत्य प्रस्तुत किया। सिमरन और सुरुचि ने श्रीरामचंद्र के पदों से संबंधित स्तुति प्रस्तुत की। पाटलिपुत्र विश्विवद्यालय के शोध छात्र प्रभात कुमार ने तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. लाड़ली कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रबंध निदेशक ने सोनपुर में बिल सुधार शिविर, विद्युत उपकेंद्र में स्थापित सौर संयंत्रों का किया निरीक्षण

बिल संबंधी शिकायतों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

पीएम सूर्य घर योजना से अधिक उपभोक्ताओं को जोड़ने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/सोनपुर। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार (भा. प्र. से.) ने सोनपुर का दौरा कर विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सोनपुर सब डिविजन में आयोजित बिल सुधार शिविर का निरीक्षण किया। प्रबंध निदेशक ने शिविर में पहुंचे उपभोक्ताओं की शिकायतों एवं बिल संबंधी मामलों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिल सुधार से जुड़े मामलों के निपटारे में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद उन्होंने सोनपुर विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, उपकेंद्र की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ता सेवाओं में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान प्रबंध निदेशक ने विद्युत उपकेंद्र परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। दौरे के क्रम में प्रबंध निदेशक ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के परिसरों में स्थापित सौर संयंत्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने पर जोर दिया।

'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' से समाप्त होगी छात्र-छात्राओं की समस्या

शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शी और जवाबदेही तय करने के लिए शुरू हुई पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के छात्र-छात्राओं की समस्या का निदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' शुरू किया है। विद्यार्थी इस पोर्टल के माध्यम से अपनी शैक्षणिक समस्या और सुझाव ऑन-लाइन दर्ज करा सकते हैं। परिवाद दर्ज कराने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उसका निष्पादन कर लिखित सूचना आवेदक को दी जाएगी। विदित हो कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। वहीं बिहार के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' शुरू किया है, ताकि विद्यार्थी अपनी और छात्रावास से संबंधित समस्याओं को ऑन-लाइन दर्ज करा सकें। शिकायत दर्ज कराने वाले छात्र-छात्राओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसके साथ ही हर महीने के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया जाएगा जहां छात्र-छात्राएं अपनी-अपनी समस्या और सुझाव रख सकेंगे। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से छात्र-छात्राएं कभी भी अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज करा सकते हैं। वहीं विद्यार्थी छात्रावास से जुड़ी शिकायतें और सुझाव पोर्टल या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1100 पर दर्ज करा सकते हैं। छात्रों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' पर शिकायत दर्ज करने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उसका निष्पादन किया जाएगा। उसके बाद आवेदक को उसकी लिखित सूचना दी जाएगी। बताया जाता है कि छात्रों की शिकायतों पर 10 दिनों में कार्रवाई शुरू न होने पर 11वें दिन मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वतः नोटिस जारी होगा और अधिकतम 30 दिनों के भीतर हर हाल में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इसको लेकर सरकार ने सख्त निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। राज्य सरकार ने सभी स्कूलों और छात्रावासों की समस्याओं का निदान करने के लिए 25 अगस्त से विद्यार्थी सहयोग अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है जिससे कि विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनी जाए और उनका सुझाव लेकर समस्याओं का निष्पादन किया जा सकें। राज्य सरकार के स्तर से छात्र-छात्राओं के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। इसकी लगातार निगरानी भी की जा रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का ससमय निष्पादन नहीं हो रहा था। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' शुरू की है ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं का शीघ्र निष्पादन किया जा सके।

कलश यात्रा के बाद अब योजनाओं की बारी, रविदास समरसता अभियान में अनुसूचित जाति टोलों की होगी मैपिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संत श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर शुरू हुए संत श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान का पहला चरण अब गांव-गांव तक पहुंचने लगा है। 18 अगस्त से शुरू हुई तीन दिवसीय कलश यात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश देने के बाद अब अभियान का फोकस अनुसूचित जाति आबादी वाले टोलों की वास्तविक जरूरतों की पहचान और पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर रहेगा। बुधवार को मुंगेर, खगड़िया, शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्णिया, कैमूर, भागलपुर, औरंगाबाद, सहरसा, मधेपुरा, नालंदा, सारण, नवादा, भोजपुर समेत कई जिलों में कलश यात्राएं आयोजित की गईं। इन यात्राओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान के उद्देश्य और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई गई। अब कलश यात्रा के बाद प्रशासनिक स्तर पर अनुसूचित जाति टोलों की मैपिंग और परिवारवार जरूरतों का आकलन अभियान की अगली महत्वपूर्ण कड़ी होगी। 18 से 20 अगस्त तक चलने वाली कलश यात्रा को अभियान के जनजागरूकता चरण के रूप में देखा जा रहा है। इसके बाद चिहिनत अनुसूचित जाति टोलों में यह पता लगाया जाएगा कि कितने परिवार सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं और कितने परिवार अभी भी किसी योजना या बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। परिवारवार स्तर पर राशन कार्ड, आवास, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार जैसी सुविधाओं की स्थिति की पहचान की जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि किस परिवार को आयुष्मान कार्ड की जरूरत है, कौन आवास योजना से वंचित है, किन युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जा सकता है तथा किन परिवारों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन या अन्य योजनाओं का लाभ मिलना बाकी है। अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता केवल योजनाओं के प्रचार-प्रसार तक सीमित न रहकर शत-प्रतिशत संतुष्टि का लक्ष्य निर्धारित करना है। अनुसूचित जाति आबादी वाले चिहिनत टोलों में पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ यह सुनिश्चित करने का प्रयास होगा कि बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण कमी न रह जाए।

पितृपक्ष मेला-2026 में निर्बाध बिजली आपूर्ति को लेकर विद्युत विभाग की तैयारियां तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2026 के सफल एवं सुगम संचालन को लेकर विद्युत विभाग ने निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को विद्युत संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गया ग्रामीण की ओर से व्यापक स्तर पर अनुरक्षण एवं विद्युत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गया ग्रामीण के कार्यपालक अभियंता बिनोद कुमार तैयारियों और अनुरक्षण कार्यों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अभियंताओं और तकनीकी कर्मियों की टीम विभिन्न विद्युत प्रतिष्ठानों एवं मेला क्षेत्र का नियमित निरीक्षण कर रही है। विभाग की ओर से जर्जर विद्युत तारों, पोल, ट्रांसफॉर्मर, फीडर एवं उपकेंद्रों की जांच कर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मेला क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगातार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बैकअप और वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। अभियंताओं और तकनीकी टीमों द्वारा लगातार गश्त एवं निरीक्षण कर संभावित विद्युत समस्याओं की पहचान की जा रही है, ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके। किसी आकस्मिक विद्युत समस्या की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए भी विभागीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

सभी जिलों में दंगा निरोधक दस्ता का गठन

राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय एंटी रायट फोर्स के गठन का आदेश पुलिस मुख्यालय ने किया जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में किसी तरह के दंगा या हंगामा या उग्र प्रदर्शन को रोकने के लिए जिला स्तर पर दंगा निरोधी दस्ता के गठन का फैसला लिया गया है। पुलिस मुख्यालय के स्तर से जिला एंटी राइट फोर्स (डीएआरएफ) के गठन से संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। इसमें चयनित सभी स्तर के पुलिस कर्मियों का खासतौर से प्रशिक्षण कराया जाएगा। सभी जिलों में गठित इस दस्ता का कार्य विधि-व्यवस्था को स्थापित करने से लेकर संवेदनशील परिस्थितियां, सांप्रदायिक तनाव, हिंसात्मक प्रदर्शन, सड़क जाम, सरकारी संपत्ति पर हमला, भीड़ नियंत्रण समेत ऐसी अन्य आकास्मिक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला और अनुमंडल स्तर पर इस विशेष दंगा निरोधी दस्ता की तैनाती रहेगी। इस विशेष दंगा निरोधी दस्ता का एक महीने का विशेष प्रशिक्षण प्रत्येक जिले की पुलिस केंद्र में कराया जाएगा। प्रशिक्षण देने के लिए पुलिस निरीक्षक या सार्जेंट मेजर या पुलिस अवर निरीक्षक सार्जेंट या सहायक अवर निरीक्षक का चयन किया जाएगा। सभी चयनित ट्रेनर का टीओटी मेरठ स्थित प्रशिक्षण रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी फॉर पब्लिक ऑर्डर में कराया जाएगा। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये ट्रेनर अपने-अपने जिलों में गठित विशेष प्रशिक्षण जिला दंगा निरोधी दस्ता के लिए चयनित पदाधिकारी एवं सिपाही को देंगे। प्रत्येक तीन महीने पर प्रत्येक प्लाटून का एक सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स पुलिस केंद्र में पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) के नेतृत्व में आयोजित कराया जाएगा। संबंधित जिलों के एसपी या एसएसपी जिला दंगा निरोधी बल के संदर्भ में प्रशिक्षण, साजो-समान, उपकरण, आवासन समेत अन्य की समुचित व्यवस्था करेंगे। इस दंगा निरोधी दस्ता में प्रभारी पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रशिक्षित पुलिस पदाधिकारी या कर्मी, प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी, आवश्यकतानुसार चिकित्सा या एंबुलेंस सहायता दल, वीडियोग्राफी करने वाले कर्मी, संचार एवं रिजर्व बल और लाठी दस्ता में ट्रेंड सिपाही शामिल होंगे। इस विशेष दस्ते की प्रत्येक कंपनी में तीन प्लाटून होंगे और प्रत्येक प्लाटून में अश्रु गैस दस्ता, लाठी दस्ता, सशस्त्र बल, चालक, वायरलेस ऑपरेटर समेत कुल 47 कर्मी होंगे। प्रत्येक प्लाटून में दो वाहन (1 बस एवं 1 ट्रक) शामिल होंगे। जिलों के स्तर पर गठित होने वाले दंगा निरोधी दस्ता के प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) होंगे। दस्ता प्रभारी अपने अधीन बल की तैनाती, अनुशासन, संचार, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता तथा कार्रवाई के अभिलेख के लिए उत्तरदायी होंगे।

संपादकीय

रेलवे स्टेशनों के पानी में मिले ज़हरीले बैक्टीरिया, यात्रियों की सेहत से खिलवाड़

रेलवे स्टेशनों से लेकर ट्रेन में सफर के दौरान परोसे या बेचे जाने वाले खानपान की घटिया गुणवत्ता के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। मगर कैग की रिपोर्ट में पीने के पानी में भी जिस तरह की गड़बड़ी बताई गई है, उससे व्यापक लापरवाही का ही पता चलता है।गौरतलब है कि हाल ही में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की एक रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आए कि देश के कई रेलवे स्टेशनों के पानी में ई-कोलाई और कोलीफार्म जैसे जीवाणु पाए गए हैं। इस दौरान पांच सौ बारह स्टेशनों की जांच में चार सौ अट्ठावन पर जरूरी यात्री सुविधाओं की कमी मिली।रेल महकमा समय-समय पर किराया बढ़ाने को लेकर तो जरूरत से ज्यादा सजग दिखता है, लेकिन स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे जरूरी चीज की भी उपलब्धता सुनिश्चित करने की उसे शायद कोई फिक्र नहीं है। लोगों को या तो स्टेशन पर लगे नल से असुरक्षित पानी पीना पड़ता है या फिर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है।अब भले रेलवे ने पेयजल की गुणवत्ता सुधारने की बात कही है, लेकिन यह कब संभव होगा, यह देखने की बात होगी। यह जगजाहिर तथ्य है कि ट्रेन से अपने गंतव्य के लिए निकले लोग कई बार एक या दो दिन की लंबी यात्रा भी करते हैं। इस दौरान पानी न मिलने या फिर दूषित पेयजल की वजह से लोगों की सेहत बिगड़ने के मामले जब-तब सामने आते रहते हैं।सवाल है कि अगर टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे बुनियादी चीज भी मुश्किल से मिल पाती है, तो सरकार किस भरोसे भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के दावे करती रहती है! कुछ महंगी और अति-महत्त्वपूर्ण मानी जाने वाली ट्रेनों को छोड़ दें, तो क्या साधारण लोगों के लिए भी रेल यात्रा उतनी ही सहज या सुकूनदेह रह गई है?ट्रेन में सीट पर आराम से बैठ कर यात्रा कर पाना जहां चुनौती बन चुकी है, वहीं सफर के दौरान खाने-पीने का सामान कैसा मिलता है, यह अब कोई छिपी हकीकत नहीं रह गई है। मगर सबसे बुनियादी चीज- पीने के पानी तक की हालत अगर ऐसी है कि ज्यादातर स्टेशनों पर लगे नले से दूषित पेयजल मिलता है, तो इससे उपजे जोखिम के लिए कौन जिम्मेदार है?

पीएम मोदी का लालकिले से विकसित भारत का संकल्प

(अशोक भाटिया)

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। विकसित भारत का यह विजन महज़ एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरुआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से

पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दर्शाता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो—ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा। निष्कर्षतः विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले।

विभाजन विभीषिका- हिन्दू नरसंहार की मर्मांतक दास्तां

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

हमें ये जानना ज़रूरी है कि उस समय भारत विभाजन के लिए किस प्रकार से अंग्रेज अपनी चाल चल रहे थे? मुस्लिम लीग किस प्रकार से दंगों के आतंकी क्रूर चेहरे के रूप में उभर रही थी? कैसे पंडित नेहरू मुस्लिम लीग की ज़िद के आगे घुटने टेक रहे थे? दरअसल, भारत विभाजन को लेकर माउंटबेटन -नेहरू और एडविना की छुट्टियों के दौरान ही माउंटबेटन के भारत विभाजन संबधी मसौदे को पंडित नेहरू ने स्वीकार कर लिया था। इससे संबंधित घटनाक्रमों का सविस्तार वर्णन तत्कालीन ब्रिटिश पत्रकार और इतिहासकार लियोनार्ड मोसली ने अपनी पुस्तक द लास्ट डेज ऑफ द ब्रिटिश राज में किया है। यानी भारत विभाजन

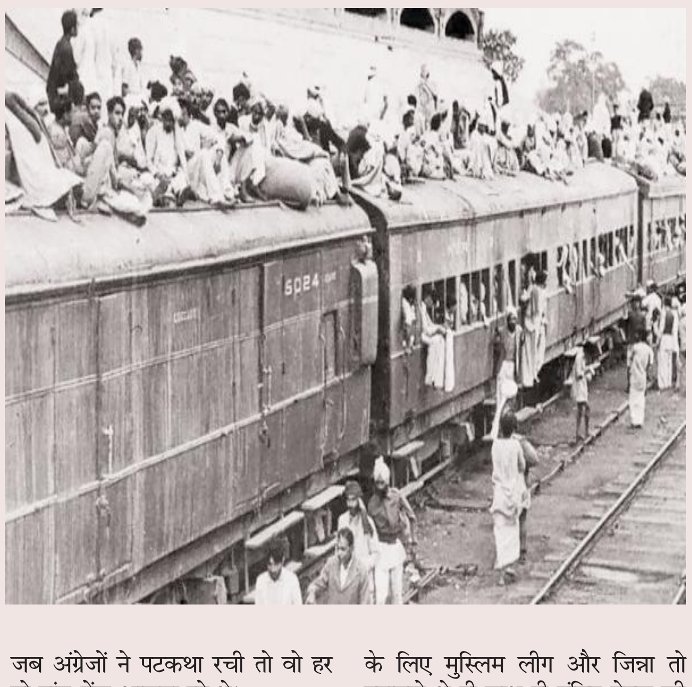

जब अंग्रेजों ने पटकथा रची तो वो हर वो दांव-पेंच आजमा रहे थे।

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वाधीन हुआ लेकिन स्वाधीनता के साथ विभाजन की वीभत्स त्रासदी ने राष्ट्र को कभी न भर पाने वाले असह्य घाव दिए। उस समय हुए हिन्दुओं के नरसंहार और उसकी पीड़ा से पूरा देश कांप गया। जिसकी मर्मांतक चीखें अब भी सुनाई देती हैं।अतीत को जानना आवश्यक हो जाता है।आइए इतिहास के पन्ने पलटते हैं। हमें ये जानना ज़रूरी है कि उस समय भारत विभाजन के लिए किस प्रकार से अंग्रेज अपनी चाल चल रहे थे? मुस्लिम लीग किस प्रकार से दंगों के आतंकी क्रूर चेहरे के रूप में उभर रही थी? कैसे पंडित नेहरू मुस्लिम लीग की ज़िद के आगे घुटने टेक रहे थे? दरअसल, भारत विभाजन को लेकर जब अंग्रेजों ने पटकथा रची तो वो हर वो दांव-पेंच आजमा रहे थे। जो कि उनके मंसूबों को पूरा कर सके। उस समय पंडित जवाहरलाल नेहरू, भारत विभाजन के लिए आए माउंटबेटन और उसकी पत्नी एडविना के साथ 10 मई 1947 से कई दिनों तक शिमला में पार्टियां कर रहे थे। इतना ही नहीं माउंटबेटन ने एलिजाबेथ द्वारा दी गई महंगी कार रोल्स रॉयल्स पंडित नेहरू को दी थी। नेहरू इसी में यात्राएं करते थे। फिर शिमला में के लिए मुस्लिम लीग और जिन्ना तो उतावले थे ही साथ ही पंडित नेहरू की भी भूमिका संदिग्ध और विभाजन के पक्ष में ही स्पष्ट प्रतीत होती है।

उस समय कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा भारत विभाजन की माउंटबैटन योजना को स्वीकार करने की तैयारियों का महात्मा गांधी ने भी विरोध किया था। लेकिन उनकी आगे नहीं चली और 3 जून 1947 को पंडित नेहरू की अगुवाई में कांग्रेस ने अंग्रेजों के विभाजन प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। उन्होंने इस सन्दर्भ में मनु गांधी से 1 जून 1947 को चर्चा की थी। मनु को अपने दिल की बात कहते हुए महात्मा गांधी ने बताया– आज मैं अपने को अकेला पाता हूँ। लोगों को लगता है कि मैं जो सोच रहा हूँ वह एक भूल है। भले ही मैं कांग्रेस का चवन्नी का सदस्य नहीं हूँ लेकिन वे सब लोग मुझे पूछते है, मेरी सलाह लेते है। आजादी के कदम उलटे पड़ रहे हैं, ऐसा मुझे लगता है। हो सकता है आज इसके परिणाम तत्काल दिखाई न दे, लेकिन हिन्दुस्तान का भविष्य मुझे अच्छा नहीं दिखाई देता। हिन्दुस्तान की भावी पीढ़ी की आह मुझे न लगे कि हिंदुस्तान के विभाजन में गांधी ने भी साथ दिया था। (गांधी सम्पूर्ण वांग्मय, खंड 88, पृष्ठ 43-44)।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026- 79 प्रतिशत योगदान, फिर भी जमीन के हक से दूर महिला किसान

(मनीष अग्रहरि)

संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में महिलाओं की आबादी 48.4 फीसद है, इसके बावजूद खेती और बागवानी में उनकी आधे से भी अधिक की भागीदारी है। ग्रामीण महिलाएं दैनिक श्रमसाध्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ बागवानी से जुड़े कार्यों में 79 फीसद तथा खेती में लगभग 75 फीसद सक्रिय हिस्सेदारी करती हैं, फिर भी यह कटु सत्य है कि किसान तो पुरुष ही कहलाता है। जब भी किसान की बात आती है, तो हम सबके मन-मस्तिष्क में प्राय: पुरुष किसान ही उभरता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026- देश में 75 प्रतिशत कृषि कार्य महिलाओं द्वारा किए जाने के बावजूद मात्र 14 प्रतिशत भूमि पर उनका मालिकाना हक है। इस लैंगिक असमानता को दूर कर महिला किसानों को पहचान, भूमि अधिकार, वित्तीय लाभ व उचित सम्मान देना अनिवार्य है।

संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में महिलाओं की आबादी 48.4 फीसद है, इसके बावजूद खेती और बागवानी में उनकी आधे से भी अधिक की भागीदारी है।

ग्रामीण महिलाएं दैनिक श्रमसाध्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ बागवानी से जुड़े कार्यों में 79 फीसद तथा खेती में लगभग 75 फीसद सक्रिय हिस्सेदारी करती हैं, फिर भी यह कटु सत्य है कि किसान तो पुरुष ही कहलाता है। जब भी किसान की बात आती है, तो हम सबके मन-मस्तिष्क में प्राय- पुरुष किसान ही उभरता है।

ऐसे विरोधाभास में संयुक्त राष्ट्र की पहल पर सरकार और समाज को देश की महिला किसानों के उत्थान के लिए संजीदगी से विचार करना होगा, क्योंकि आज भी वास्तविकता से हटकर पूरी दुनिया में महिला किसानों के महत्त्वपूर्ण योगदान के बावजूद उनके कार्यों को हाशिये पर रखा जाता है।

देश में उदारीकरण, निजीकरण और औद्योगीकरण के बाद पुरुषों का गांवों से पलायन बढ़ा है। ऐसे में महिलाओं ने रोजमर्रा के घरेलू कार्यों के साथ-साथ कृषि एवं संबद्ध कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी शुरू की है। आज यंत्रीकरण के बावजूद धान की रोपाई करते हुए आमतौर पर महिलाएं ही देखी जाती हैं। इसके अलावा वे सारे कार्य जो खेती में श्रम प्रधान हैं, जैसे- बुआई, गुड़ाई, कटाई, ओसाई, भंडारण, प्रसंस्करण तथा चारा उत्पादन, ये सभी सर्वाधिक महिलाओं के खाते में ही दर्ज होते हैं।

मत्स्य पालन, पशुपालन और बागवानी में भी कमोबेश यही स्थिति है। इसके बावजूद राजस्व अभिलेखों में इनका अदृश्य होना अनेक सवाल खड़ा करता है। वर्ष 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, देश में प्रत्येक तीन में से दो ग्रामीण महिलाएं कृषि समुदाय का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में अस्सी फीसद महिलाएं कृषि में संलग्न है।

इसी तरह लोकसभा में दी गई सूचना के अनुसार, महिला कृषि श्रमिकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, तो दूसरी तरफ पुरुष कृषि श्रमिकों में गिरावट देखने को मिल रही है। जनगणना-2011 के आंकड़ों के अनुसार, देश में 3.6 करोड़ महिला किसान तथा 6.15 करोड़ महिला कृषि श्रमिक हैं। इस तरह, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी होने के बावजूद उन्हें पूरे हक-हकूक नहीं मिल पा रहे हैं।

यही कारण है कि महिला किसानों और श्रमिकों की इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद तकरीबन चौदह फीसद महिला किसानों का नाम ही कृषि योग्य भूमि एवं राजस्व अभिलेख में अंकित है। इसी तरह महिला कृषि श्रमिकों के नाम महज दो फीसद ही हैं। वर्ष 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अनुसार, पंजाब जैसे समृद्ध राज्य में महिलाओं के नाम अभी भी कृषि योग्य भूमि पर मात्र एक फीसद ही दर्ज हैं।

ऐसा नहीं है कि खेती में महिलाओं की हकदारी में असमानता सिर्फ भारत में ही है, बल्कि पूरी दुनिया में उनके नाम खेत का स्वामित्व न होना एक बड़ा विभेद खड़ा करता है। एक अनुमान के मुताबिक, विकासशील देशों में आधी से अधिक आबादी खेती में संलग्न है, मगर भूमि का स्वामित्व सिर्फ पंद्रह फीसद महिलाओं के पास ही है। इस तरह कृषि के क्षेत्र में पूरी दुनिया में लैंगिक असमानता कायम है। देश में महिला किसानों की तरक्की में सबसे बड़ा रोड़ा अभिलेखजनित असमानता ही है, क्योंकि खेती योग्य भूमि का स्वामित्व (खसरा, खतौनी में नाम) न होने के कारण अनेक प्रकार की सरकारी योजनाओं और औपचारिक वित्तीय लाभ खासतौर से किसान क्रेडिट कार्ड एवं सरकारी अनुदान से महिलाएं कोसों दूर हो जाती हैं। लागत को घटाने के लिए इस समय कृषि यंत्रों पर जोर है, मगर महिलाओं के अनुकूल कृषि यंत्र बहुत कम उपलब्ध हैं। सरकार को इस मसले पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। महिलाएं देश, समाज और परिवार के लिए कितना योगदान दे रही हैं, उसे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों से समझा जा सकता है। इसके अनुसार, महिलाएं चूल्हा-चौका, बच्चों के पालन-पोषण समेत अन्य घरेलू कार्यों के दबाव के चलते तकरीबन ढाई गुना से अधिक समय अवैतनिक कार्यों में गुजार देती हैं। इससे उनका बाजार उन्मुखीकरण और उच्च मूल्य वाले कार्यों में भागीदारी मूल्य शृंखला में सबसे ऊपर होने की संभावना सर्वाधिक न्यून हो जाती है।

संविधान का अनुच्छेद-14 सभी को समानता का अधिकार देता है, इससे महिलाओं को सामान कार्य का सामान मेहनताना मिलना चाहिए। मगर संवैधानिक व्यवस्था से इतर महिलाओं को व्यावहारिक रूप से पुरुषों की अपेक्षा कृषि कार्यों का मेहनताना कम दिया जाता है। इसी प्रकार अनुच्छेद- 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है, मगर कृषि क्षेत्र के असंगठित होने के कारण कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम, 2013 भी लागू नहीं हो पाता है। केवल संगठित और बड़े कार्यस्थलों में ही यह मूर्त रूप ले पाता है। इससे खेती आधारित गतिविधियों में कई बार महिलाएं यौन उत्पीड़न और हिंसा की शिकार हो जाती हैं और न्याय के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ता है। ऐसे में संविधान प्रदत्त गरिमापूर्ण जीवन और समानता की बात कल्पना से परे है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाली कृषि अनुसंधान एवं प्रसार की सर्वोच्च संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने महिला किसानों के उत्थान के लिए वर्ष 1996 में भुवनेश्वर में केंद्रीय महिला कृषि संस्थान की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य कृषि में महिलाओं के अनुरूप तकनीक और आजीविका पर केंद्रित अनुसंधान करना है। इसी प्रकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से वित्तीय समावेशन बढ़ा है, नमो ड्रोन दीदी योजना से हुनरमंद महिलाएं तरक्की की नई इबारत लिख रही हैं, लखपति दीदी योजना से भी लाभ हो रहा है। इसके अलावा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, नाबार्ड और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान के संयुक्त सहयोग से एग्री क्लीनिक और एग्री बिजनेस सेंटर योजना के माध्यम से महिला कृषि उद्यमी तैयार हो रही हैं। इसी तरह कृषि अवसंरचना कोष समेत अनेक योजनाएं आज संचालित हो रही हैं। फिर भी वास्तविक किसान के रूप में जमीन का मालिकाना हक न मिल पाने के कारण दिन-रात खेत में कार्य करने वाली महिला किसानों को नवाचारों में निर्णय लेने की शक्ति, कृषि उत्पादों में सौदेबाजी, संस्थागत कर्ज लेने और सबसिडी की सुविधा नहीं मिल पाती है। अब यह समय की मांग है कि सरकार, निजी संस्थाएं और समाज तीनों मिलकर महिला किसानों को खेती जैसे महत्त्वपूर्ण संसाधन के हक-हकूक दिलाने के लिए नीतिगत निर्णय के साथ उन्हें समान अधिकार और सम्मान दिलाएं।

शत-प्रतिशत सरकारी योजनाओं का होगा क्रियान्वयन : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। राज्य सरकार के निर्देश पर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के सशक्तिकरण और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक बड़ी और व्यापक पहल शुरू की जा रही है। गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में गुरु संत रविदास संकल्प अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया है।उक्त जानकारी जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी है।उन्होंने बताया कि यह महत्वाकांक्षी अभियान 18 अगस्त से 15 फरवरी 2027 तक निरंतर जारी रहेगा। इसके तहत जिले के सभी अनुसूचित जाति बाहुल्य टोलों में विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों का संचालन किया जाएगा ताकि विकास की रोशनी समाज के हर उस व्यक्ति तक पहुँचे जो अब तक इससे वंचित रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान की शुरूआत बुद्धवार को सभी प्रखंडों में कलश यात्रा निकाल कर हो हुई है। कलश यात्रा आकर्षण का केन्द्र तो रहा हीं साथ हीं इसे उल्लास का वातावरण भी बन रहा है।उन्होंने कहा कि यह केवल एक धार्मिक या प्रतीकात्मक यात्रा नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से संत रविदास के समरसता, भाईचारा और समानता के संदेश को घर-घर पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से कलश यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं संबंधित प्रशासनिक पदाधिकारियों को पहले ही स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है।कलश यात्रा के भ्रमण पंचायत स्तर तक सुनिश्चित किया जाना है। ताकि जन-भागीदारी बढ़ सके। प्रेस वार्ता में डीएम ने रेखांकित किया कि अभियान का सबसे महत्वपूर्ण एवं धरातलीय हिस्सा " गुरु संत रविदास विकास शिविर' का आयोजन होगा। जिसका मुख्य ध्येय सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करना है।शिविर का आयोजन एक निश्चित रोस्टर के तहत 27 अगस्त से 15 फरवरी तक प्रत्येक गुरुवार को सबसे अधिक अनुसूचित जाति वाले बसावटों में आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर सभी बीडीओ को अपने प्रखंड के लिए शिविर का रोस्टर तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। तथा डीएम के अनुसार शिविरों की विशेषता यह होगी कि पूर्व ही सभी संबंधित विभाग आवेदन प्राप्त कर उनका नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित कर लेंगे।लंबित रह जाने पर आवेदन शिविर के दिन ही सुलझाया जाएगा और जो पात्र लाभार्थी अब तक किसी कारणवश योजनाओं से नहीं जुड़ सके थे, उनके लिए शिविर स्थल पर ही आवेदन लेने की व्यवस्था रहेगी। शिविर के दिन ही लाभार्थियों के बीच आवश्यक लाभ का वितरण कर दिया जाएगा। पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सूचना, शिक्षा और संवाद पर विशेष जोर दिया गया है। सितंबर से अक्टूबर 2026 के बीच विशेष वाहनों के माध्यम से विभिन्न प्रखंडों में संत रविदास के विचारों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा ताकि आम जनता को योजनाओं की पूरी जानकारी मिल सके। इसके साथ ही, अभियान के अंतिम चरण में स्कूली बच्चों और युवाओं को जोड़कर 15 फरवरी 2027 तक विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में अंतर-विद्यालय खेल प्रतियोगिता, साइकिल रैली, वाद-विवाद, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक युग की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें छात्रों को 3डी प्रिंटिंग तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंडस्ट्री 4.0 जैसे भविष्योन्मुखी विषयों को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे रोजगार के नए अवसरों के लिए तैयार हो सके।

ग्रामीणों की फरियाद सुनने पहुंचीं विधायक संगीता देवी, अधिकारियों को दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बलरामपुर प्रखंड अंतर्गत लोहागाढ़ा पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। शिविर में विधायक संगीता देवी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया। विधायक ने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए लोगों को राहत पहुंचाने का निर्देश दिया।सहयोग शिविर में कटिहार के जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार, अपर समाहर्ता डॉ.बिनोद कुमार, डीडीसी अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा बारसोई अनुमंडल पदाधिकारी राजू कुमार, प्रखंड प्रमुख,बीडीओ, सीओ, पंचायत के मुखिया एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा

दिलाया। शिविर के आयोजन से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिला। सिविल में संबोधित करते जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार अपने संयुक्त रूप से कहा कि जनता की समस्या का समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता है। तथा सरकार की योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचे इसके लिए में कटिबंध हूं। उन्होंने पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि लोगों की समस्या का समाधान में तत्परता दिखाएं तथा जनता से सीधा संवाद रखें। सरकार का उद्देश्य है कि जनता के घर तक हमारे पदाधिकारी पहुंचे और उनकी बातों को निस्वार्थ सुनकर उनका निवारण करें।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने 708 ग्राम गांजा किया बरामद

समेली/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पोठिया थाना क्षेत्र के बखरी गांव में एक किराना दुकान से पुलिस ने 708 ग्राम गांजा बरामद किया है। मामले में पुलिस ने विक्रेता प्रकाश ऋषि की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी शुरू कर दी है। पोठिया थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बखरी वार्ड संख्या 11 में एक किराना की दुकान से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर बखरी में प्रकाश ऋषि के किराना दुकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में किराना दुकान से कुल 708 ग्राम गांजा, एवं एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया गया। हालांकि मामले की भनक लगते ही विक्रेता दुकान छोड़कर फरार हो गए थे। पोठिया थाना अध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में कांड दर्ज करते हुए गांजा विक्रेता प्रकाश ऋषि की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है।

आपसी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट

फलका/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के मोरसंडा पंचायत के छोटी चातर गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गयी। घटना में दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गये। सभी जख्मी को परिजन इलाज के लिए फलका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहा उनका उपचार किया गया। घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से फलका थाना में अलग-अलग आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से श्रवण कुमार, संतोष कुमार, सुबोध कुमार, प्रदीप कुमार, शिवनंदन कुमार और बंटी कुमार को गिरफ्तार किया है। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में कटिहार जेल भेज दिया गया। प्रथम पक्ष की सविता देवी ने पुलिस को दिये आवेदन में बताया कि विगत शाम करीब सात बजे उनके पति और पुत्र काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रमेश राम, माला देवी, संतोष राम, मंतोष राम, श्रवण कुमार, जितेंद्र राम और उमेश राम समेत अन्य लोग कथित रूप से लोहे की रड, दबिया और तलवार लेकर पहुंचे और उनके पति व पुत्र पर हमला कर दिया। दूसरे पक्ष ने भी मारपीट का आरोप लगाया है। दूसरे पक्ष की माला देवी ने आवेदन में बताया कि उनकी पुत्री प्रिया कुमारी दरवाजे पर बैठी थी। इसी दौरान बंटी कुमार और राजेश राम ने कथित रूप सेउसके साथ गाली-गलौज करते हए मारपीट की पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गए हैं।

प्रख्यात अर्थशास्त्री और प्रतिष्ठित व्याख्याता प्रो. रवि बत्रा को भावभीनी श्रद्धांजलि

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आनंद मार्ग के एक सदस्य 83 वर्ष के प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री,लेखक और शिक्षाविद् प्रो. रवि बत्रा के निधन पर कटिहार आनंद मार्ग परिवार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। डॉक्टर प्रोफेसर रवि बत्रा डलास, टेक्सास अमेरिका में उनका निधन हुआ। वे काफी दिनों से बीमार चल रहे थे । अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अपने स्वतंत्र एवं मुखर विचारों तथा लोकप्रिय पुस्तकों के माध्यम से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। प्रो. बत्रा अमेरिका के डलास स्थित सदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे। आर्थिक असमानता, संपत्ति के केंद्रीकरण, आर्थिक संकट, वित्तीय व्यवस्था तथा अधिक न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था की आवश्यकता उनके अध्ययन और लेखन के प्रमुख विषय रहे।एक लेखक के रूप में भी प्रो. बत्रा को व्यापक लोकप्रियता मिली। उनकी चर्चित पुस्तक ह्यद ग्रेट डिप्रेशन ऑफ 1990ह्ल ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई। इसके अलावा ह्यद डाउनफॉल ऑफ कैपिटलिज्म एंड कम्युनिज्मह्ल सहित उनकी कई पुस्तकों में उन्होंने पूंजीवाद और साम्यवाद की आर्थिक व्यवस्थाओं की कमियों का विश्लेषण करते हुए वैकल्पिक आर्थिक चिंतन की आवश्यकता पर बल दिया। प्रउत के अध्ययन और प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान प्रो. रवि बत्रा का बौद्धिक जीवन उनके आध्यात्मिक गुरु श्री श्री आनंदमूर्तिजी के सामाजिक एवं आर्थिक विचारों से भी गहराई से प्रभावित रहा। वे प्रउत, अर्थात प्रोग्रेसिव यूटिलाइजेशन थ्योरी के प्रमुख व्याख्याताओं में शामिल रहे।

मनिहारी में शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग का प्रशिक्षण

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। माइक्रोसॉफ्ट के शिक्षकों के लिए उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को बीआरसी मनिहारी में मास्टर ट्रेनरों के लिए शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ताह्ल विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कटिहार जिले के तीन प्रखंडों के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कंप्यूटर विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी राहुल चंद्र चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने प्रशिक्षण के उद्देश्य और शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट कॉपायलट 365 के माध्यम से शिक्षकों को शिक्षण कार्य को सरल,प्रभावी एवं रचनात्मक बनाने के तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने विभिन्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल उपकरणों का व्यावहारिक अभ्यास कराया। प्रशिक्षण के बाद शिक्षक एआई के शैक्षणिक उपयोग, कॉपायलट 365 के बुनियादी संचालन तथा इसकी सहायता से शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियां तैयार करने में सक्षम होंगे। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक गौतम, नितेश, ललित, पीरामल फाउंडेशन के अनिश,श्रवण मिश्रा,आईसीटी समन्वयक वर्षा कुमारी, बीआरसी लेखापाल दुर्गेश कुमार चौधरी, बीईडीएमसी डाटा ऑपरेटर प्रवीण कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे। तीन प्रखंडों के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कंप्यूटर विज्ञान शिक्षक भी प्रशिक्षण में शामिल रहे ।

टीबी मुक्त भारत अभियान में युवाओं की भागीदारी

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत माय भारत एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से जिला यक्ष्मा केंद्र सदर अस्पताल परिसर में छह दिवसीय अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम 19 से 24 अगस्त 2026 तक चलेगा। इसका उद्देश्य युवाओं को टीबी उन्मूलन अभियान से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता को मजबूत करना है।मयह पहल देश के 50 से अधिक जिलों में संचालित पायलट परियोजना का हिस्सा है। बिहार में कटिहार समेत छह जिलों का चयन किया गया है। कटिहार में पांच प्रखंडों के पांच गांवों से कुल 50 युवा स्वयंसेवकों को अभियान से जोड़ा गया है।

डूबे बच्चों के परिजन को कोढ़ा विधायक व सीओ ने सौंपे 4 लाख के वाउचर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। सावन की तीसरी सोमवारी को फलका प्रखंड के मोरसंडा पंचायत स्थित मोरसंडा गांव के बरंडी नदी के कमला घाट पर जल भरने के लिए स्नान करने के क्रम में गहरे पानी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई थी।इस हृदयविदारक घटना की सूचना मिलते ही कोढ़ा विधायक कविता पासवान और अंचलाधिकारी सैमी पोद्दार पीड़ित परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को ढांढस बंधाया। इस दौरान विधायक व सीओ ने आपदा अनुग्रह अनुदान के तहत तीनों मृत बालकों के परिजनों को

चार-चार लाख रुपये कुल 12 लाख रुपये का सरकारी सहायता वाउचर सौंपा गया। सीओ सैमी पोद्दार ने बताया कि कागजी प्रक्रिया पूरी कर तीनों पीड़ित परिवारों के बैंक खाते में डीबीटीके माध्यम से राशि भेज दी गई है। इस दौरान मोरसंडा के मुखिया राजू नायक, उप प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद इरशाद और स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक व सीओ से मांग की कि बरसात और आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर कमला घाट पर अत्यधिक जलस्तर वाले खतरनाक क्षेत्रों की बैरिकेडिंग कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी किसी दुखद घटना की पुनरावृत्ति न हो सके। इस भीषण हादसे के बाद दूसरे दिन भी पूरे मोरसंडा गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ था और हर आंख नम थी। इस मौके पर अंचल निरीक्षक नरेंद्रनाथ आनंद, अंचल नाजीर गोपाल यादव, भाजपा ग्रामीण क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष अनुज कुमार मंडल, शम्भू प्रसाद साह आदि मौजूद रहे ।

बलात्कार के आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। आजमनगर थाना कांड संख्या 103/ 2026 के बलात्कार के आरोपी को आजमनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।जानकारी के अनुसार बीएनएस की धारा 64 के आरोपी बोगन मंडल पिता धनपत मंडल ग्राम हसोपड़ा पर बलात्कार का मामला दर्ज होने के बाद लगातार फरार चल रहे थे। इस दौरान मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद तथा सुपरविजन के उपरांत न्यायालय के द्वारा दिए गए वारंट के आलोक में

आजमनगर पुलिस के द्वारा लगातार छापामारी के बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि बलात्कार के आरोपी बोगेन मंडल पिता गणपत मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया है।

पशुपालन, गव्य एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में पशुपालन, गव्य एवं मत्स्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गव्य विकास की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने जिले में दुग्ध शीतक केंद्र की स्थापना के लिए जिला गव्य विकास पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में साइलेज प्लांट के निर्माण की दिशा में भी आवश्यक पहल करने को कहा गया। जहां हरे चारे जैसे मक्का आदि को विशेष प्रक्रिया से संरक्षित करके

लंबे समय तक पशुओं के लिए पौष्टिक चारे के रूप में रखा जा सके। बैठक में जिले के विभिन्न दुग्ध उत्पादन समितियों के माध्यम से हो रहे दुग्ध संग्रहण की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्तमान में जिले में प्रतिदिन लगभग 30,000 लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने दिसंबर माह तक दुग्ध संग्रहण में 10,000 लीटर की अतिरिक्त वृद्धि करने का लक्ष्य निर्धारित किया। मत्स्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के क्रम में योजना, ब्रेडा एवं मत्स्य विभाग के संयुक्त क्रियान्वयन से वाइब्रेंट विलेज में ह्लऊपर बिजली, नीचे मछलीह्ल की अवधारणा पर आधारित तालाबों से विद्युत उत्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रिया सुनिश्चित करने को कहा। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान एफएमडी टीकाकरण की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने टीकाकरण कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा टीकाकरण के उपरांत लिए गए फोटोग्राफ को व्यवस्थित रूप से स्टोर एवं सुरक्षित रखने का निर्देश दिया, ताकि टीकाकरण कार्य का उचित सत्यापन एवं अनुश्रवण किया जा सके। बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी, अररिया, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, अररिया एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी, अररिया उपस्थित थे।

जागरूकता शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कर्मचारी राज्य बीमा निगम कार्यालय मोफरगंज में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन शाखा प्रबंधक मनीष राज रंजन ने किया। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मजदूर संघ के नेता सह सदस्य कर्मचारी राज बीमा निगम विकास सिंह उपस्थित रहे। जागरूकता शिविर में सदर अस्पताल के सुरक्षा प्रहरी, सफाई कर्मी, 102 एंबुलेंस के चालक, ईएमटी मुख्य रूप से उपस्थित थे। जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए शाखा प्रबंधक मनीष राज रंजन ने सभी कर्मियों ईएसआईसी से मिलने वाली लाभ के बारे में विस्तार से बिंदु बार बताया।

वहीं ईएसआईसी के डॉक्टर संजय कुमार ने भी विमित व्यक्तियों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने को लेकर कार्यालय आने को कहा। श्री कुमार ने बताया कि 9:00 बजे से लेकर 5:00 बजे संध्या तक विमित व्यक्तियों के लिए सेवा के लिए हम लोग तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विकास सिंह ने बताया कि सदर अस्पताल में एक सामानता सिक्योरिटी इंटेलिजेंस प्राइवेट लिमिटेड नामक एक एजेंसी 2020 से सदर अस्पताल में लगभग 180 सुरक्षा प्रहरियों को कार्य पर लगाए हुए हैं। लेकिन एक दर्जन कर्मियों को भी ईएसआईसी का लाभ नहीं मिल रहा है। श्री सिंह ने जागरूकता शिविर के क्रम में ही सुरक्षा पहरियो के द्वारा एजेंसी के खिलाफ लिखित शिकायत दिया गया। शाखा प्रबंधक मनीष राज रंजन ने बताया कि जल्द ही एजेंसी से वार्ता कर सदर अस्पताल में कार्यरत सभी कर्मियों को इसी का लाभ दिलाया जाएगा ।

उर्वरक की कालाबाजारी पर लगेगी पूरी तरह रोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज (कटिहार)। प्रखंड के ई-किसान भवन में प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक में खरीफ मौसम को देखते हुए किसानों को उर्वरक की सहज उपलब्धता सुनिश्चित कराने, निर्धारित मूल्य पर पारदर्शी तरीके से बिक्री कराने तथा खाद की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर पूरी तरह अंकुश लगाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी मनीषा यादव ने कहा कि किसानों को उर्वरक खरीदने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी उर्वरक विक्रेताओं को सरकार द्वारा निर्धारित

दर पर ही खाद की बिक्री करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने, खाद की कृत्रिम कमी पैदा करने या कालाबाजारी करने की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में उर्वरक के स्टॉक, उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाएगी, ताकि किसानों को उनकी जरूरत के समय खाद उपलब्ध हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि उर्वरक खरीदते समय निर्धारित मूल्य की जानकारी रखें।

रसोईया पर शिक्षिका से मारपीट व अभद्र व्यवहार का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ग्वालटोली सिंहपुर में कार्यरत रसोईया पर शिक्षिका के साथ मारपीट एवं अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया है। रसोईया आशा देवी के कथित अमर्यादित आचरण से परेशान शिक्षिका रीमा घोष ने मामले को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को लिखित आवेदन दिया है।वहीं ग्रामीणों ने रसोईया आशा देवी एवं प्रधानाध्यापक के तबादले की भी मांग की है।शिक्षिका के आवेदन पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अल्ताफ हुसैन ने विद्यालय पहुंचकर मामले की जांच की। जांच के दौरान विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं, स्थानीय ग्रामीणों एवं अन्य सहायक शिक्षकों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए गए। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अल्ताफ हुसैन ने बताया कि जांच के क्रम में प्राप्त बयानों एवं तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया संपूर्ण घटना में रसोईया की गलती एवं अनुशासनहीनता स्पष्ट रूप से सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का हिंसक एवं अमर्यादित आचरण विद्यालय के शैक्षणिक माहौल, अनुशासन तथा शिक्षकों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने विद्यालय शिक्षा समिति को निर्देश दिया है कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर आपातकालीन बैठक आयोजित कर रसोईया आशा देवी के विरुद्ध विद्यालय हित, बच्चों की सुरक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए विभागीय दिशा-निर्देश के अनुसार आवश्यक निर्णय पारित किया जाए। प्रधानाध्यापक मोहम्मद मुबाशिर आलम ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया।

युवाओं के आंदोलन ने डर को समाप्त किया : कन्नन गोपीनाथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। देशभर में चल रहे युवा आन्दोलन के संदर्भ में युवाओं से संवाद स्थापित करने के मकसद से आज टाउन हॉल अररिया में यूथ की बात कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम युवा की बात सुनने और संवाद करने देश के माने माने एक्टिविस्ट एवं पूर्व कन्नन गोपीनाथन और जानी मानी सामाजिक कार्यकर्ता कामायनी स्वामी पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुई। इस कार्यक्रम में जिला के विभिन्न प्रखंडों से सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया । दर्जनों युवाओं ने जंतर मंतर आंदोलन, नीट परीक्षा, शिक्षा व्यवस्था, सीमांचल की हालत, बोलने की आजादी जैसे विषयों पर अपनी बात रखी और पैनलिस्ट के सामने इन मुद्दों को लेकर सवाल भी खड़े किये । आशीष रंजन के बिहार और अररिया की शिक्षा को लेकर विस्तृत आंकड़े पेश किए जो चौकाने वाले

थे। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के चलते यह आंदोलन होना ही था। नीट परिक्षा रद्द होने के चलते जिन 21 युवाओं ने खुदकुशी की उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और 1 मिनट का मौन रखा गया। खरहट , रानीगंज से आए ज्योतिष ने कहा कि हम इस छात्र आंदोलन में शामिल हुए क्योंकि हमें न ठीक से शिक्षा मिली और ना ही कोई ठीक ठाक काम , हम चाहते हैं कि हम जो झेलते आए हैं वह आगे आने वाली जेनरेशन को नहीं झेलना पड़े। उन्हें बेहतर शिक्षा व्यवस्था और रोजगार मिले । युवा छात्रा बीबी फातिमा ने कहा कि नीट परीक्षा लीक होने से लाखों विद्यार्थियों का सरकार पर से भरोसा टूटा है । सड़क पर उतरने पर युवाओं को प्रताड़ित किया गया यह सरकार की निरंकुशता को दशार्ता है । युवा इसे सहन नहीं करेंगे और सत्ता से सवाल पूछते रहेंगे । हम युवा डरेंगे नहीं। युवा एडवोकेट मो आदिल ने कहा कि पटना के आंदोलन को वह बतौर एडवोकेट मदद करने गए थे और उन्हीं को गैर कानूनी रूप से पुलिस ने 32 घंटे हिरासत में रखा । सरकार युवाओं की बात दबाना चाहती है, प्रश्न पूछने से रोकती है जो जेन जी नहीं सहेंगे । कन्नन गोपीनाथन ने कहा कि इस देश में सरकार के साथ नागरिकों का एक कॉन्ट्रैक्ट था कि अगर वे पढ़ेंगे, खूब मेहनत करेंगे तो परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे। परीक्षा लीक करके इस भरोसे को तोड़ा गया है और इसलिए युवा सड़क पर हैं । उन्होंने कहा कि आंदोलन की एक बड़ी जीत है कि उन्होंने सरकार को जवाबदेह बनाया। कन्नन ने कहा कि संविधान के प्रस्तावना में उन्हें सबसे अच्छी बात लगती है वह है व्यक्ति की गरिमा । पर जिनके हाथ में पावर आती है वह व्यक्ति की गरिमा को कुचलने लगता हैं । हमे इसके खिलाफ लडऩा होगा और सरकारों और नेताओं को सत्ता से बेदखल करते रहना होगा ।

सीईओ ने पाकुड़ एवं लिट्टीपाड़ा के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

सभी पात्र भारतीय नागरिक विशेष गहन पुनरीक्षण में लें भाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को पाकुड़ जिले के पाकुड़ एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सीमावर्ती इलाकों में स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर मतदाता सूची में दर्ज विवरणों एवं बीएलओ द्वारा किए जा रहे घर-घर सत्यापन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिया कि घर-घर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी गंभीरता एवं सावधानी से की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि यथासंभव एक परिवार के सभी मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध हों तथा कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर सत्यापन अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में निर्धारित प्रक्रिया एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

श्री रवि ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से तैयार मतदाता सूची को परमानेंट डॉक्यूमेंट के रूप में संरक्षित किया जाएगा। मतदाता सूची में दर्ज प्रमाणित एवं सही विवरण भविष्य में मतदाता तथा उसके परिवार के लिए महत्वपूर्ण अभिलेख के रूप में उपयोगी होगा। इसलिए प्रत्येक मतदाता अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के विवरण की जांच अवश्य करें और किसी प्रकार के सुधार, नाम जोड़ने अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्धारित प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुरूप केवल भारतीय नागरिक ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए-2 तथा आम नागरिकों से अपील की कि यदि उनके संज्ञान में किसी विदेशी नागरिक द्वारा मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास करने अथवा ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी विदेशी नागरिक का नाम दर्ज होने का मामला आता है, तो निर्धारित फॉर्म-7 के माध्यम से अपनी आपत्ति अवश्य दर्ज कराएं। प्राप्त आपत्ति पर संबंधित ईआरओ/एईआरओ द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों एवं तथ्यों की जांच करते हुए नियमानुसार आदेश पारित किया जाएगा। श्री कुमार ने स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नागरिक को मतदाता सूची में पंजीकरण कराने में किसी प्रकार का सहयोग नहीं किया जाना चाहिए। यदि किसी परिवार में विवाह अथवा किसी अन्य कारण से कोई विदेशी नागरिक निवास कर रहा है, तो मतदाता के रूप में पंजीकरण की पात्रता के लिए उसे पहले विधि के अनुसार भारतीय नागरिकता प्राप्त करनी होगी। भारतीय नागरिकता प्राप्त किए बिना मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए गलत घोषणा अथवा मिथ्या विवरण के आधार पर आवेदन करना कानून के तहत दंडनीय हो सकता है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मूल उद्देश्य शुद्ध, त्रुटिरहित एवं समावेशी मतदाता सूची तैयार करना है। इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे और किसी भी अपात्र अथवा विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों, बीएलओ, राजनीतिक दलों एवं नागरिकों से इस प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग की अपील की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी मेघा भारद्वाज सहित लिट्टीपाड़ा एवं पाकुड़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के ईआरओ एईआरओ अतिरिक्त एईआरओ उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पेट्रोल पंप के पास लूटकांड का खुलासा, एक बदमाश गिरफ्तार

बाइक व मोबाइल की हुई थी लूट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र में जून महीने में हुई लूट की घटना का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए एक अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोहद्दीनगर थाना क्षेत्र के मनिअर वार्ड नंबर-2 निवासी सौरभ कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर लूटे गए मोबाइल को भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 5 जून 2026 को करीब 10:30 बजे विजयवंत पेट्रोल पंप के पास पक्की सड़क पर तीन अज्ञात अपराधियों ने खोकसा गांव निवासी गोविंद पासवान को रोककर लूटपाट की थी। बदमाशों ने उनसे मोटरसाइकिल और मोबाइल लूट लिया था। मामले में गोविंद पासवान के आवेदन पर दलसिंहसराय थाना कांड संख्या 314/2026, दिनांक 6 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए दलसिंहसराय एसडीपीओ विवेक कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना के आधार पर मामले की जांच करते हुए सौरभ कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक कांड का खुलासा हो चुका है, जबकि वारदात में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी और लूटी गई मोटरसाइकिल की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार सौरभ कुमार का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हाजीपुर नगर थाना में वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट से संबंधित मामला दर्ज है। छापेमारी दल में दलसिंहसराय थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक मो. इरशाद आलम, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार, पुलिस सहायक अवर निरीक्षक बिपिन कुमार, सशस्त्र बल के जवान तथा समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की डीआईयू टीम शामिल थी।

बेलोरो ने ताड़ के पेड़ में मारी टक्कर, तीन घायल

चांदन (बांका) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। चांदन देवघर मुख्य सड़क सड़क मार्ग के पारडीड मोड़ के समीप ओवरटेक करने के दौरान कावंरिया से भरा एक बोलेरो सड़क किनारे लगी एक ताड़ की पेड़ से टकराने से बोलेरो सवार तीन कावंरिये गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार आज दोपहर को सुल्तानगंज से जल भरकर बाबाधाम देवघर जाने के दौरान पारडीह मोड़ के समीप पहुंचते ही ओवरटेक कर आगे जाने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी ताड़ से बोलेरो टकरा गई। जिसमें सवार अजीत कुमार उम्र सुखदेव राम, रिसु कुमार घायल हो गए। घटना की सुचना पर पहुंचे चांदन थाना पुलिस से एम्बुलेंस की सहयोग से सभी घायलों को सीएचसी चांदन पहुंचाया। जहां सभी घायलों की इलाज चल रहा है। साथ ही दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहन को पुलिस ने जप्त कर थाना लाया गया है।

बेरहमी से की गई थी भिखारी सदा की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के गंगौली गांव में दो दिन पूर्व झाड़ियों में मिले भिखारी सदा के शव मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या की भयावह तस्वीर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार मृतक के साथ बेरहमी से मारपीट करने के बाद उसे सड़क पर घसीटा गया था। घसीटे जाने से पेट और सीने के हिस्से में करीब एक फीट लंबी और आठ इंच चौड़ी जगह की चमड़ी उधड़ गई थी। शरीर के पिछले हिस्से में भी करीब छह इंच लंबा-चौड़ा हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त मिला। कंधे के पास गंभीर चोट के निशान के अलावा सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किए जाने के प्रमाण मिले हैं। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक डॉ. संतोष झा के अनुसार मृतक के शरीर पर मारपीट के गंभीर निशान थे। रिपोर्ट में मौत का कारण मारपीट के साथ गला दबाना बताया गया है। मामले में मृतक की पत्नी रविता देवी के बयान पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें मृतक के सौतेले भाई धर्मेंद्र सदा और गांव की एक महिला समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। उक्त महिला पर घटना में लाइनर की भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के बाद से सभी नामजद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। इधर ग्रामीण राजो सदा ने बताया कि घटना से पहले धर्मेंद्र सदा ने भिखारी को जान से मारने की धमकी दी थी। उनके अनुसार धर्मेंद्र ने करीब दस दिनों के भीतर भिखारी की हत्या करने की बात कही थी। राजो ने बताया कि उन्होंने यह बात भिखारी को बताई थी, लेकिन उसने धमकी को गंभीरता से नहीं लिया। दोनों के बीच करीब छह महीने पहले भी विवाद हुआ था। उस दौरान धर्मेंद्र पर तलवार से हमला करने का आरोप लगा था और दोनों को पुलिस थाने ले जाया गया था। राजो का आरोप है कि उस समय प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण विवाद आगे बढ़ता गया। प्राथमिकी में पांच कट्ठा जमीन को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद को हत्या की वजह बताया गया है। रविता देवी का आरोप है कि धर्मेंद्र जमीन में पूरी हिस्सेदारी की मांग कर रहा था और इसी बात को लेकर वह उनके पति को लगातार धमकी देता था। रविवार रात मुजफ्फरपुर से लौटने के दौरान भिखारी के साथ घटना होने की बात प्राथमिकी में कही गई है। घटनास्थल के आसपास से धर्मेंद्र की बाइक भी बरामद की गई है। वहीं, मामले में अवैध संबंध से जुड़े विवाद की आशंका को भी पुलिस जांच के दायरे में रखा गया है। रोसड़ा डीएसपी संजय सिन्हा ने बताया कि नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद की बात सामने आई है, लेकिन हत्या के अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

अंतिम सोमवारी पर थानेश्वर स्थान में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक में लिए गए कई निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। अंतिम सोमवारी को थानेश्वर स्थान मंदिर में होने वाली श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को लेकर बुधवार को अनुमंडल सभागार में सदर एसडीओ राकेश कुमार की अध्यक्षता में मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रशासन ने अंतिम सोमवारी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती का निर्णय लिया। श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए भीड़ नियंत्रण और सुचारू आवागमन की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई मेडिकल टीमों की तैनाती करने की भी जानकारी दी गई, ताकि किसी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। एएसपी संजय कुमार पांडे ने कहा कि अंतिम सोमवारी को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। मंदिर परिसर के अलावा प्रमुख मार्गों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने के लिए यातायात पुलिस की टीम को तैनात किया गया है। बैठक में यातायात पुलिस पदाधिकारी अभिषेक चौबे, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी ज्योति कुमारी, अनुमंडल विद्युत पदाधिकारी नीरज कुमार, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह, नगर थानाध्यक्ष अजित कुमार, यातायात थानाध्यक्ष राकेश कुमार रंजन, राकेश कुमार राज, राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार जायसवाल सहित मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर निकली कलश यात्रा, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को समाहरणालय परिसर से कलश यात्रा निकाली गई। सांसद शांभवी चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर दो वाहनों को रवाना किया। समाहरणालय से शुरू हुई यात्रा मोहनपुर रोड स्थित नक्कू स्थान पहुंची, जहां मोहनपुर चौक स्थित महादेव मंदिर में कलश की स्थापना की गई। इस दौरान संत रविदास के जयकारे लगाए गए तथा उनके सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अश्वमेघ देवी, विधायक तरुण कुमार, विधान परिषद सदस्य सहित जिला प्रशासन की ओर से अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, सदर एसडीओ राकेश कुमार और अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी मणिभूषण ठाकुर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलश यात्रा में जिले के सभी प्रखंडों के कल्याण पदाधिकारी, विकास मित्र, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कर्मियों ने हिस्सा लिया। आयोजन के माध्यम से संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कलश यात्रा 19 और 20 अगस्त को जिले के सभी प्रखंडों के अनुसूचित जाति टोलों का भ्रमण करेगी।

अनियंत्रित ट्रक ने आठ माह की गर्भवती महिला को रौंदा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर, प्रखंड के रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ माह की गर्भवती महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद महिला और उसके बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में महिला के दो बच्चे भी घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया मृतका की पहचान हथौड़ी थाना क्षेत्र के रहटौली वार्ड संख्या-5 निवासी करीब 35 वर्षीय अंकिता गुप्ता के रूप में हुई है। बताया गया कि अंकिता अपने परिवार के साथ सड़क किनारे मौजूद थीं। इसी दौरान रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ से तेज गति से गुजर रहा अनियंत्रित ट्रक अचानक उनकी ओर आ गया और उन्हें रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि अंकिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी देने के साथ ही घायल बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के बाद मुख्य पथ पर कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बना रहा अंकिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि मृतका अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। बच्चों में रौशनी करीब पांच वर्ष, राजा करीब तीन वर्ष और राजन करीब डेढ़ वर्ष का है। मां की मौत से तीनों मासूम बच्चों के सिर से ममता का साया उठ गया। पति रोशन साहनी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामान्य बताई जा रही है सूचना मिलते ही हथौड़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष मौसम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है स्थानीय लोगों ने बताया कि रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से मुख्य पथ पर वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने, आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक एवं यातायात संकेतक लगाने तथा लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर मुख्य सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों की समस्या को सामने ला दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डीएम ने की पीरपैंती ताप विद्युत परियोजना की प्रगति की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिले में निर्माणाधीन 2400 मेगावाट वाले पीरपैंती ताप विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन, भूमि संबंधी मामलों, पुनर्वास एवं अन्य आवश्यक प्रशासनिक समन्वय की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने आज समीक्षा बैठक की। इस बैठक में परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारियों द्वारा वर्तमान स्थिति एवं लंबित कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। समीक्षा के दौरान रेलवे एवं एप्रोच रोड के लिए करीब 3 किलोमीटर लंबाई की भूमि से संबंधित मामलों की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया गया। निजी भूमि के संबंध में धारा 21(2) की अधिसूचना विगत 8 अगस्त को प्रकाशित की जा चुकी है और एक माह की कूलिंग भूमि की श्रेणी एवं दर निर्धारण के लिए 6 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया। 100.98 एकड़ सरकारी भूमि के हस्तांतरण से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। परियोजना से प्रभावित 70 परिवारों के पुनर्वास की दिशा में कार्य प्रगति पर है। संथालिया टोला के 18 परिवारों के लिए अस्थायी आवास का निर्माण पूरा हो चुका है तथा विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की प्रक्रिया निर्धारित समय के अनुसार की जा रही है। वहीं पहाड़िया टोला के 52 परिवारों के आवासों में पेंटिंग एवं फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है, जिसे 15 सितंबर 2026 तक पूर्ण कर परिवारों को स्थानांतरित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रभावित परिवारों को बंदोबस्ती पर्चा भी वितरित किया जा चुका है। गैरमजरुआ आम एवं गैरमजरुआ खास भूमि से संबंधित मामलों में भी प्रगति की समीक्षा की गई। 20.99 एकड़ गैरमजरुआ आम भूमि में से 12.54 एकड़ भूमि के हस्तांतरण को कैबिनेट से स्वीकृति प्राप्त है, जबकि शेष भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया जारी है। 79.99 एकड़ गैरमजरुआ खास भूमि में 10.83 एकड़ भूमि ऊर्ज़ा विभाग को हस्तांतरित की जा चुकी है तथा 52.18 एकड़ भूमि के अंतर-विभागीय हस्तांतरण का प्रस्ताव राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को भेजा गया है। परियोजना के लिए गंगा नदी से लगभग 17 किलोमीटर लंबी जल पाइपलाइन के संबंध में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। सभी 09 मौजों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है तथा बिहार अंडरग्राउंड पाइपलाइन्स एक्ट, 2011 की धारा 3(1) के तहत अधिसूचना 17 अगस्त 2026 को जारी की गई है। अधिसूचना के प्रकाशन की कार्रवाई के लिए इसे सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, पटना को भेजा गया है। इंटेक पंप हाउस के लिए भूमि की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। बिहार रैयती भूमि क्रय नीति, 2026 के तहत प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है तथा जिला स्तरीय रैयती भूमि क्रय समिति की अनुशंसा के आधार पर 27.10 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। संबंधित कार्यों में समन्वय के लिए पदाधिकारी नामित किए गए हैं। समीक्षा के दौरान परियोजना क्षेत्र में रेलवे कॉरिडोर पर अवैध निर्माण से संबंधित नए मामले को भी संज्ञान में लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं समन्वय सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। परियोजना स्थल पर निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है।

भागलपुर में बी.टेक. अभिमुखीकरण-सह-प्रेरण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। स्थानीय भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) में नवप्रवेशित बी.टेक. के नये विद्यार्थियों के लिए आज अभिमुखीकरण-सह-प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, परिसर जीवन, नियमों एवं विनियमों, उपलब्ध अवसरों तथा संस्थान के मूल्यों से परिचित कराना था। इस अवसर पर उपस्थित भागलपुर की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय, कहलगांव एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक रविन्द्र शर्मा, अभियंत्रण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बिमलेश कुमार एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संस्थान के एसोसिएट डीन (शैक्षणिक मामले) डॉ हिमाद्रि नायक ने बी.टेक. सत्र 2026-30 बैच के विद्यार्थियों का स्थानीय आईआईआईटी परिवार में अभिनंदन करते हुए विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक अध्यादेश, नियमों, विनियमों एवं महत्वपूर्ण शैक्षणिक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी तथा अनुशासन, निष्ठा एवं एकाग्रता के साथ अपने शैक्षणिक लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने बी.टेक. के नये बैच के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी। साथ ही उन्होंने अपने बी.टेक. अध्ययन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों से सहज संवाद स्थापित किया और उन्हें महाविद्यालयीन जीवन को गंभीरता, आत्मविश्वास एवं स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमति पांडेय ने विद्यार्थियों को जीवन में सदैव सही दिशा का चयन करने की सलाह देते हुए कहा कि सफलता केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सही निर्णय लेने, अच्छे मूल्यों को विकसित करने तथा अपने लक्ष्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध रहने में भी निहित है। उनके व्यक्तिगत अनुभवों एवं प्रेरणादायक विचारों ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की नई यात्रा के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कहलगांव एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक रविन्द्र शर्मा एवं अभियंत्रण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बिमलेश कुमार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पेट्रोल पम्प पर धमाका, मची अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में मंगलवार शाम पेट्रोल पंप पर अचानक विस्फोट से अफरा-तफरी मच गई। धमाका सदर थाना क्षेत्र के कोकर इलाके में हुआ। विस्फोट की तीव्रता मध्यम बताई गई है। घटना में पेट्रोल पंप के कार्यालय को नुकसान पहुंचा और आसपास की कुछ दुकानों के शीशे भी टूट गए। राहत की बात यह रही कि अब तक किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम कोकर इलाके के एक पेट्रोल पंप पर अचानक धमाका हुआ। विस्फोट के बाद पेट्रोल पंप के कार्यालय को नुकसान पहुंचा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने फिलहाल धमाके की सही वजह की पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, टीम यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि विस्फोट किस वजह से हुआ। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि घटना किसी तकनीकी खराबी, किसी अन्य कारण या विस्फोटक सामग्री की वजह से हुई। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

प्रत्यक्षदर्शी कुणाल विजयवर्गीय के अनुसार, उन्हें अचानक विस्फोट की आवाज सुनाई दी। धमाके की वजह से पेट्रोल पंप के कार्यालय को नुकसान पहुंचा। आसपास की कुछ दुकानों के खिड़की के शीशे भी टूट गए। हालांकि, घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस और जांच टीम मौके पर स्थिति की जांच कर रही है।

सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि धमाका मध्यम तीव्रता का था और पेट्रोल पंप के कार्यालय को नुकसान हुआ है।

स्वर्णरेखा और खरकई नदियां लाल निशान के करीब

- जेएनएसी, मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर नगर निकायां हाई अलर्ट
- 25 से अधिक शेल्टर होम में भोजन, ब्रेड, दूध और दवाइयों का वितरण
- एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीमें बोट के साथ मुस्तैद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। जमशेदपुर। जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को भी रुक-रुक कर हो रही बारिश ने प्रशासन और तटीय बस्तियों के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। यद्यपि सुबह 8 बजे की रिपोर्ट में स्वर्णरेखा और खरकई नदियों के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन लगातार हो रही वर्षा और मौसम विभाग की चेतावनी के कारण बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है।

दोनों नदियां अब भी खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही हैं। पूर्वी सिंहभूम में 97 मिमी से अधिक बारिश, अलर्ट जारी मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) रांची के अनुसार, झारखंड के ऊपर बने अवदाब (डिप्रेशन) के प्रभाव से पूर्वी सिंहभूम जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान 97.4 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई है।

मौसम विभाग ने बुधवार (19 अगस्त) के लिए जिले में मेघगर्जन और वज्रपात के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी रखा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि कैचमेंट एरिया (जलग्रहण क्षेत्रों) में बारिश जारी रही, तो डैमों से दोबारा पानी छोड़े जाने पर नदियों का जलस्तर फिर उछाल मार सकता है। इसी तरह आदित्यपुर ब्रिज पर खरकई नदी का जलस्तर 133.60 मीटर रहा, जो खतरे के निशान (129.00 मीटर) से 4.60 मीटर ऊपर है। यद्यपि सुबह दोनों नदियों का रुझान घटता हुआ दर्ज किया गया, लेकिन रिमझिम बारिश के कारण बस्तियों से पानी निकलने की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

पुनः बारिश शुरू होने से तटीय इलाकों में बढ़ा खौफ बारिश दोबारा शुरू होने से राहत शिविरों में शरण लिए लोगों में खौफ का माहौल है। बागबेड़ा के 68 वर्षीय बुजुर्ग हरिराम महतो ने कहा, सुबह लगा था कि पानी उतर जाएगा, लेकिन आसमान में छाए काले बादल और बारिश देखकर फिर डर लगने लगा है।

मानगो शंकोसाई की 35 वर्षीया गृहणी सुनीता देवी ने चिंता जताते हुए कहा, कमरों से पानी पूरी तरह निकला नहीं है। अगर बारिश तेज हुई तो हम घर कैसे लौटेंगे? वहीं जुगसलाई के 22 वर्षीय युवा मोहम्मद अरशद ने बताया कि तटीय इलाकों के युवा रात भर गश्त कर रहे हैं ताकि पानी बढ़ने पर तुरंत लोगों को सतर्क किया जा सके।

25 से अधिक राहत शिविरों में अलर्ट जारी पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने जेएनएसी, मानगो, जुगसलाई और आदित्यपुर नगर निकायों को हाई अलर्ट पर रखा है। 25 से अधिक शेल्टर होम में भोजन, ब्रेड, दूध और दवाइयों का वितरण जारी है। एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीमों को नदियों के किनारे बोट के साथ मुस्तैद रखा गया है।

44 किलो गांजा के साथ दो धराये

आरपीएफ ने दोनों को खदेड़कर पकड़ा

भुवनेश्वर से लेकर चले थे गांजे की खेप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद स्टेशन के प्लेटफार्म दो-तीन पर पिट्ठू बैग और ट्राली बैग में गांजा भर कर ले जाने वाले बंगाल व बिहार के दो तस्करों को आरपीएफ, सीआइबी और रेल पुलिस ने दबोच लिया। भीड़ का फायदा उठा कर सरगना भाग निकला।

पकड़े गये दो लोगों में बिहार के भोजपुर आदर्श कालोनी आरा निवासी 50 वर्षीय सुनील चौधरी और पश्चिम बंगाल के नार्थ 24 परगना के टीटागढ़ का रहने वाला 36 वर्षीय उमेश कुमार राय शामिल हैं। उनके पास से छह पिट्ठू व ट्राली बैग से 43.94 किलो गांजा बरामद किया गया। जब्त गांजा का अनुमानित मूल्य 21 लाख 97 हजार है। फरार शख्स का नाम अनिल सिंह है, जो बिहार के भोजपुर के नवादा का रहने वाला है।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि प्लेटफार्म दो-तीन पर तीन ट्राली बैग और तीन पिट्ठू बैग के साथ तीन लोग देखे गये। गतिविधि संदिग्ध लगने पर आरपीएफ पहुंची तो तीनों भागने लगे। दो को घेर कर पकड़ा गया जबकि एक भाग निकला।

पकड़े गये सुनील और उमेश ने बताया कि फरार अनिल सिंह के साथ भुवनेश्वर-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस पर सवार होकर भुवनेश्वर से गांजा लेकर बोकारो पहुंचे थे। बोकारो से धनबाद आये थे और यहां से गंगा-दामोदर एक्सप्रेस से पटना और वहां से आरा तक जाना था।

बारिश की वजह से गंगा-दामोदर एक्सप्रेस पर सवार नहीं हो सके और धनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस पर सवार होने आये थे। गांजा आरा तक पहुंचाने पर 6000- 6000 रुपये मिलना था। पकड़े गये दोनों व्यक्ति व गांजा को रेल पुलिस के हवाले कर दिया गया। अभियान में आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय प्रकाश, एसआइ प्रवीण कुमार, मनीषा कुमारी, एएसआइ शशिकांत तिवारी, एसआइ जीआरपी हरिश चंद्र लोहरा, एएसआइ सुरेश यादव समेत अन्य शामिल थे।

अनियमितता को ले हेडमास्टर सस्पेंड

पटना। गोपालगंज के जिला शिक्षा पदाधिकारी ने वित्तीय अनियमितता और राशि के दुरुपयोग के आरोप में राजकीय मध्य विद्यालय, जलालपुर, सिधवलिया के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार शर्मा को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ आरोप पत्र गठित कर अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई है। साथ ही विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने 27 जुलाई को विद्यालय का निरीक्षण और जांच की थी। जांच के दौरान वित्तीय अभिलेखों के हस्तांतरण, छात्र कोष और विकास कोष की राशि के जमा, निकासी और खर्च से जुड़ी कई अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पाया गया कि वर्तमान प्रधानाध्यापक के योगदान के बाद भी वित्तीय दस्तावेज समय पर हस्तांतरित नहीं किए गए। इस कारण विद्यालय के विभिन्न मदों से हुई आय और खर्च के रिकॉर्ड की जांच में भी कठिनाई हुई। वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के दौरान छात्र कोष और विकास कोष से करीब 9.29 लाख रुपये की निकासी का विवरण मिला।

जीवन कौशल प्रशिक्षण के साथ नशा मुक्त भारत अभियान का शपथ कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। कसमार प्रखंड के टांगटोना पंचायत अंतर्गत बगियारी गांव में सहयोगिनी संस्था की ओर से युवाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण के साथ बोकारो जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता के निर्देश पर नशा मुक्त भारत अभियान शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जीवन कौशल से जोड़ने, नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, खेल, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक दिशा देने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो, प्रशिक्षक मनोहर कुमार महतो एवं एनिमेटर रेखा देवी ने युवाओं के साथ संवाद किया और जीवन कौशल तथा नशा मुक्ति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें जीवन कौशल, शिक्षा, खेल, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक नेतृत्व से जोड़ना जरूरी है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित युवाओं ने सामूहिक रूप से नशा मुक्त युवा भारत बनाने की शपथ ली। युवाओं ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे, नशे से दूर रहेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों और समुदाय के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं एवं किशोरियों को संदेश दिया गया कि स्वस्थ और नशामुक्त युवा ही मजबूत समाज एवं सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। मौके पर स्वाति कुमारी, नेहा कुमारी, जुबेदा खातून शब्बा नाच, शहनाज खातून, अख्तरी बेगम, खुशबू परवीन, आसमा खातून, खुशी कुमारी, संध्या कुमारी, उषा कुमारी, स्वाति कुमारी, छोटी कुमारी, नेहा कुमारी, लवली खातून, सुहाना खातून, आसमा खातून, खुशबू परवीन, जुबेदा खातून, शहनाज खातून, अख्तरी बेगम, सब्बा नाज आदि मौजूद थे।

अभय तिवारी के भाई-भाभी को सीआइडी ने उठाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड लोक सेवा आयोग व झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में पेपर लीक व हेराफेरी की जांच की आंच अब गिरिडीह में और बढ़ गई है। जांच एजेंसी ने दबिश बनाते हुए सोमवार-मंगलवार की मध्यरात्रि को धावा बोला और इस पूरे मामले के कथित मास्टरमाइंड अभय तिवारी के रिश्तेदार को कब्जे में लेकर पूछताछ की कार्रवाई शुरू की।

पूछताछ के बाद दोनों को रांची ले गयी टीम

मास्टरमाइंड अभय तिवारी ने सीआइडी के कब्जे में आने के बाद कई राज उगले हैं, उस आधार पर जांच एजेंसी ने अपनी जांच के दायरे को बढ़ाते हुए कार्रवाई करने में जुटी है। सीआइडी की टीम ने गिरिडीह पुलिस के सहयोग से बेंगाबाद, गांडेय समेत अन्य स्थानों पर मास्टरमाइंड अभय तिवारी के रिश्तेदारों के यहां छापेमारी की। इस क्रम में अभय तिवारी के भाई अक्षय तिवारी व अक्षय की पत्नी को अपने कब्जे में लेते हुए हिरासत में लिया है।

हिरासत में लिए गए दोनों में से अक्षय तिवारी से गांडेय थाना में जबकि उसकी पत्नी से महिला थाने में लंबी पूछताछ की गई।

इस क्रम में सीआइडी की टीम ने दोनों को थाने के बंद कमरे में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूछताछ कर कई राज उगलवाने में जुटी रही। मंगलवार की देर शाम को दोनों को लेकर सीआइडी की टीम गिरिडीह से रांची के लिए निकल गई।

हालांकि इस मामले में स्थानीय पुलिस पदाधिकारी कुछ भी जानकारी देने से परहेज करते रहे और मामला सीआइडी की होने की बात कह कर कन्नी काटते रहे।

पंचायतों को नहीं मिला 15 व 16वें वित्त आयोग का फंड, विकास कार्य ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

महुदा। राज्य वित्त आयोग से मिलने वाला फंड नहीं मिलने के कारण पंचायतों में विकास कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। इसी मुद्दे को लेकर उपायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में बाघमारा प्रखंड की तीन मुखियाओं सहित विभिन्न प्रखण्ड के पंचायत जनप्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। सभी जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनने के बाद उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पंचायती राज विभाग के सचिव से वार्ता कराई।

बैठक में कांड्रा पंचायत की मुखिया रिंकू देवी ने कहा कि पंचायतों को अभी तक 15वें एवं 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। इसके कारण पंचायत में विकास की सभी योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीण विकास योजनाओं को लेकर पंचायत पहुंच रहे हैं, लेकिन फंड के अभाव में योजनाओं को धरातल पर उतारना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में अब महज छह माह का समय शेष है। ऐसे में यदि जल्द फंड उपलब्ध नहीं कराया गया, तो पंचायत की कई महत्वपूर्ण योजनाएं अधूरी रह जाएंगी। बैठक में पंचायत क्षेत्र की पेयजल समस्या को भी प्रमुखता से उठाया गया। जनप्रतिनिधियों ने पंचायती राज विभाग के सचिव से 15वें एवं 16वें वित्त आयोग की राशि पंचायतों को जल्द से जल्द जारी करने का आग्रह किया, ताकि लंबित एवं अधूरी योजनाओं को पूरा कराया जा सके। सचिव ने जनप्रतिनिधियों द्वारा रखे गए प्रस्तावों को नोट करते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

पंचायत सचिवालयों में विशेष शिविर 31 तक

धनबाद। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग), झारखण्ड सरकार के निदेर्शानुसार जिले में खरीफ मौसम 2026 के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2026 का क्रियान्वयन युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि धनबाद जिले के लिए कुल 1,54,058 किसानों के फसल बीमा का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए भारत सरकार का एनसीआइपी पोर्टल विगत 24 जुलाई 2026 से खुला हुआ है। उन्होंने बताया कि समीक्षा के दौरान पाया गया कि अब तक जिले में मात्र 7,217 किसानों ने योजना का लाभ उठाने के लिए निबंधन किया है। निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करने तथा अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बाघमारा, बलियापुर, धनबाद, एगारकुंड, गोविंदपुर, कलियासोल, निरसा, पूर्वी टुंडी, तोपचांची व टुंडी प्रखंड के सभी पंचायत सचिवालयों में 31 अगस्त तक विशेष कैम्प आयोजित करने का निर्णय लिया है।

जल्द चलेगी बरकाकाना-पटना नयी एक्सप्रेस ट्रेन

यात्रियों को होगी सहूलियत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ललपनिया। बरकाकाना से गोमो होकर पटना के लिए शीघ्र ही नई एक्सप्रेस ट्रेन चलेगी। इस आशय का प्रस्ताव धनबाद रेल मंडल कार्यालय ने पूर्व-मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर को भेजा है। यह प्रस्ताव धनबाद मंडल रेलयात्री कल्याण संघ के अध्यक्ष इफ्तेखार महमूद के मांगपत्र पर कार्रवाई करते हुए भेजा गया है।

महमूद ने बुधवार को बताया कि धनबाद रेल मंडल के सीनियर डिवीजनल कामर्शियल मैनेजर मनीष सौरभ ने उन्हें वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोमिया रेलवे स्टेशन पर नहीं रुकने वाली लंबी दूरी की तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का गोमिया में ठहराव सुनिश्चित करने का भी प्रस्ताव धनबाद मंडल की ओर से हाजीपुर मुख्यालय को भेजा गया है।

उल्लेखनीय है कि बरकाकाना से गोमो होकर पटना के लिए नई ट्रेन चालू कराने और 19607-08 हावड़ा अजमेर एक्सप्रेस ट्रेन, 19413-14 अहमदाबाद कोलकाता एक्सप्रेस ओर 03327-28 मुंबई-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन का गोमिया रेलवे स्टेशन में ठहराव कराने के लिए धनबाद मंडल रेलयात्री कल्याण संघ के अध्यक्ष महमूद पिछले तीन साल से प्रयासरत हैं।पटना के लिए नई ट्रेन शुरू करने ओर उक्त तीनों एक्सप्रेस ट्रेनों का गोमिया रेलवे स्टेशन में ठहराव कराने की मांग को लेकर उनकी पूर्व-मध्य रेलवे के अधिकारियों से कई बार वार्ता हुई थी। अंततः पूर्व-मध्य रेल धनबाद मंडल की सहमति के बाद बरकाकाना से पटना जाने-आने के लिए नई ट्रेन चालू करने एवं उक्त तीनों एक्सप्रेस ट्रेनों का गोमिया स्टेशन में ठहराव कराने का प्रस्ताव हाजीपुर मुख्यालय भेजा गया।

देवघर में कांवरियों के बीच चोरों ने मचा रखा है गदर

मेले में झारखण्ड के अलावे कई राज्यों के चोर गिरोह सक्रिय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला के दौरान कांवरियों को चोर व पाकेटमारों के द्वारा लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मेला के दौरान बाहरी चोरों ने यहां गदर मचा रखा है। अब तक मेला के दौरान सैंकड़ों कांवरियों का मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया है। वहीं दर्जनों लोगों का बैग व बटुआ की चोरी की गयी है। ये चोर मंदिर, शिवगंगा, बाजार व भीड़ भाड़ वाले इलाके में सक्रिय हैं। ये गिरोह झारखंड के अलावा, बिहार व बंगाल के रहने वाले हैं। यहां तक की उत्तर प्रदेश के चोर भी इस मेला का लाभ उठाने के लिए पहुंच गए हैं।

जसीडीह आरपीएफ ने चोरी के तीन मोबाइल फोन के साथ एक युवक का पकड़ा। वह उत्तर प्रदेश के लखनउ जिला का रहने वाला है। उसने एक मोबाइल जसीडीह रेलवे स्टेशन से तो दो अन्य बाबा मंदिर परिसर से चोरी किया था। मेला में सक्रिय चोरों में काफी संख्या में बच्चे व महिलाएं भी शामिल हैं। इसमें खानाबदोश गिरोह भी शामिल है। महिला व बच्चों का इस्तेमाल इसलिए किया जाना है, क्योंकि ये कांवरियों के भीड़ में घुसकर अपनी हाथ की सफाई दिखाते हैं और इन पर कोई शक भी नहीं करता है।

वहीं इनका नेटवर्क इतना तगड़ा है कि चोरी करने के बाद ये चोरी किया गया सामान अपने अन्य साथियों को थमा देते हैं। ऐसे में पकड़े जाने के बाद कई चोरों को पुलिस ने पकड़ा भी है। वहीं कई को सबूत के अभाव में पुलिस को छोड़ना पड़ जाता है। इन चोर व पाकेटमार गिरोहों ने पुलिस व कांवरियां दोनों के नाक में दम कर रखा है। यहां पाकुड जिला का एक ऐसा चोर गिरोह भी है जो की चोरी का मोबाइल फोन बंगला देश भेजने का काम करता है। इनके गांव की सीमा बंगलादेश से सटा हुआ है। इसका लाभ ये चोर उठाते हैं। हर वर्ष सावन मेला, बसंत पंचमी, शिवरात्री में ये गिरोह हाथ ही सफाई दिखाने के लिए यहां पहुंचता है। सूत्रों की माने तो गिरोह के गांव में बुजुर्ग व बीमार लोगों को छोड़कर सभी लोग मेला में कमाई करने के लिए पहुंच जाते हैं। ये देवघर ही नहीं अन्य जगहों पर आयोजित होने वाले मेला में भी जाते हैं। मोबाइल चोरी कर उसे सीमा के पार पहुंचा देते हैं। विभिन्न राज्यों में घूम-घूमकर ये लोग चोरी व पाकेटमारी के धंधे को अंजाम देते हैं। दिखाने को ये लोग कारोबार करने के लिए मेला में आते हैं लेकिन असल में इनका धंधा हाथ ही सफाई है।

पेड़ से झूलते मिली युवक की लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मझिआंव। गढ़वा के बरडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बभनी में एक युवक का शंदेहास्पद स्थिति में बुधवार की सुबह महुआ के पेड़ से झूलते हुए ग्रामीणों द्वारा देखा गया। जिसके बाद शव मिलने की खबर आग की तरह फैल गई, और ग्रामीणों की भीड़ लग गई। मृतक की पहचान बभनी गांव निवासी चतरगुन रजवार के 22 वर्षीय पुत्र टप्पू रजवाड़ी के रूप में हुई। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। इसकी जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह एवं पुलिस पर मौके पर पहुंचे।

इधर, ग्रामीणों का कहना है कि जिस तरह से शव झूलता हुआ देखा गया, मुंह से जीव बाहर निकला हुआ है, इससे प्रथम दृष्टिया यह प्रतीत होता है कि टप्पू रजवार की हत्या की गई है और उसके शव पेड़ में लटका कर आत्महत्या कर स्वरूप दिया गया है। जानकारी के अनुसार, मृतक के घर में केवल मां और एक छोटा भाई था, जबकि पिता चतर्गुण रजवार दूसरे राज्य में रह कर मजदूरी का काम करते हैं, वह अभी घर पर नहीं हैं। ग्रामीणों की मांग है कि इसकी निष्पक्ष जांच हो।

इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या है या आत्महत्या जांच की जा रही है। हालाकि मुंह से जीभ बाहर निकला है। अभी कुछ भी कहना मुश्किल है। उन्होंने ने कहा कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। हर बिंदु पर जांच किया जा रहा है। वहीं डॉग स्क्वायड टीम को भी सुचना दिया गया है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मीड डे मिल खाने से कई बच्चे बीमार

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय परासी में मंगलवार को मध्याह्न भोजन (एमडीएम) खाने के बाद 2 दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने उल्टी और चक्कर आने की शिकायत की। इसके बाद विद्यालय में अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में बच्चों को इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल लाया गया, यहां चिकित्सकों की निगरानी में सभी का इलाज किया जा रहा है।सूचना मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह भी सदर अस्पताल पहुंचे और बच्चों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्याह्न भोजन पास के एक एनजीओ से आता है। मंगलवार को मेनू के अनुसार बच्चों को सोयाबीन-चावल परोसा गया था। कुछ बच्चे खाना खा चुके थे।

इसके बाद दूसरी पंक्ति में बैठे छात्र-छात्राएं भोजन कर रहे थे। इसी दौरान बच्चों ने खाने में नमक कम होने की शिकायत की। रसोईघर में नमक और सर्फ का डिब्बा एक ही जगह रखा हुआ था। बच्चों की शिकायत के बाद रसोइया ने गलती से नमक की जगह सर्फ डालकर भोजन परोस दिया।

भोजन खाने के कुछ देर बाद बच्चों को उल्टी और चक्कर आने लगे। विद्यालय स्तर पर प्राथमिक उपचार का प्रयास किया गया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होने पर बच्चों को सदर अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में भर्ती बच्चों में प्रीति कुमारी (11), पिता धर्मेंद्र मालाकार, आयुषी कुमारी (12), पिता राजनीति कुमार, लक्ष्मी कुमारी (11), पिता जितेंद्र बिंद, नीतू कुमारी, शिवानी कुमारी (10), पिता रमेश मालाकार, चांदनी कुमारी (13), पिता चंदन कुमार, सजनी कुमारी, सुहानी (13), पिता मनीष कुमार, अनु कुमारी (15), पिता महेश प्रसाद, राखी कुमारी (11), पिता राकेश मालाकार और वैष्णवी कुमारी समेत दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

बच्चों के सदर अस्पताल पहुंचने की जानकारी मिलते ही उनके अभिभावक भी अस्पताल पहुंचने लगे। एक ही बेड पर दो से तीन बच्चियों का इलाज किए जाने से नाराज स्वजन ने अस्पताल में हंगामा किया।

स्वजन का कहना था कि बच्चों की संख्या अधिक होने के बावजूद पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। हंगामे की सूचना पर सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह ने स्वजन को बेहतर इलाज का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग शांत हुए।

घटना में स्वास्थ्य विभाग की आपात व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। बच्चों के बीमार होने की सूचना सिविल सर्जन और अस्पताल प्रबंधन को मिल गई थी।

इसके बावजूद नूरसराय अस्पताल की ओर से बच्चों को लाने के लिए एंबुलेंस या मेडिकल टीम स्कूल नहीं भेजी गई। एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण स्वजन अपने बच्चों को टोटो और टेंपो से लेकर सदर अस्पताल पहुंचे।

अस्पतालों में आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस और मेडिकल टीम की व्यवस्था रहती है। ऐसे में बच्चों के बीमार होने की सूचना मिलने के बाद भी स्थानीय अस्पताल से एंबुलेंस नहीं भेजे जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

स्वजन का कहना है कि समय पर एंबुलेंस और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम पहुंचती तो बच्चों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता मिल सकती थी।

600वें टेस्ट में भारत ने दर्ज की जीत, श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए; देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों को दी उड़ान

गॉल (एजेंसी)। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली।

सुथार को एक ओवर में 3 विकेट

मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

● **पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए** – भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की।केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए।

श्रीलंका की पहली पारी में दिनूषा का शतक

श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनूषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका।

दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए

भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। पंत के अलावा केएल राहुल ने 35 और पडिक्कल ने 44 रन बनाए।

मानव सुथार को दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट

मानव सुथार ने पहली बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने श्रीलंका की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। वे विदेश में भारत के लिए एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले सातवें स्पिनर बने।सुथार की उम्र 24 साल 16 दिन थी। वे 28 साल की उम्र से पहले विदेशी टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल

ऑस्ट्रेलिया– पीसीटी – 77.78	भारत- पीसीटी– 53.33
साउथ अफ्रीका– पीसीटी– 75.00	श्रीलंका- पीसीटी– 33.33
न्यूजीलैंड– पीसीटी– 72.22	इंग्लैंड- पीसीटी– 24.36
बांग्लादेश- पीसीटी– 66.67	पाकिस्तान- पीसीटी– 22.22

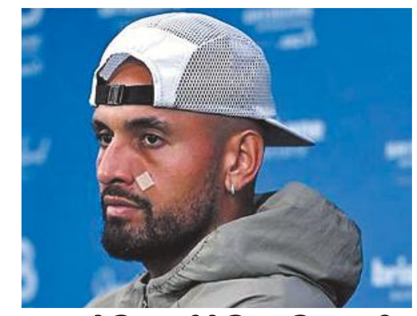

ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस कोकीन जांच में पाए गए पॉजिटिव

अस्थायी रूप से निलंबित

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने बुधवार को खुलासा किया कि उनका कोकीन टेस्ट पॉजिटिव आया है और उन्हें अस्थायी रूप से टेनिस से निलंबित कर दिया गया है। किर्गियोस 2022 विंबलडन के एकल फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारकर उप विजेता रहे थे। 31 वर्षीय किर्गियोस लगातार चोटों के कारण विश्व रैंकिंग में अभी 919वें स्थान पर काबिज है। किर्गियोस ने सोशल मीडिया पर इस मामले की जानकारी साझा की। उन्होंने जून में आयोजित एक निचले स्तर के टूर्नामेंट का जिक्र करते हुए लिखा, हाल में मल्लोर्का में मेरा ड्रग परीक्षण पॉजिटिव आया जिसमें मैं कोकीन के लिए पॉजिटिव मिला। उन्होंने कहा, मैंने बहुत बड़ी गलती की और इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।% प्रतियोगिताओं के दौरान कोकीन को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ माना जाता है। हालांकि प्रतियोगिता से बाहर इसके इस्तेमाल के मामलों में कम सजा का प्रावधान हो सकता है। किर्गियोस ने कहा कि पिछले दो वर्षों से चोटों से जूझने के कारण अपने करियर के अंतिम दौर के करीब पहुंचने की वास्तविकता को स्वीकार करना उनके लिए मुश्किल रहा है। उन्होंने कहा, कई बार मैंने खुद को असहाय और अकेला महसूस किया है। लेकिन इनमें से कोई भी बात मेरे किए को सही नहीं ठहराती। पिछले महीने किर्गियोस को विंबलडन में युगल खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था। उन्होंने अलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई, लेकिन पहले ही दौर में हार गए।

हैरी ब्रुक नंबर-1 टेस्ट बैटर बने

हेड चौथे पर फिसले

बुमराह 21 महीने से लगातार नंबर–1 बॉलर, गिल वनडे के टॉप बल्लेबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने 19 अगस्त को मेंस वीकली रैंकिंग जारी कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन टेस्ट में बांग्लादेश की ऐतिहासिक 9 विकेट की जीत का असर रैंकिंग में देखने को मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में फिर नंबर-1 बन गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड खिसककर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में लगातार 21 महीने से नंबर-1 बने हुए हैं। बुमराह ने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल किया था और तब से इसे बरकरार रखा है। उनके खाते में 870 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, वनडे बैटर्स की रैंकिंग में शुभमन गिल टॉप पर बने हुए हैं।

हेड को खराब प्रदर्शन का नुकसान

डार्विन टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड केवल 22 और 17 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन के कारण हेड पहले से चौथे स्थान पर आ गए हैं। उनके स्थान गंवाने का फायदा इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को मिला, जिन्होंने टॉप पर वापसी कर ली है।ब्रूक के बाद इंग्लैंड के जो रूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टॉप 4 बल्लेबाजों के बीच केवल 33 रेटिंग पॉइंट्स का अंतर है।

गेंदबाजी में बुमराह नंबर-1 पर बरकरार

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का दबदबा कायम है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में नहीं खेलने के बावजूद बुमराह टॉप पर बने हुए हैं।दूसरी ओर डार्विन टेस्ट में 9 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने बांग्लादेश के हसन महमूद 26 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले मेहदी हसन मिराज 3 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं।

जडेजा 2022 से टेस्ट के टॉप ऑलराउंडर

रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 344 पॉइंट के साथ दूसरे और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 320 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 270 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं।

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का धमाकेदार प्रदर्शन

हैट्रिक सहित झटके कुल 7 विकेट

मुल्तान (एजेंसी)। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने हैट्रिक लेकर पाकिस्तान ग्रीन्स की कमर तोड़ दी। शाहीन ने यह उपलब्धि ग्रीन्स की पारी के 38वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने लगातार गेंदों पर मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनैन को आउट किया।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने उस ओवर की पहली ही गेंद पर मुमताज को तेज इन-डिपर से एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद उन्होंने मिर्जा को धीमी गेंद से चकमा दिया, जिससे मिर्जा ने गेंद को हवा में उछाल दिया और गेंद सीधे गेंदबाज़ के हाथों में आसान कैच के रूप में चली गई। शाहीन ने हसनैन को जबरदस्त यॉर्कर डालकर अपनी हैट्रिक पूरी की। हसनैन गेंद को समझ नहीं पाए और गेंद सीधे उनके लेग स्टंप से जा टकराई। इस हैट्रिक के साथ शाहीन का नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन पूरा हुआ। उन्होंने 8.3 ओवर में 7/36 के बेहतरीन आंकड़े दर्ज किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

शाहीन के शानदार प्रदर्शन में मुबाशिर खान, फैसल अकरम और साथी तेज गेंदबाज रजाउल्लाह का भी साथ मिला, जिससे गोल्ड टीम ने ग्रीन्स को 37.3 ओवर में 239 रन पर ऑल आउट कर दिया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद शामिल हुसैन और साद खान के शतकों की बदौलत गोल्ड टीम ने 50 ओवर में 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में गोल्ड के लिए मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज साद सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 102 गेंदों पर तेज़ गति से 112 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनके बाद हुसैन का नंबर रहा, जिन्होंने 93 गेंदों पर 111 रन बनाए; उनकी पारी में भी इतने ही चौके-छक्के शामिल थे। इनके अलावा, ओपनर मुहम्मद अखलाक (31) और मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाजों अब्दुल समद (25) और मुबाशिर खान (21) ने भी फाइनल मैच में गोल्ड के कुल स्कोर में अहम योगदान दिया।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

● **सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर**

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए।

वेस्ली सो से बराबरी, एक राउंड बाकी – राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और एमवीएल के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है।

● **रुई लोपेज से शुरुआत, 27 चाल में जीते** – प्रज्ञानानंदा और एमवीएल के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

● **दिव्या देशमुख 4 अंक के साथ संयुक्त 5वें स्थान पर** – चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए। अब तान खिताब से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। अमेरिका की 16 साल की इंटरनेशनल मास्टर एलिस ली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आखिरी राउंड में खिताब का फैसला

सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं।

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन का वाइल्ड कार्ड

● **सेरेना के लिए एक जगह रोकी, 46 की उम्र में फिर उतरेंगी**

यूएस (एजेंसी)। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है।

यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी।सेरेना विलियम्स के सिंगल्स में खेलने के फैसले के लिए यूएस ओपन का आखिरी वाइल्ड कार्ड रोका गया है।

46 साल की उम्र में यूएस ओपन खेलेंगी वीनस – 46 साल की वीनस पिछले साल भी वाइल्ड कार्ड के जरिए स ओपन में खेली थीं। उन्होंने 2023 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन के अनुसार, वीनस 1981 में 47 साल की उम्र में खेलने वाली रेनी रिचर्ड्स के बाद यूएस ओपन सिंगल्स में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

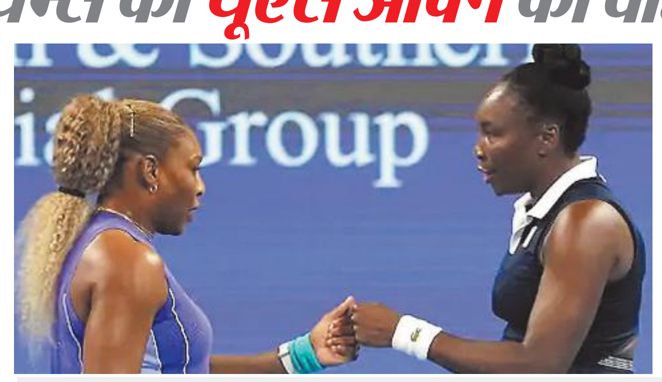

चार साल बाद साथ डबल्स खेलीं, सिनसिनाटी में हारीं

वीनस और सेरेना ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन में डबल्स मैच खेला। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार था जब दोनों बहनें किसी टूर्नामेंट में साथ डबल्स खेल रही थीं। हालांकि, उन्हें मार्टा कोस्त्युक और पेटन स्टियर्न्स के खिलाफ टाई–ब्रेकर में हार मिली।दोनों बहनों ने विंबलडन में भी साथ डबल्स खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन सिंगल्स मैच के दौरान सेरेना के घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था।

वीनस ने 2000 और 2001 में यूएस ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 5 विंबलडन सिंगल्स खिताब भी अपने नाम किए हैं। हालांकि, मौजूदा समय में उनकी सिंगल्स फॉर्म अच्छी नहीं है। वह जुलाई 2025 से अपने पिछले 14 डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच हार चुकी हैं।

सेरेना ने विंबलडन में की थी वापसी – 44 साल की सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए वापसी की थी। यह 2022 यूएस ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स ड्रॉ में उनका पहला मैच था। हालांकि, उन्हें पहले ही राउंड में हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने फिट रहने पर टेनिस खेलना जारी रखने की इच्छा जताई थी।

अब यूएस ओपन के लिए एक विमेंस वाइल्ड कार्ड की घोषणा बाकी है। अगर सेरेना न्यूयॉर्क में खेलने का फैसला करती हैं तो उन्हें यह जगह मिल सकती है।

स्लोएन स्टीफंस समेत 6 और खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड – 2017 यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस समेत 6 अन्य खिलाड़ियों को भी विमेंस सिंगल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। अन्य खिलाड़ियों में कैरल यंग सुह ली, रीज ब्रांटमायर, 17 साल की थिया फ्रॉडिन, फ्रांस की लियोलिया जीनजीन और ऑस्ट्रेलिया की टायला प्रेस्टन शामिल हैं। विमेंस ड्रॉ में एक वाइल्ड कार्ड की घोषणा अभी बाकी है।

मोनफिल्स आखिरी ग्रैंड स्लैम खेलेंगे

मेंस सिंगल्स में 39 साल के फ्रांस के गेल मोनफिल्स और ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन को वाइल्ड कार्ड मिला है। मोनफिल्स सितंबर में 40 साल के हो जाएंगे और इस सीजन के अंत में संन्यास लेंगे। पोपिरिन ने 2024 में नोवाक जोकोविच को हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई थी। अमेरिका के मार्टिन डैम जूनियर, माइकल झेंग, जे.जे. वुल्फ, सेबेस्टियन गोरज्नी और 18 साल के जैक कैनेडी को भी वाइल्ड कार्ड मिला है। मेंस ड्रॉ में भी एक जगह की घोषणा बाकी है। यूएस ओपन का मुख्य ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। इससे पहले क्वालिफाइंग टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

सात्विक-चिराग को वॉकओवर मिला, विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने दूसरे दौर में वॉकओवर मिलने के बाद बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप में पहले दो कांस्य पदक जीत चुकी पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी तथा दूसरे दौर में उनका मुकाबला स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल से होना था। स्कॉटलैंड की

जोड़ी ने हालांकि आखिरी क्षण में नाम वापस ले लिया, जिससे सात्विक और चिराग को कोर्ट में उतरे बिना ही राउंड ऑफ 16 में जगह मिल गई।

तनीशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी मकाऊ के लियोन इओक चोंग और एनजी वेंग ची को 21-11 21-11 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय खिलाड़ियों में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन को भी बुधवार को अपने मैच खेलने हैं।

उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था, पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना एवं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बच्चों को मध्याह्न भोजन ससमय, निर्धारित मेनू के अनुसार एवं पौष्टिक रूप से उपलब्ध कराया जाए।

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत विद्यालयों में पोषण वाटिका विकसित करने तथा मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था का संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण कर जांच करने का निर्देश दिया गया। साथ ही खाद्यान्न के उचित रख-रखाव एवं सुरक्षित भंडारण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने, विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा विद्यार्थियों के बीच क्र्र्र्र गोली का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। दिव्यांग बच्चों को चिन्हित कर विशेष कैंप आयोजित करने एवं पात्र बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत कराने को भी कहा गया। इसके अलावा छात्रों का आधार एवं आपार निर्माण को लेकर भी निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक अपनी जिम्मेदारी एवं उत्तरदायित्व को समझते हुए छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त ने कहा कि पठन-पाठन के साथ साथ छात्रों को अनुशासित रखना भी शिक्षकों की जिम्मेदारी है, बच्चें नियमित रूप विद्यालय में स्कूल यूनिफार्म के साथ आए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने फ्र्र्र्र टेस्ट की तैयारियों एवं प्रगति की जानकारी ली तथा टेस्ट में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा परीक्षा से संबंधित आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बच्चों पठन पाठन हेतु प्रेरित करें, जिससे वह विभिन्न परीक्षाओं में बेहतर परिणाम ला सके। विद्यालयों में नीट समेत अन्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियों के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से क्लास संचालित करने के विषय पर चर्चा की गई, एवं जल्द संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी बीईओ, सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रेल कॉलोनी रामपुर में 50 दुकानों व झोपड़ियों पर चिपकाए गए नोटिस

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रेल कॉलोनी रामपुर में रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से मकान, दुकान एवं झोपड़ी बनाकर रह रहे लोगों के खिलाफ रेल प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को रेलवे की टीम ने कॉलोनी में करीब 50 दुकानों एवं झोपड़ियों पर नोटिस चस्पा कर 26 अगस्त तक जगह खाली करने का निर्देश दिया। नोटिस चस्पा किए जाने की कार्रवाई शुरू होते ही दुकानदारों और अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया।

रेल प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा के अंदर संबंधित लोगों द्वारा जगह खाली नहीं करने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। रेलवे की जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराने को लेकर चलाए जा रहे अभियान से स्थानीय दुकानदारों में काफी बेचैनी देखी गई।मौके पर आईओडब्ल्यू मनीष कुमार, जितेंद्र कुमार, आरपीएफ कांस्टेबल गुंजन कुमार सहित रेलवे के कई कर्मचारी मौजूद थे।

गुलमोहर पब्लिक स्कूल में कराटे ग्रेडिंग परीक्षा संपन्न

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुलमोहर पब्लिक स्कूल में बुधवार को वार्षिक सेशिनकाई कराटे ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में विद्यालय के लगभग 25 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने काता, फाइट एवं बेसिक तकनीकों में अपने कौशल का बेहतर प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ऑरेंज बेल्ट एवं येलो बेल्ट के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। ये प्रमाण पत्र ऑल इंडिया सेशिनकाई कराटे संघ की ओर से दिए जाते हैं। ग्रेडिंग परीक्षा झारखंड के मुख्य प्रशिक्षक एवं प्रभारी शिहान उदय कुमार द्वारा ली गई। इस अवसर पर विद्यालय की कराटे प्रशिक्षिका एवं मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई फोजिया परवीन भी उपस्थित रहीं। परीक्षा के उपरांत सफल छात्रों को विद्यालय की डायरेक्टर सह प्रिंसिपल विद्या बक्शी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्र आगे भी इसी तरह मेहनत करते हुए और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। साथ ही उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग देने की बात कही।

प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ सुधीर कुमार शांडिल्य का निधन, शोक व्यक्त

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मशहूर चिकित्सक डॉ सुधीर कुमार सांडिल्य का मंगलवार शाम को निधन हो गया।विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे, जिसका इलाज रांची से चल रहा था, परंतु अचानक हृदयाघात से उनका देहांत हो गया।

डॉ सांडिल्य ने खूंटी, मुरहू बंदगांव के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में अपना सेवा दिया है। रिटायरमेंट के बाद भी निजी चिकित्सा सेवा कर रहे थे। मिलनसार व्यक्तित्व होने के कारण स्थानीय लोगों से काफी जुड़ाव रहा। उनके देहावसान पर विश्व बांग्ला हिंदी संगम परिषद के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष, डॉ एके झा,लाह एसोसिएशन के मनु जायसवाल (मन्नू बाबू), तुलसी प्रजापति,पौल भेंगरा, मार्शल बारला, रोशन कुमार भाजपा के जिप उपाध्यक्ष मंजु देवी, मुकेश जायसवाल, प्रियांक भगत, संजय साहू, महावीर राम मुरहू के समाजसेवी डॉ डीएन तिवारी, ध्रुवेन्द्र भास्कर, जन्मेजय भगत, सुबोध कुमार,प्रभुनन्दन पाठक, संजय सत्संगी, विष्णु देव चौधरी,रामहरि साव, मिथिलेश ठाकुर,मनु साव आदि ने शोक व्यक्त किया है।

खूंटी में 28 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर दी जान

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खूंटी के मारंगहादा थाना क्षेत्र के बरबंदा गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव के 28 वर्षीय युवक सहदेव मुंडा के रूप में की गयी है। जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम को परिवार के सभी सदस्य खेतों में काम करने गये थे। शाम में जब सभी लोग घर लौटे तो सहदेव घर पर नहीं था। आसपास खोजबीन करने पर घर के पास ही कटहल के पेड़ से सहदेव का शव फंदे से लटकता मिला। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि सहदेव पिछले करीब दो वर्षों से पेट दर्द की समस्या से परेशान था. उसका कई जगह इलाज कराया लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। आशंका जतायी जा रही है कि लगातार बीमारी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सावन में शिवभक्तों की सेवा में हजारीबाग यूथ विंग ने बांटे रेनकोट

बारिश के बीच देवघर जा रहे 150 से अधिक कांवरियों एवं शिवभक्तों को मिला सेवा का संबल

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सावन मास के पावन अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर की यात्रा पर निकलने वाले शिवभक्तों की सेवा के लिए हजारीबाग यूथ विंग ने बुधवार को सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की। भारत माता चौक के समीप संस्था की ओर से देवघर जा रहे 150 से अधिक कांवड़ियों एवं शिवभक्तों के बीच रेनकोट का वितरण किया गया।

बारिश के मौसम में श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने तथा उनकी यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से यह सेवा कार्य किया गया। रेनकोट वितरण के दौरान हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रेनकोट प्राप्त करने वाले शिवभक्तों ने हजारीबाग यूथ विंग के इस सेवा प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बारिश के बीच देवघर की यात्रा में यह सहयोग उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि सावन के पावन महीने में शिवभक्तों की सेवा करने का अवसर मिलना अपने आप में सौभाग्य की बात है। बाबा बैद्यनाथ के दर्शन के लिए निकलने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा थोड़ी भी सहज और सुरक्षित हो सके, यही इस पहल का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग सेवा को महज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और संस्कार के रूप में देखता है। सावन में सेवा का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

वहीं संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों की राह आसान करने का छोटा-सा प्रयास भी हमारे लिए बड़ी सेवा है। सच्ची भक्ति केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत के समय किसी के काम आना भी भक्ति का ही एक रूप है।

हजारीबाग यूथ विंग जरूरतमंदों और समाज के लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर है तथा आगे भी सामाजिक एवं मानवीय सेवा के कार्य पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रखेगा।कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल, मार्गदर्शक जयप्रकाश खंडेलवाल, विकास केशरी, कार्यकारिणी सदस्य प्रणीत जैन, सेजल सिंह, वर्षा डे, मोहम्मद ताजुद्दीन एवं राजेश जैन सहित संस्था के कई सदस्य मौजूद रहे।

सभी ने शिवभक्तों की सेवा में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

मघा नक्षत्र की बारिश से धान रोपनी से जुड़े किसानों को राहत, पर नदियां अब भी प्यासी

लोकाईंन,भुतही, धोबा, महतमाईन, बाहा और कररुआ वरसाती नदियों में अबतक जलप्रवाह नहीं

दनियावां (पटना), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सावन की तीसरी सोमवारी को हुई अच्छी बारिश और मघा नक्षत्र के प्रवेश के साथ हुई रिमझिम फुहारों से क्षेत्र के किसानों की उम्मीदें बंधी हैं। धान के खेतों में अच्छी जलजमाव हुई है और फसल को नई संजीवनी मिली है। प्रगतिशील किसान संघ से जुड़े पूर्व आत्मा अध्यक्ष सुनील कुमार, काजीबीघा के मिथिलेश कुमार, सरथुआ के सुनील कुमार, नागेंद्र पटेल, सतीश कुमार, पूर्व प्रमुख ब्रजेश किशोर सिन्हा, खरभैया के संत कुमार मुन्ना, कुंडली के बब्बन सिंह, शाहजहांपुर के झूलन सिंह, हसनपुर के रामनाथ सिंह, दनियावां के जगमोहन यादव, पीरबढौना के वीरेंद्र कुमार सिंह, किसान सलाहकार राजेश रंजन, शिव कुमार चौधरी, प्रवीण कुमार ने बताया कि इस बारिश से धान रोपनी में काफी मदद मिली है। खेतों में यूरिया और पोटाश का प्रयोग किया जा रहा है।सूखे की संभावना से भी मुक्ति मिलने की उम्मीद हुई है।

किसानों ने चिंता जताते हुए कहा कि क्षेत्र की लोकाईन, भुतही, धोबा, महतमाईन और बाहा नदियां अब तक सूखी पड़ी हैं।इसका मुख्य कारण इसके उद्गम पौराणिक फल्गु नदी में भरपूर पानी न आना है जो कि झारखंड के कोडरमा और हजारीबाग के जंगलों में अच्छी बारिश होने पर निर्भर रहती हैं। इन वरसाती नदियों में उफान न आने पर, सूखे रहने से हमारे सभी पारंपरिक जलस्रोत- आहर, पईन, पोखर, तालाब,कुआँ सब सूख गए हैं। नदी के पानी से ही भुजलस्तर बढ़ता है और इचना, पताशी, टेंगरा, चेलक्कर, भंकुरा जैसी लोकल मछलियों की आवाजाही होती है। नदी नहीं आने से इन मछलियों का स्वाद भी पिछले कई सालों से नसीब नहीं हो पा रहा,ऐसा सरथुआ के मुकेश कुमार, संजीव राणा, ई. विक्कू रंजन, जीवनचक के मुकुल केवट,तोप के राजकमल और रणधीर कुमार ने नवविहार टाइम्स को बताया। धान में कीटों का प्रकोप भी होने पर पिछले बार से ही ई कृषि भवन से समय पर कोई खास सहायता नहीं मिली थी ऐसा किसान संघ ने आरोप लगाया।दनियावां प्रखंड के 6 पंचायतों के 33 से अधिक राजस्व गांवों में 2400 हेक्टेयर में धान की खेती का लक्ष्य लगभग पूरा हो चुका है।85 से 90 प्रतिशत रकवा में ज्यादातर धान की हाइब्रिड नस्लें रोपी गयीं है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी जितेंद्र गौरव ने किसानों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।उन्होंने बताया कि किसान आवेदन देकर अपनी समसयाएं बताएं तो इसका निराकरण किया जाएगा। जिला कृषि पदाधिकारी को भी किसानों की समस्याओं से अवगत कराया गया है। साथ ही लोकाईन के उद्गम स्थल उद्देरस्थान से बैराज के माध्यम से पानी छोड़वाने की व्यवस्था की जा रही है।किसानों को उम्मीद है कि आगे होने वाली बारिश और बैराज से पानी छूटने पर नदियां आएंगी और तब जाकर गांव के जलस्रोत फिर से जीवित होंगे।

डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य ओपी गोयल ने किया अग्रसेन पब्लिक स्कूल का दौरा किया

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। सीसीएल डीएवी पब्लिक स्कूल गिरिडीह के प्राचार्य ओपी गोयल ने ताराटांड़ स्थित अग्रसेन पब्लिक स्कूल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था आधारभूत सुविधाओं एवं क्षेत्र में शिक्षा के विकास की संभावनाओं का अवलोकन किया विद्यालय पहुंचने पर अग्रसेन पब्लिक स्कूल के निदेशक अनिल अग्रवाल ने उनका स्वागत किया और उन्हें विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं से अवगत कराया दौरे के दौरान प्राचार्य ओपी गोयल ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी ली उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की तथा बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए।ओपी गोयल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार एवं नवाचार पर जोर देते हुए विद्यालय प्रबंधन को अपने अनुभव के आधार पर मार्गदर्शन दिया।इस अवसर पर ताराटांड़ क्षेत्र में बेहतर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से डीएवी पब्लिक स्कूल की स्थापना की संभावना को लेकर भी ओपी गोयल ने अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि यदि इस क्षेत्र में डीएवी की शैक्षणिक व्यवस्था का विस्तार होता है तो आसपास के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बेहतर अवसर मिल सकता है अग्रसेन पब्लिक स्कूल के निदेशक अनिल अग्रवाल ने प्राचार्य ओपी गोयल के आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से विद्यालय परिवार को नई दिशा मिलेगी उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन निरंतर प्रयासरत है ओपी गोयल के इस दौरे को क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है यदि भविष्य में ताराटांड़ क्षेत्र में डीएवी पब्लिक स्कूल की स्थापना की दिशा में पहल आगे बढ़ती है तो इससे आसपास के कई गांवों और क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा का लाभ मिलने की उम्मीद है इस दौरान विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

गिरिडीह कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में एमए सेमेस्टर 4 के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गिरिडीह कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में एमए सेमेस्टर 4 के छात्र छात्राओं के सम्मान में सेमेस्टर 2 के विद्यार्थियों द्वारा भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ बलभद्र सिंह सतीश यादव एवं डॉ. सीमा रानी मिंज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया इस दौरान विद्यार्थियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया मौके पर डॉ. बलभद्र सिंह ने कहा कि गिरिडीह कॉलेज से शिक्षा प्राप्त कर पास आउट होने वाले छात्र छात्राओं ने अपनी मेहनत लगन और आत्मविश्वास के बल पर सफलता हासिल की है उन्होंने एमए सेमेस्टर 4 के विद्यार्थियों को भी भविष्य में पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की शुभकामना दी उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने परिवार और कॉलेज का नाम हमेशा रोशन करते रहें उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास रचनात्मकता और आपसी समन्वय की भावना को बढ़ावा मिलता है ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के बीच बेहतर संबंध बनाने के साथ साथ उनकी प्रतिभा को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कार्यक्रम के दौरान डॉ. सीमा रानी मिंज एवं सतीश यादव ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। समारोह में विदाई लेने वाले विद्यार्थियों के लिए भावुक और यादगार माहौल देखने को मिला कार्यक्रम को सफल बनाने में राजनंदिनी निकिता ज्योत्सना अंकुश रवि आशीष एवं सूरज की सराहनीय भूमिका रही समारोह के दौरान छात्र छात्राओं ने एक-दूसरे के साथ यादगार पलों को साझा किया।

गिरिडीह में प्रखंड स्तर पर लगेंगे ड्राइविंग लाइसेंस कैंप 20 अगस्त से शुरूआत

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले के लोगों के लिए राहत की खबर है उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस कैंप लगाए जाएंगे।

इन कैंपों के जरिए लोगों को लाइसेंस से जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए जिला मुख्यालय जाने की जरूरत कम होगा जिला परिवहन कार्यालय ने 20 अगस्त से 12 नवंबर 2026 तक प्रखंडवार कैंप की तिथियां निर्धारित की हैं। पहला कैंप 20 अगस्त को बेंगाबाद प्रखंड मुख्यालय में लगेगा प्रखंडवार कैंप की तिथियां 20 अगस्त बेंगाबाद 27 अगस्त जमुआ 3 सितंबर तिसरी 10 सितंबर देवरी 18 सितंबर गावां 24 सितंबर धनवार 1 अक्टूबर गिरिडीह सदर 8 अक्टूबर पीरटांड़ 15 अक्टूबर डुमरी 22 अक्टूबर बगोदर 29 अक्टूबर बिरनी 5 नवंबर सरिया 12 नवंबर गांडेय जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कैंप की जानकारी का व्यापक प्रचार प्रसार कराने का निर्देश दिया है।

ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग इसका लाभ उठा सकें प्रशासन ने आम लोगों से निर्धारित तिथि पर अपने संबंधित प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सुविधा का लाभ लेने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

जनगणना कार्य की प्रगति को लेकर बीडीओ ने की बैठक

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्वेता कुमारी के नेतृत्व में बुधवार को जमालपुर प्रखंड कार्यालय में वर्ष 2027 की जनगणना कार्य की प्रगति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के द्वितीय चरण जिला जनगणना पुस्तिका जिला जनगणना पुस्तिका से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान प्रखंड क्षेत्र में जनगणना कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने, आंकड़ों के संकलन एवं सत्यापन तथा संबंधित अभिलेखों को अद्यतन रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने जनगणना कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं हो, इसके लिए सभी स्तरों पर सावधानी बरतने पर जोर दिया।बैठक में बताया गया कि जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रखंड क्षेत्र में कुल 32 विलेज ऑफिसर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कार्य की नियमित निगरानी करने तथा प्रगति रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।बैठक में बीएसओ राम प्रवेश कुमार,एमओ नितेश कुमार केसरी एवं एलईओ विक्रम कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

मेदांता पटना से टाई-अप हुआ जमालपुर का रेल अस्पताल

● जमालपुर रेलवे अस्पताल के लिए बड़ी उपलब्धि ● कारखाना के तमाम श्रमिक संगठनों एवं रेलकर्मी ने जताया आभार

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रेलकर्मियों और उनके आश्रितों को बेहतर एवं आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में जमालपुर रेलवे अस्पताल के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। श्रमिक संगठन एवं रेल कर्मियों की ओर से लंबे समय से उठाई जा रही मांग के बाद मुख्य रेलवे अस्पताल जमालपुर का पटना स्थित जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ टाई-अप होने की जानकारी सामने आई है। इस पहल पर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन, मेंस कांग्रेस, एससी एसटी एसोसिएशन, ओबीसी संगठन, पूर्वी रेलवे कर्मचारी संघ सहित रेल कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्य कारखाना प्रबंधक एवं अस्पताल प्रशासन के प्रति आभार जताया है। यूनियन नेता गोपाल जी, देव शंकर सिंह, जितेंद्र कुमार कृष्ण कुमार, सिसिलिया टुडू, मनोज कुमार, सतीश भारती, एके आजाद, भानु प्रताप पाठक ने कहा है कि यूनियन एवं रेल कर्मियों के इस मांग को गंभीरता पूर्वक मुख्य कारखाना प्रबंधक विनय प्रसाद वर्णवाल समझते हुए इस दिशा में सकारात्मक कार्रवाई की है जिसका नतीजा है कि आज जमालपुर के रेल कर्मी अत्याधुनिक अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। यूनियन नेता एवं रेल कर्मियों ने अस्पताल एवं कारखाना प्रशासन के प्रति आभार जताया है।यूनियन का मानना है कि मेदांता जैसे सुपर स्पेशियलिटी संस्थान से टाई-अप होने से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए रेलकर्मियों और उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा विकल्प मिल सकेगा।रेलवे के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार जमालपुर स्थित वर्कशॉप रेलवे अस्पताल में पहले से ही विभिन्न चिकित्सा सेवाओं के लिए बाहरी अस्पतालों के साथ टाई-अप की व्यवस्था रही है। वहीं रेलवे के उपलब्ध रिकॉर्ड में जमालपुर अस्पताल को 252 बेड वाले वर्कशॉप अस्पताल के रूप में दर्ज किया गया है।पटना का जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कार्डियक केयर, न्यूरोसाइंसेज, कैंसर केयर, गैस्ट्रोसाइंसेज, रीनल केयर और ऑर्थोपेडिक्स सहित कई सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध कराता है। अस्पताल के अनुसार यह बिहार सरकार और मेदांता समूह के सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत संचालित है।यूनियन ने इस उपलब्धि को जमालपुर के रेलकर्मियों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलने से गंभीर रोगों के इलाज के लिए कर्मचारियों और उनके परिवारों को राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती विद्या मंदिर में श्रद्धा-उत्साह के साथ मनाई गई तुलसी जयंती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-3सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बुधवार को गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ तुलसीदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करने एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाषण, कविता, गीत और तुलसीदास जी के

दोहों की सुंदर प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अद्या, अनामिका, प्रज्ञा, प्रेरणा, नवीन कुमार, जया झा, प्रणव, आर्या शर्मा, अमृता सिंह, आदित्य रंजन, अनिका सिंह, दिव्यांका जायसवाल, आर्या सिंह, अयुबिता, आकांक्षा, सुप्रिया कुमारी, अर्पिता, राजलक्ष्मी कुमारी एवं शौतिकांत सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। मुख्य वक्ता इंदु पांडेय ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन, साहित्यिक योगदान एवं रामचरितमानस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी की रचनाएं भारतीय संस्कृति, आदर्श जीवन और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा देती हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों को तुलसीदास जी के आदर्शों एवं जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में रामधुनी का आयोजन किया गया, जिससे पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

चीरा चास में पुराने विवाद को लेकर मारपीट, एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के चीरा चास में पुराने विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में गौतम झा नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में चोट लगी है, जिनका इलाज बोकारो सदर अस्पताल में चल रहा है। घायल गौतम झा ने आरोप लगाया कि चीरा चास थाना क्षेत्र के वास्तु विहार फेज-2 में विशाल

सिंह और उसके परिजनों ने उन पर जानलेवा हमला किया। उन्होंने बताया कि पुराने शादी-विवाह से जुड़े विवाद को लेकर यह हमला किया गया, जो पहले से सुनियोजित था। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडे से उन पर वार किया और उनके पास चाकू भी था। हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी। गौतम झा ने कहा कि बीच-बचाव करने की कोशिश करने वालों पर भी हमलावरों ने हमला किया। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर सजा दिलाने की मांग की है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

मनसा पूजा हमारी लोक आस्था,परम्परा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व : अरूप चटर्जी

निरसा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। निरसा विधानसभा क्षेत्र में मनसा पूजा पारंपरिक रीति-रिवाज और श्रद्धा के साथ मनाई गई। पूजा को लेकर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न मनसा मंदिरों में पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक अरूप चटर्जी ने पूजा में शामिल श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका कुशल-क्षेम जाना। उन्होंने कहा कि मनसा पूजा लोक आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व समाज में आपसी भाईचारे, सुख-शांति और समृद्धि की भावना को मजबूत करता

है। इस दौरान विधायक ने स्थानीय लोगों से क्षेत्र की समस्याओं और परिस्थितियों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं और क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने मां मनसा देवी से निरसा विधानसभा क्षेत्र के लोगों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही क्षेत्र में आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

झारखंड को 'लैंड ऑफ आर्चरी' के रूप में मिली नई पहचान : राज्यपाल

एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का बोकारो में उद्घाटन, देशभर से पहुंचे खिलाड़ी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम, बोकारो में बुधवार को आयोजित दूसरी एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे तीरंदाजों, प्रशिक्षकों और तकनीकी अधिकारियों का स्वागत करते हुए राज्यपाल ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि झारखंड को ह्यलैंड ऑफ आर्चरीह्न के रूप में भी जाना जाता है। राज्य की कई प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर झारखंड का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि उचित अवसर, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने पर झारखंड की प्रतिभाएं विश्व के बड़े मंचों पर अपनी पहचान बनाने की क्षमता रखती हैं। राज्यपाल ने कहा कि तीरंदाजी केवल धनुष-बाण चलाने का खेल नहीं है, बल्कि यह एकाग्रता, धैर्य, अनुशासन, संतुलन और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का खेल है। तीरंदाजी जीवन में भी यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मन एकाग्र हो और प्रयास निरंतर जारी रहे, तो सफलता की दिशा स्पष्ट होती जाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में धनुर्विद्या का गौरवशाली इतिहास रहा है। भगवान श्रीराम, अर्जुन और एकलव्य जैसे चरित्रों के माध्यम से धनुर्विद्या साधना, आत्मसंयम, एकाग्रता और लक्ष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक रही है। आधुनिक तीरंदाजी ने इस परंपरा को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से जोड़कर नई ऊंचाइयां दी हैं। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है कि इन प्रतिभाओं की समय पर पहचान कर उन्हें योग्य प्रशिक्षक, आधुनिक प्रशिक्षण, आवश्यक उपकरण और पर्याप्त प्रतियोगिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। संसाधनों के अभाव में कोई प्रतिभा पीछे न छूटे, इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' जैसे अभियानों से देश में खेलों के प्रति नया उत्साह पैदा हुआ है। इससे छोटे शहरों, कस्बों और गांवों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी तकनीक परखने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव हासिल करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है। राज्यपाल ने खिलाड़ियों से ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन को अपनी शक्ति बनाने तथा तकनीक और मानसिक एकाग्रता को लगातार मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीत महत्वपूर्ण है, लेकिन अपने पिछले प्रदर्शन से बेहतर करने का निरंतर प्रयास उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। अंत में उन्होंने झारखंड तीरंदाजी संघ, बोकारो जिला तीरंदाजी संघ, एनटीपीसी तथा प्रतियोगिता के आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

सेकंड एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट-2026 में शामिल होने बोकारो पहुंचे राज्यपाल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-4 स्थित मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में आयोजित सेकंड एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट-2026 में शामिल होने के लिए राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार बुधवार को बोकारो पहुंचे। स्टेडियम पहुंचने पर राज्यपाल को पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

तुलसीदास की रामचरितमानस में छिपे हैं आदर्श जीवन के सूत्र : राजेंद्र कामत

प्रतियोगिताओं के माध्यम से बालकों ने तुलसीदास के जीवन दर्शन को समझने का प्रयास किया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी, बोकारो के सभागार में संत शिरोमणि भक्त कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। भैया-बहनों को संबोधित करते हुए राजेंद्र कामत ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी की 12 प्रामाणिक रचनाएं मानी जाती हैं। इनमें रामचरितमानस ऐसी महान कृति है, जो मानव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को निखारने के लिए पर्याप्त है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी रामचरितमानस की उपयोगिता अत्यंत प्रासंगिक है। तुलसीदास जी ने भगवान श्रीराम के चरित्र के माध्यम से एक मनुष्य का दूसरे मनुष्यों के प्रति व्यवहार कैसा होना चाहिए, इसका सहज एवं सुंदर मार्गदर्शन किया है। पिता का पुत्र के साथ, गुरु का शिष्य के साथ, भाई का

भाई के साथ तथा राजा का प्रजा के साथ कैसा संबंध होना चाहिए, यह तुलसीदास जी ने भगवान श्रीराम के चरित्र के माध्यम से अत्यंत सरल एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। आवश्यकता है कि हम श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और अहंकार से दूर रहते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करें। कार्यक्रम में भैया-बहनों ने गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन एवं साहित्य से जुड़े अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही तुलसीदास जी की रचनाओं एवं रामचरितमानस के विभिन्न अंशों का पाठ किया। विद्यालय की आचार्या मीनाक्षी दीदी ने भी भैया-बहनों को तुलसीदास जी के जीवन, साहित्य एवं उनके आदर्शों से परिचित कराया। तुलसी जयंती के अवसर पर विद्यालय में सुलेख, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी भैया-बहनों ने हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने तुलसीदास जी के साहित्य, जीवन-दर्शन एवं श्रीराम के आदर्श चरित्र को समझने का प्रयास किया। कार्यक्रम में विद्यालय की सभी कक्षाओं के भैया-बहन, आचार्य एवं दीदी जी उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धाभाव से संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

साइबर अपराध रोकने को बैंकों की निगरानी बढ़ेगी: एसपी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। साइबर अपराध पर प्रभावी रोक लगाने के लिए धनबाद पुलिस ने बैंकों के साथ मिलकर निगरानी बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। साइबर सेफ्टी अवेयरनेस वीक के तहत बुधवार को धनबाद समाहरणालय स्थित पुलिस सभागार में सिंदरी अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न बैंकों के प्रबंधकों के साथ बैठक हुई। बैठक में म्यूल बैंक अकाउंट, फर्जी सिम कार्ड और चोरी के मोबाइल फोन के इस्तेमाल से होने वाले साइबर अपराध पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने कहा कि साइबर अपराध में म्यूल बैंक खाते, दूसरे लोगों के नाम पर जारी फर्जी सिम और चोरी के मोबाइल महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। इन पर प्रभावी रोक लगाकर साइबर अपराधियों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। बैठक में नए खुले बचत खातों का समय-समय पर फिजिकल वेरिफिकेशन कराने पर विशेष जोर दिया गया। खाताधारकों को बैंक बुलाकर मोबाइल नंबर और अन्य विवरणों की जांच करने तथा यह सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई कि खाता संबंधित व्यक्ति ने स्वयं खोला है या किसी अन्य व्यक्ति ने उसके नाम पर खुलवाया है। पुलिस के अनुसार कई मामलों में लोगों को रुपये या कमीशन का लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाए जाते हैं। ऐसे खाते बाद में साइबर अपराध से जुड़े लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। पुलिस ने बैंकों से संदिग्ध या म्यूल अकाउंट की जानकारी तत्काल थाना, डीएसपी या संबंधित पुलिस

फ्लैट के नाम पर ठगी के आरोपित दंपति के आवास पर इश्तिहार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों से रुपये लेने और आवास उपलब्ध नहीं कराने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। धनसार थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर आरोपित दंपति के रेजिडेंशियल अपार्टमेंट में इश्तिहार चस्पा किया है। यह कार्रवाई धनसार थाना कांड संख्या 159/23, 160/23 और 50/25 के तहत की गई है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय के भीतर अभियुक्त न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये लेने और बाद में आवास उपलब्ध नहीं कराने के आरोप में धनसार थाना पुलिस ने बुधवार को आरोपित दंपति के आवास पर इश्तिहार चस्पा किया। धनसार थाना के एसआई कृष्णा चौधरी के अनुसार, थाना कांड संख्या 159/23, 160/23 और 50/25 में विश्वरंजन तिवारी और उनकी पत्नी सुचित्रा तिवारी नामजद अभियुक्त हैं। दोनों के खिलाफ न्यायालय की ओर से इश्तिहार जारी किया गया था। इसी आदेश के आलोक में पुलिस टीम ने उनके रेजिडेंशियल अपार्टमेंट में इश्तिहार चस्पा किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपित दंपति पर फ्लैट

उपलब्ध कराने का झांसा देकर कई लोगों से बड़ी रकम लेने का आरोप है। रुपये लेने के बावजूद जब लोगों को फ्लैट नहीं मिला तो पीड़ितों ने धनसार थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, आरोपित दंपति के खिलाफ बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में भी इसी तरह के मामले में प्राथमिकी दर्ज है। उस मामले में न्यायालय के आदेश पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई भी की जा चुकी है। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद अगर अभियुक्त निर्धारित समय सीमा के भीतर उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की तीन वारदातों का खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार

चास पुलिस ने चोरी का सामान किया बरामद, सात मोबाइल समेत सोने-चांदी के आभूषण जब्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास थाना क्षेत्र में विगत 22 जुलाई, 11 अगस्त और 15 अगस्त 2026 की रात अज्ञात चोरों द्वारा घरों की खिड़की तोड़कर जेवरात, नकद रुपये और मोबाइल फोन चोरी किए जाने के मामलों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इन घटनाओं को लेकर चास थाना में कांड दर्ज किए गए थे। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर सहायक पुलिस अधीक्षक, सदर चास के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने मानवीय सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की घटनाओं में संलिप्त छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के सामान भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में गौतम बाउरी उर्फ मिरिंडा (22), राहुल कुमार बाउरी (19), रवि कुमार पांडेय (24), प्रिंस कुमार उर्फ कृष्ण (19), अमन राज उर्फ मनीष कुमार (32) और

कृष्णा कुमार पॉल (25) शामिल हैं। सभी आरोपी चास थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने जैसे कंगन के सात पीस, सोने जैसे धातु का 3.50 ग्राम टुकड़ा, लोहे का कापड़, छोटा तौलने का मशीन, सात मोबाइल फोन तथा 12 पॉकेट चांदी के नोट यानी कुल 60 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपी गौतम बाउरी उर्फ मिरिंडा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ चास थाना में वर्ष 2021 में चोरी एवं अन्य धाराओं के तहत दो मामले दर्ज हैं। छापेमारी दल में सहायक पुलिस अधीक्षक वेदांत शंकर, चास थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह समेत चास थाना के पुलिस पदाधिकारी, रिजर्व गार्ड और तकनीकी शाखा के कर्मी शामिल थे।

डीएवी स्कूल में साइबर सुरक्षा की पाठशाला, बच्चों को बताए गए ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के नेतृत्व में जिले में साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को डीएवी स्कूल, कोयला नगर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने विद्यालय के सैकड़ों

छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों, उससे होने वाले नुकसान तथा इससे बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीण एसपी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक ने लोगों के जीवन को आसान बनाया है लेकिन इसके साथ साइबर अपराध की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। ऐसे में किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने, अज्ञात नंबर से आने वाले फोन या मैसेज पर भरोसा करने तथा अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध का शिकार होने पर घबराने के बजाय तत्काल इसकी सूचना पुलिस को देना बेहद जरूरी है। समय पर शिकायत मिलने से साइबर ठगी की रकम को रोकने अथवा उसकी रिकवरी की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें और अपने माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों तथा आसपास के लोगों को भी साइबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी साझा करें।

बेटी के जन्म की खुशियों में शामिल हुए उपायुक्त

कहा: बेटियां हैं परिवार और समाज की सबसे बड़ी पूंजी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेटियों के प्रति सम्मान और सकारात्मक सामाजिक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे बधाई हो बेटी हुई है अभियान के तहत उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा झा बुधवार को अपने अंगरक्षक नितेश कुमार के पुलिस लाइन स्थित आवास पहुंचे और उनके यहां नवजात पुत्री के जन्म पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपायुक्त दंपति ने नन्हीं बच्ची को स्नेह एवं आशीर्वाद प्रदान किया तथा परिवारजनों का मुंह मीठा कराकर उनकी खुशियों में सहभागी बने। उन्होंने बच्ची के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। वे केवल घर की खुशियों का आधार नहीं, बल्कि समाज के विकास और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण सहभागी हैं। बेटी का जन्म उत्सव का अवसर है और इसे पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और समान अवसर की भावना को मजबूत करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आने की जरूरत है। बेटी के जन्म पर परिवार को बधाई देना, उनकी खुशियों में शामिल होना और उन्हें सम्मानित करना एक सकारात्मक सामाजिक संदेश देता है। मौके पर डॉ. प्रतिमा झा ने कहा कि

बेटियां स्नेह, संवेदना और संस्कारों की प्रतीक होती हैं। परिवार और समाज को उनके जन्म का स्वागत खुले मन से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा और मजबूत होगी। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास किसी परिवार में बेटी का जन्म होने पर उन्हें बधाई दें, मुंह मीठा कराएं तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपहार देकर उनकी खुशियों में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि बेटियों के सम्मान और प्रोत्साहन से ही एक संवेदनशील, समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव है। मौके पर सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK